3 राजधानी
पानी बिल पर लेट पेमेंट शुल्क होगा माफ

6 अभिमत
बिजली सुधारों पर विपक्ष का विरोध

9 विशेष
मोदी से था अनोखा रिश्ता

10 विदेश
ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री से मिले जयशंकर

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 330
नई दिल्ली, मंगलवार, 11 अक्टूबर, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

सिंधु को दिसंबर में विश्व टूर फाइनल तक फिट होने की उम्मीद
स्पोर्ट्स-12

www.dailypioneer.com

नहीं रहे मुलायम सिंह यादव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम, नई दिल्ली, लखनऊ

1939-2022

● उप्र के तीन बार मुख्यमंत्री रहे सपा संस्थापक का 82 वर्ष की आयु में निधन

● उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया

समाजवादी पार्टी के संस्थापक, उत्तर प्रदेश के तीन बार के मुख्यमंत्री, अपने प्रदेश की राजनीति से लेकर राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभाने वाले मुलायम सिंह यादव का सोमवार को निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। पूर्व रक्षामंत्री यादव को अगस्त महीने में गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था और दो अक्टूबर को उन्हें सघन चिकित्सा इकाई में स्थानांतरित किया गया था। सपा के आधिकारिक हैंडल से किए गए ट्वीट में सपा अध्यक्ष और मुलायम सिंह यादव के पुत्र अखिलेश यादव ने कहा, मेरे आदरणीय पिता जी और सबके नेता जी नहीं रहे। उनके निधन पर विभिन्न दलों के नेताओं ने शोक व्यक्त किया है और उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार ने तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है।

मुलायम सिंह यादव का यह गांव जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र के अतंर्गत आता है, जहां से वर्ष 1967 में वह पहली बार विधायक चुने गए थे। उस समय वह राम मनोहर लोहिया की संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर निर्वाचित हुए थे। मुलायम सिंह यादव की मौत की खबर सुनने के कुछ समय बाद ही गृह मंत्री अमित शाह अस्पताल गए और सपा अध्यक्ष और मुलायम सिंह के बेटे अखिलेश यादव और उनके परिवार से मुलाकात की। कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला और जनता दल (यूनाइटेड) के नेता केसी त्यागी भी अस्पताल पहुंचे।

उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के सैफई गांव में एक किसान परिवार में 22 नवंबर 1939 को जन्मे मुलायम सिंह यादव ने राज्य का सबसे प्रमुख सियासी कुनबा भी बनाया। यादव 10 बार विधायक रहे और सात बार सांसद भी चुने गए। वह तीन बार (वर्ष 1989-91, 1993-95 और 2003-2007) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और 1996 से 98 तक देश के रक्षा मंत्री भी रहे। एक समय उन्हें प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर भी देखा गया था। यादव दशकों तक राष्ट्रीय नेता रहे, लेकिन उत्तर प्रदेश ही ज्यादातर उनका राजनीतिक अखाड़ा रहा। समाजवाद के प्रणेता राम मनोहर लोहिया से प्रभावित होकर सियासी सफर शुरू करने वाले यादव ने उत्तर प्रदेश में ही अपनी राजनीति निखारी और तीन बार प्रदेश की सत्ता के शीर्ष तक पहुंचे। वर्ष 2017 में समाजवादी पार्टी की बागडोर अखिलेश यादव के हाथ में आने के बाद भी मुलायम सिंह यादव पार्टी समर्थकों के लिए नेताजी बने रहे और मंच पर उनकी मौजूदगी समाजवादी कुनबे को जोड़े रखने की उम्मीद बंधाती थी। समाजवादी मुलायम सिंह यादव ने राजनीतिक संभावनाओं को हमेशा खोल कर रखा और वह हर अवसर का इस्तेमाल करने वाले राजनेता रहे। (शेष पेज 8)

सैफई में मुलायम सिंह यादव के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

धरतीपुत्र, समर्थकों के नेता, लोकतंत्र के सिपाही जैसे अनेक नामों से पुकारे जाने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक मुलायम सिंह यादव को राजनीति से ऊपर उठकर सभी दलों के नेताओं ने श्रद्धांजलि और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। सभी ने कहा कि सिंह के निधन से भारतीय राजनीति में एक खालीपन आ गया है, जिसकी भरपाई मुश्किल है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि धरती पुत्र मुलायम जमीन से जुड़े दिग्गज नेता थे। उनका सम्मान सभी दलों के लोग करते थे। उनके परिजनों एवं समर्थकों के प्रति मेरी गहन शोक-संवेदनाएं। (शेष पेज 8)

बेमौसमी बरसात से खरीफ को नुकसान

● सीजन के शुरू में कम और अब अत्यधिक वर्षा से कई फसलें प्रभावित, आगामी दिनों में अनाज की कीमतें बढ़ने की आशंका

राजेश कुमार। नई दिल्ली

भारी बरसात से धान की फसल के गिर जाने के बाद हताश किसान

कई राज्यों में अप्रत्याशित वर्षा ने चावल, सोयाबीन, कपास, दालों और सब्जियों जैसी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। ये फसलें पककर कटने के लिए लगभग तैयार हैं और कई दिन से लगातार बरस रहे पानी से खेतों में ही खराब हो रही हैं। इससे दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में आने वाले दिनों में महंगाई और बढ़ सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों से पता चला है कि भारत में 1 से 10 अक्टूबर के बीच सामान्य 34.3 मिमी के मुकाबले अब तक 57.3 मिमी बारिश हुई है। अनुमान है कि इस बेमौसम बारिश से 15 से 20 प्रतिशत फसल को नुकसान हो सकता है। सरकारी एजेंसियां अभी गर्मी की फसलों को हुए नुकसान का आकलन करेंगी, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट भारी बर्बादी का संकेत दे रही है।

ग्रामीण भारत के गैर सरकारी संगठनों के परिसंघ (सीएनआरआई) के महासचिव और कृषि मंत्रालय द्वारा स्थापित एमएसपी पर उच्च स्तरीय समिति के सदस्य डॉ. बिनोद आनंद ने द पायनियर को बताया कि अक्टूबर की बारिश ने 15 से 20 प्रतिशत फसलें क्षतिग्रस्त कर दी हैं। इससे पैदावार में कमी आ सकती है और फसल की गुणवत्ता भी गिर सकती है, क्योंकि इस समय फसलें कटाई के लिए तैयार थीं। कुछ जगहों पर तो ये कटकर खेत में पड़ी थीं, जो वर्षा के कारण वहीं गल रही हैं। इस कारण न केवल देश में मौजूदा समय एवं भविष्य में खाद्यान्न की स्थिति प्रभावित होगी, बल्कि निर्यात पर भी असर देखने को मिलेगा। डॉ. आनंद ने कहा कि जो फसल देर से बोई गई, वह बच सकती है, लेकिन उनकी गुणवत्ता गिर जाएगी। ऐसे में खाद्य सामग्री की कीमतें और बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में इस वर्ष अक्टूबर में 400-500 प्रतिशत बारिश हुई। दक्षिणी-पश्चिमी मानसून सीजन सितंबर में खत्म हो चुका है, जिसमें सामान्य से 6 प्रतिशत अधिक 925 मिलीमीटर हुई थी। हालांकि इस साल जून में कम बारिश के कारण फसलें देर से बोई गईं अथवा कम बोई गईं और अब अत्यधिक बारिश ने तैयारी खड़ी फसल को बुरी तरह प्रभावित कर दिया।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला है कि केंद्रीय भंडार में 30 सितंबर, 2022 तक 44.1 मिलियन टन खाद्यान्न का भंडार है। इसमें 20.9 मिलियन टन चावल और 23.2 मिलियन टन गेहूं है। 1 सितंबर, 2022 से पहले स्टॉक 49.28 मिलियन टन था, जिसमें 27.95 मिलियन टन चावल और 24.82 मिलियन टन गेहूं था। चावल उत्पादन का अनुमान मौजूदा सीजन के लिए निर्धारित लक्ष्य 112 मिट्रिक टन और 2020-21 के कुल उत्पादन 105.21 मिट्रिक टन के आंकड़े से कम है। (शेष पेज 8)

धरतीपुत्र से जुड़ी प्रमुख उपलब्धियां व घटनाएं

1939: उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के सैफई गांव में मुलायम का जन्म हुआ
1967: राम मनोहर लोहिया की संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से पहली बार विधायक बने।
1968: चौधरी चरण सिंह के भारतीय क्रांति दल में शामिल हुए। इस पार्टी का संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी में विलय हो गया और भारतीय लोक दल का गठन हुआ। आपातकाल (1975-1977) के बाद भारतीय लोक दल का जनता दल में विलय हो गया।
1977: पहली बार मंत्री बने।
1982-1985: विधान परिषद के सदस्य रहे और परिषद में विपक्ष के नेता बने।
1985-87: जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष बने।
1989-1991: पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।
1992: समाजवादी पार्टी का गठन किया।
1993-95: दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।
1996: उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा, रक्षा मंत्री बने।
1998: संभल से फिर से लोकसभा सदस्य बने।
1999: संभल से फिर से सांसद चुने गए।
2003: तीसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। पत्नी मालती देवी का निधन। साधना गुप्ता से विवाह किया।
2004: मैनपुरी से सांसद चुने गए।
2007: उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता बने।
2009, 2014 और 2019 में सांसद बने।
10 अक्टूबर 2022 को निधन।

कांग्रेस की बदली चुनावी रणनीति पर निगाह रखें कार्यकर्ता: मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● आप पर भी साधा निशाना, कहा- शहरी नक्सली प्रवेश की फिराक में, राज्य उन्हें बर्बाद कर देगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में कांग्रेस के 'खामोश' अभियान के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं को चेताते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी को अपनी चुनावी रणनीति में बदलाव करना होगा जिससे कि विपक्षी पार्टी की 'साजिश' का जवाब दिया जा सके। उन्होंने परोक्ष रूप से आम आदमी पार्टी (आप) पर भी हमला किया, जो इस साल के अंत में मोदी के गृह राज्य में होने वाले चुनाव में पांव जमाने की कोशिश में है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'अर्बन नक्सल' अपनी पहचान बदलकर गुजरात में घुसने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन राज्य उन्हें बर्बाद कर देगा।

मोदी राज्य के दौरे पर हैं। उन्होंने भरूच जिले में कहा लग रहा है कि इस बार कांग्रेस ने गुजरात में अपनी चुनावी रणनीति बदल दी है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे सतर्क रहें तथा कांग्रेस के तौरतरीको को देख उसके मुताबिक अपनी रणनीति में बदलाव करें। आणंद जिले के वल्लभ विद्यानगर में भाजपा की एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा ' मैं आपको चेताना चाहता हूं क्योंकि मुझे ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने इस बार नई रणनीति अपनाई है। मैंने इसकी जांच नहीं की है लेकिन पहली नजर में देखने से मुझे ऐसा लगा।' उन्होंने कहा कि पूर्व में विधानसभा चुनावों में कांग्रेस काफी शोर मचाती थी तथा भाजपा को खत्म करने का दावा करती थी, जो पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय राज्य में शासन कर रही है। उन्होंने कहा ' पिछले 20 सालों में हम पराजित नहीं हुए लिहाजा इस बार वे कुछ नया कर रहें। मोदी 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि शहरी नक्सली अपना चोला बदलकर गुजरात में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन यह राज्य उन्हें बर्बाद कर देगा। पीएम ने आम आदमी पार्टी पर करारा हमला किया। मोदी ने कहा, शहरी नक्सली नए रूप में राज्य में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अपना चोला बदल लिया है। वह हमारे मासूम और ऊर्जावान युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें देश को बर्बाद करने पर तुले इन शहरी नक्सलियों से अपने युवाओं को बचाना है। वे विदेशी शक्तियों के एजेंट हैं। गुजरात उनके समक्ष कभी अपना शीश नहीं झुकाएगा। गुजरात उन्हें बर्बाद कर देगा।

भारत को स्विट्जरलैंड से बैंक खातों की जानकारी मिली

नई दिल्ली, बर्न (भाषा)। भारत को स्विट्जरलैंड के साथ सूचना के स्वत: आदान-प्रदान व्यवस्था के तहत अपने नागरिकों और संगठनों के स्विस बैंक खातों के बारे में लगातार चौथे साल जानकारी मिली है। स्विट्जरलैंड ने भारत समेत 101 देशों के साथ करीब 34 लाख वित्तीय खातों का ब्योरा साझा किया है। अधिकारियों ने कहा कि भारत के साथ सैकड़ों वित्तीय खातों से संबंधित ब्योरा साझा किया गया है। इसमें कुछ लोगों, कंपनियों और न्यासों के खाते शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने सूचना के आदान-प्रदान के तहत गोपनीयता के प्रावधान का हवाला देते हुए विस्तृत जानकारी नहीं दी क्योंकि इसका आगे की जांच पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। अधिकारियों ने कहा कि चोरी के संदिग्ध मामलों और धन शोधन तथा आतंकवाद के वित्तपोषण समेत अन्य गड़बडि़यों की जांच में आंकड़ों का उपयोग किया जा सकेगा। संघीय कर प्रशासन (एफटीए) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इस साल सूचनाओं के आदान-प्रदान से सूची में पांच नए क्षेत्र... अल्बानिया, ब्रुनेई दारुस्सलाम, नाइजीरिया, पेरू और तुर्की...शामिल किए गए हैं। वित्तीय खातों की संख्या में लगभग एक लाख का इजाफा हुआ है। सूचना का आदान-प्रदान 74 देशों के साथ हुआ। इन देशों से स्विट्जरलैंड को भी सूचना प्राप्त हुई। लेकिन रूस समेत 27 देशों के मामले में कोई सूचना नहीं दी गई है। इसका कारण या तो इन देशों ने अभी तक गोपनीयता और आंकड़ों की सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया है अथवा उन्होंने आंकड़े प्राप्त नहीं करने का विकल्प चुना है। हालांकि, एफटीए ने 101 देशों के नामों और अन्य जानकारी का खुलासा नहीं किया है।

कॉलेजियम ने आपत्ति जताने वालों के नाम किए उजागर

पीएनएस/एजेंसी। नई दिल्ली

● न्यायाधीशों की नियुक्ति का मामला

● न्यायाधीशों की नियुक्ति पर सदस्यों के विचार जानने के लिए सीजेआई के तरीके पर जताया था एतराज

एक अभूतपूर्व घटनाक्रम में, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पैनल के उन दो जजों के नाम सार्वजनिक कर दिए हैं, जिन्होंने न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति पर अपने सदस्यों के विचारों को जानने के लिए अपनाए गए सर्कुलेशन (पदोन्नति के लिए विचाराधीन न्यायाधीशों के फैसले कॉलेजियम के सदस्यों को वितरित करके उनकी राय जानने) के तरीके पर आपत्ति जताई थी।

सोमवार को सार्वजनिक हुए नौ अक्टूबर को जारी एक बयान में, कॉलेजियम ने कहा कि न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और एस अब्दुल नजीर ने 'सर्कुलेशन' के तरीके पर आपत्ति जताई थी। इसका इस्तेमाल कार्यवाही में प्रत्यक्ष रूप से भाग लेने में असमर्थ सदस्यों के विचार जानने के लिए पहली बार किया गया। कॉलेजियम ने कहा कि उसकी 30 सितंबर की बैठक बेनतीजा रही। यह बैठक विवादों में घिर गई थी क्योंकि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) यूयू ललित द्वारा बढ़ाए गए प्रस्ताव को कॉलेजियम के दो न्यायाधीशों से सहमति मिली, जबकि अन्य दो ने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताई।सीजेआई यू यू ललित की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम में न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति केएम जोसफ शामिल हैं। कॉलेजियम ने 26 सितंबर को अपनी पहली बैठक से 30 सितंबर 2022 तक के पूरे घटनाक्रम का विवरण दिया है। (शेष पेज 8)

बाजार

सेंसेक्स	57,991	↓ 200
निफ्टी	17,241	↓ 74
सोना	51,320	↓ 640 /10g
चांदी	59,293	↓ 1492 /kg

क्विक न्यूज

जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में हुई मुठभेड़ में सोमवार सुबह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि मुठभेड़ के दौरान सेना के दो जवान और सेना का एक खोजी श्वान घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की ठोस जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के इस जिले के तांगपावा इलाके मे रविवार रात घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चला दी, जिसके बाद बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में सोमवार सुबह दो आतंकवादी मारे गए।

घृणा भाषण को लेकर आयोजकों के खिलाफ दर्ज हुई प्राथमिकी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● दिल्ली पुलिस ने बिना इजाजत कार्यक्रम करने पर की कार्रवाई

दिल्ली पुलिस ने दिलशाद गार्डन इलाके में बिना इजाजत कार्यक्रम आयोजित करने के आरोप में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और अन्य आयोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस कार्यक्रम में कुछ वक्ताओं ने कथित तौर पर नफरत भरे भाषण दिए थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

विहिप ने कार्यक्रम के लिए अनुमति नहीं लेने के पुलिस के दावे को हास्यास्पद बताया और कहा कि दिलशाद गार्डन में हुए इस कार्यक्रम में पुलिसकर्मी तैनात थे। वहीं दिल्ली से भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने रविवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि उत्तर पूर्वी दिल्ली में 19 वर्षीय हिंदू युवक की हत्या के विरोध में एक खास समुदाय का पूरी तरह बहिष्कार करना चाहिए। हालांकि वर्मा ने कहा कि उन्होंने अपने संबोधन में किसी खास समुदाय का नाम नहीं लिया था।

शाहदरा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) आर. सत्यसुंदरम ने कहा कि पुलिस से अनुमति न लेने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत प्रख्यापित आदेश की अवज्ञा) के तहत आयोजकों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। कार्यक्रम का आयोजन विहिप समेत कई दक्षिणपंथी संगठनों ने किया था। विहिप प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि यह हास्यास्पद है कि पुलिस कह रही है कि कार्यक्रम के लिए अनुमति नहीं ली गई थी, (शेष पेज 8)

रूस का यूक्रेन पर ताबड़तोड़ मिसाइल हमला

● कीव समेत कई शहर रहे निशाने की जद में, आठ लोगों की मौत

पीएनएस/एजेंसी। कीव

रूस ने सोमवार को यूक्रेन की राजधानी कीव समेत उसके कई शहरों पर मिसाइल हमला किया जिसमें नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया गया। राजधानी कीव में हमलों में आठ लोगों की जान जाने की खबर है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बाद में कहा कि यूक्रेन पर हमले मास्को नियंत्रित क्रीमिया प्रायद्वीप के एक पुल पर हमले समेत कीव की आतंकवादी कार्रवाई के जवाब में किए गए। पुतिन ने कहा कि रूसी सेना ने प्रमुख ऊर्जा और सैन्य कमान सुविधाओं को लक्षित करने के लिए हवा, समुद्र और जमीन से सटीक हथियार प्रक्षेपित किए।

यूक्रेन पर रूस के हमले में ध्वस्त गाड़ियां

उन्होंने चेतावनी दी कि यूक्रेन अगर रूस पर आतंकवादी हमले जारी रखता है, तो मास्को की प्रतिक्रिया खतरे के स्तर के लिहाज से सख्त और आनुपातिक होगी। घंटों तक चलने वाले भीषण हमले ने मास्को द्वारा अचानक सैन्य हमलों को तेज किए जाने को परिलक्षित किया है। इससे एक दिन पहले ही पुतिन ने शनिवार को रूस को क्रीमिया के कब्जे वाले क्षेत्र से जोड़ने वाले विशाल पुल पर विस्फोट को यूक्रेनी विशेष सेवाओं द्वारा नियोजित एवं अंजाम दिया गया एक आतंकवादी कृत्य कहा था। यूक्रेन के गृह मंत्रालय के सलाहकार रोस्तिस्लाव स्मिरनोव ने बताया कि कीव में हुए हमले में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य लोग घायल हो गए।

प्रमुख शहरों पर निरंतर हमलों ने आवासीय क्षेत्रों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुविधाओं को समान रूप से प्रभावित किया। हाल के हफ्तों में एक सफल यूक्रेनी जवाबी कार्रवाई के बीच युद्ध में तेजी नजर आई है। कीव के मेयर विताली क्लित्चको ने कीव के बीचों-बीच शेवचेंको में विस्फोट होने की जानकारी दी। इस इलाके में कई सरकारी कार्यालय हैं, जिन्हें नुकसान पहुंचा है। कई स्थानीय निवासी सड़कों पर नजर आए और उनमें से कई घायल थे। हवाई हमलों से लोगों को सतर्क करने वाले सायरन कीव समेत देश के कई इलाकों में बार-बार बज रहे थे। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेनवासियों से मजबूती से डटे रहने की अपील करते हुए अपने टेलीग्राम खाते पर कहा, रूस हमें नष्ट करने और पृथ्वी से हमारा नामो-निशान मिटाने की कोशिश कर रहा है। (शेष पेज 8)

यूक्रेन की अनावश्यक यात्रा से बचें: भारतीय दूतावास

नई दिल्ली। यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार को भारतीय नागरिकों को यूक्रेन की अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी। भारतीय दूतावास का यह परामर्श यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष तेज होने के बाद आया है। दूतावास ने भारतीयों को यूक्रेन में रहने की जानकारी देने और अपनी स्थिति से भी उसे अवगत कराने को कहा है ताकि जरूरत पड़ने पर उन तक पहुंचा जा सके। दूतावास ने कहा, यूक्रेन में जारी संघर्ष के तेज होने के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे यूक्रेन की एवं यूक्रेन के भीतर की अनावश्यक यात्रा से बचें।

बारिश से राहत कम मुसीबत ज्यादा तीन दिन में गड्ढों में बदली सड़कें

● ऑफिस के समय पर यातायात का बुरा हाल, बॉर्डर लगी वाहनों की लंबी लाइनें

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिले में शनिवार से शुरू हुई बारिश सोमवार को भी जारी रही। इससे नोएडा ग्रेटरनोएडा और ग्रेनोवेस्ट में हर जगह सड़कों पर गड्ढे होने और पानी भरने से आवाजाही में समस्या आ रही है।

सोमवार को पीक आवर में लोगों को जाम का सामना करना पड़ रहा है। सेक्टर-15ए से सेक्टर-3 रजनीगंधा चौराहे की ओर आने वाले लूप, सेक्टर-94 गोलचक्कर, सेक्टर-60 अंडरपास के ऊपर, सेक्टर-142 अंडरपास, सेक्टर.20 के सामने समेत अन्य स्थानों पर वाहनों चालकों को स्लो ट्रैफिक झेलना पड़ रहा है। इसके अलावा कालिंदी कुंज, पर्थला गोलचक्कर, सेक्टर-62 मॉडल टाउन, सेक्टर-62 फोर्टिस अस्पताल के सामने समेत कई जगह जाम की समस्या हुई। सेक्टर-16ए फिल्म सिटी की तरफ से सेक्टर-18 की ओर जाते समय पुल पर सड़क में जगह-जगह कई गड्ढे हो गए हैं। ऐसे में यहां से गाड़ियां अटकते हुए निकल रही थीं।

वहीं, एमपी टू रास्ते पर सेक्टर-28 विश्वभारती स्कूल के सामने सड़क में गहरा गड्ढा हो गया है। लोगों ने बताया कि सेक्टर-44 यू.टर्न के पास, सेक्टर-67 ट्रांसपोर्ट नगर, एफ एनजी रोड पर सेक्टर-63 छिजारसी के सामने समेत कई सड़कों पर गड्ढे हो गए। मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण ऐसा हो रहा है। अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। हवा में 99 प्रतिशत नमी बनी हुई है। वहीं हवा की रफ्तार 8 किमी प्रति घंटा है। बताया गया कि अगले 24 घंटे तक बारिश के आसार है। गरज के साथ बारिश होना बताया गया है। बारिश की वजह से पैरामाउंट इमोशन सोसाइटी के आर टावर में पानी की टंकी का प्लास्टर नीचे आ गिरा। गनीमत रही कि इस दौरान वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था।

लोगों ने सोसाइटी के निर्माण सामग्री पर सवाल उठाए हैं। बारिश से ग्रेनो के अरिहंत अंबर सोसाइटी, निराला स्टेट, गौर सिटी में बिजली की ट्रिपिंग की समस्या रही। ग्रेनो वेस्ट के ईको विलेज फर्स्ट में बिल्डर की लापरवाही से बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गई है। ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरीके से धरासाई हो गया है। कई गाड़ियों में घुस गया है। घरों से निकलना मुश्किल। लोगों का आरोप है बिल्डर कोई सुध नहीं ले रहा है। इसके अलावा सेक्टर-27 में कई घरों के बाथरुम में पानी भर गया है। जिला अधिकारी सुहास एल वाई ने आज के लिए कक्षा एक से कक्षा 12 तक के सभी बोर्ड स्कूलों को बंद कर दिया है। यह जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह के द्वारा दी गई है। इसके अलावा कई सेक्टर और गांवों में बिजली सप्लाई बाधित है। यहां फाल्ट होने से बार बार शटडाउन लिया जा रहा है। जिसके चतले ट्रिपिंग और सप्लाई दोनों में समस्या आ रही है।

गौतमबुद्ध नगर से गुजरा नेताजी का पार्थिव शरीर

पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव के पार्थिव शरीर पर पुष्पवर्षा करते समाजवाद पार्टी के कार्यकर्ता।

● अंतिम दर्शन के लिए यमुना एक्सप्रेसवे पर जुटे लोग

रिंकू यादव। नोएडा

मुलायम सिंह यादव का पार्थिव शरीर गौतमबुद्ध नगर से होकर गुजर। इस दौरान मुलायम सिंह यादव के अंतिम दर्शन करने के लिए डीएनडी से यमुना एक्सप्रेसवे तक जगह जगह लोगों का तांता लग गया। भारी संख्या में लोग डीएनडी और यमुना एक्सप्रेसवे पर खड़े हो गए।

जैसे ही गाड़ियां डीएनडी पर पहुंची वहां भारी संख्या में मौजूद पार्टी के कार्यकर्ताओं फूल बरसाकर अपने नेता को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद नोएडा महामाया फ्लाईओवर के पास भी सेंकड़ों की संख्या में मौजूद लोगों ने नेजा जी को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

उसके बाद नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच कई जहां लोगों की मौजूदगी रही। उसके बाद यमुना एक्सप्रसवे के जीरों प्वाइट पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल बरासाकर श्रद्धांजलि दी। जेवर टोल पर भी भारी संख्या में पहुंचे पार्टी कार्यकार्ताओं व नेताओं ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी के पूर्व प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने बताया कि कई दिनों से पूरे प्रदेश के कार्यकर्ता गुरूग्राम के अस्पताल में मौजूद थे।

जैसे ही सोमवार सुबह दुखद खबर सामने आई सब जगह मायूसी छा गई। जिसके बाद पार्टी के तमाम कार्यकर्ता अपने अपने स्थान पर एकत्र हो गए। जैसे ही नेता जी का पार्थिव शरीर जिले की सीमा में पहुंचा अलग-अलग जगह मौजूद कार्यकार्ताओं ने अपनी-अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही भारी संख्या में जिले के कार्यकर्ता तथा नेता सैफई के लिए निकल गए। मंगलवार दोपहर को सैफई में नेता जी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

नोएडा और दादरी के समाजवादी कार्यकर्ताओं से रहा गहरा नाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन से गौतमबुद्धनगर में समाजवादी पार्टी से जुड़े नेताओं में शोक की लहर है। पार्टी नेता उन दिनों को याद कर रहे हैं, जब मुलायम सिंह यादव गौतमबुद्धनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच आए और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहते हैं कि वर्ष 1989 में उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद मुलायम सिंह यादव वर्ष 1990 में दादरी विधानसभा के तत्कालीन विधायक महेंद्र सिंह भाटी के आवास पर आए थे। उसके बाद वह 1998 में दादरी के व्यापारी नेता महेंद्र सिंघल के आवास पर भी आए थे। आर्य प्रतिनिधि सभा के जिला उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी डॉ आनंद आर्य बताते हैं कि नेताजी मुलायम सिंह यादव ने वर्ष 1994 में दादरी स्थित मिहिर भोज बालिका इंटर कॉलेज का शिलान्यास किया था और इसके विकास के लिए 10 लाख रुपये का अनुदान भी दिया था। नेताजी वर्ष 2000 में सपा के कद्दावर नेता एवं पूर्व मंत्री नरेंद्र भाटी के दादरी स्थित आवास पर भी आए थे। सपा नोएडा महानगर के पूर्व अध्यक्ष राकेश यादव ने बताया कि नेताजी मुलायम सिंह यादव वर्ष 2009 में उनके गांव सरफाबाद स्थित आवास पर आए और परिजनों के साथ मुलाकात की। वर्ष 2013 में नेताजी उनके भाई सतपाल यादव की पुत्री नीरज यादव के शादी समारोह में सम्मिलित हुए और वर-वधू को आशीर्वाद दिया था। वर्ष 2014 में मुलायम सिंह यादव सपा के पूर्व मंत्री नरेंद्र भाटी के पिता के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए बोड़ाकी गांव पहुंचे थे। इसके अलावा वह ग्रेटर नोएडा में पत्रकार एसएन सिंह की पुत्री के विवाह समारोह में भी सम्मिलित हुए थे। नेताजी से जुड़े लोगों का कहना है कि मुलाकात के दौरान वह सभी लोगों से बड़े आत्मीयता से मिलते थे। कभी किसी को यह एहसास नहीं होता था कि वह उनसे पहली बार मिल रहा है।

बेहद सरल इंसान थे सपा संरक्षक: पीएन अरोड़ा

वरिष्ठ समाजसेवी एवं यशोदा हॉस्पिटल कौशांबी के सीएमडी डॉ पीएन अरोड़ा ने नेताजी एवं समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नेता जी बहुत ही सरल इंसान थे और उनकी मेरे साथ काफी आत्मीयता थी, मेरा उनके परिवार में आना जाना लगा रहता था और वह बहुत ही सहज एवं सरल भाव से मुझसे मिलते थे। नेताजी का इलाज यशोदा हॉस्पिटल कौशांबी में भी हुआ है। डॉ अरोड़ा ने कहा कि उनके निधन से देश ने एक बड़ा समाजवादी नेता खो दिया है।

मुलाकात नहीं हुई तो फोन कर पूछते थे समस्या

गाजियाबाद। सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का कहना है कि राजनीति में उनका कोई सानी नहीं है, नेताजी से मुलाकात करने के लिए जाओ, इंतजार करो और वह मुलाकात के लिए उपलब्ध न हों तो रात को सोने से पहले फोन कर समस्या पूछते थे, एक कॉल पर ही समस्या का समाधान कराते थे। वह पार्टी से प्यार करो, समर्पित रहो और संगठित रहो कहकर कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते थे। यही वजह है कि पार्टी बदलने के दौर में भी राजेंद्र चौधरी, साजिद हुसैन जैसे कई नेता ऐसा हैं, जो मुलायम सिंह यादव के दौर में एक बार सपा से जुड़े तो कभी दूसरी पार्टी का दामन नहीं थामा। वो कहते हैं के नेताजी ने हमें बनाया, हिम्मत और ताकत दी। गाजियाबाद के वरिष्ठ सपा नेता और पूर्व में सपा के जिलाध्यक्ष रहे साजिद हुसैन मुलायम सिंह यादव के साथ जुड़े अपने संस्मरण साझा करते हुए कहते हैं कि नेताजी का व्यवहार एक साधारण कार्यकर्ता के लिए भी वैसा ही था, जैसे पार्टी के एक प्रमुख नेता के प्रति होता है।

मलबे को ढकेंगे, रोज पानी का होगा छिड़काव

प्रदूषण के खिलाफ जंग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एनसीआर में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान यानी ग्रेप लागू हो चुका है। इस प्लान के उन सभी कामों पर रोक लगा दी जाती है, जो प्रदूषण बढ़ाने में सहायक हैं। जनवरी तक इस प्लान को लागू करने पर विचार किया जा रहा है। जैसे.जैसे प्रदूषण का स्तर बढ़ेगा, इसकी पाबंदी बढ़ेगी।

ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान ग्रैप लागू होने के साथ ही सभी प्रकार के मलबे को ढकना जरूरी हो गया है। साथ ही रोज पानी का छिड़कना होगा। इस बारे में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने संबंधित एजेंसी को दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

आईआईए के कुलमणि गुप्ता ने बताया, एनसीआर में ग्रैप की समस्या से निपटने में प्रशासन नाकाम है। हर साल सर्दियां शुरू होने से पहले ग्रैप लागू किया जाता है। एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन नोएडा के अध्यक्ष सुरेंद्र नाहटा ने बताया, जनसेट पर पाबंदी लगाना गलत है। इसके लिए पहले पीएनजी से जनसेट चलाने का विकल्प होना चाहिए। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की तैनाती सड़कों पर की जाए, जिससे यातायात जाम मुक्त चले। इससे अपने आप ही प्रदूषण पर नियंत्रण होगा।

क्रेडाई वेस्टर्न यूपी के अध्यक्ष अमित मोदी ने कहा क्रेडाई ने अपने मेंबर डेवलपर्स को अलग-अलग सरकारी एजेंसियों द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस को बहुत गंभीरता से पालन करने की सलाह दी है। साथ ही हमें लगता है कि प्रदूषण के लिए निर्माण ही एकमात्र कारक नहीं है, वाहनों का यातायात भी दिल्ली एनसीआर में बड़े पैमाने पर प्रदूषण में योगदान देता है।

10वीं मंजिल से कूदकर महिला ने की आत्महत्या

गाजियाबाद। गाजियाबाद में सोमवार सुबह 54 साल की एक महिला ने 10वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। आत्मघाती कदम उठाने से पहले महिला का पति से किसी बात पर विवाद हुआ था।

मामला इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में जयपुरिया सनराइज ग्रीन सोसाइटी का है। यहां छह टॉवर में फर्स्ट फ्लोर पर 54 साल की तापुसी साधु अपने पति संग रहती थीं। सोमवार सुबह करीब 7 बजकर 40 मिनट पर किसी बात को लेकर पति.पत्नी में विवाद हो गया। इसके बाद तापुसी 10वीं मंजिल से नीचे कूद गईं।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद में सघन चेकिंग अभियान चलाती पुलिस।

दाखिले न होने के विरोध में अभिभावकों का धरना

गाजियाबाद। आरटीई के तहत दाखिले न होने से नाराज अभिभावकों ने ऑल स्कूल पेरेंट्स एसोसिएशन के बैनर तले बीएसए कार्यालय पर धरना शुरू कर दिया है। धरनारत अभिभावकों ने बताया कि आरटीई के तहत उनके बच्चों का नाम डीपीएसजी मेरठ रोड स्कूल की सूची में आया था। 27 अगस्त को नगर मजिस्ट्रेट ने खुद स्कूल पहुंचकर रजिस्ट्रेशन फार्म भरवाया था, लेकिन उसके बाद भी दाखिले नहीं हुए। अन्य स्कूलों में भी यही स्थिति बनी हुई है। इस मामले को असपा द्वारा डीएम, शिक्षा निदेशक, मेरठ कमिश्नर, राज्यमंत्री के समक्ष रख चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। अभिभावकों ने चेतावनी है कि जब तक दाखिले नहीं हो जाते, वे धरने पर बैठे रहेंगे और मंगलवार से भूख हड़ताल भी शुरू की जाएगी। धरना देने वालों में चारु चौधरी, बालकिशन, ऊषा, रिहाना, रेशमा, फारुख, रियाजुद्दीन, अजीम आदि अभिभावक अपने बच्चों के साथ शामिल हुए।

कारोबारी की हत्या कर शव नहर में फेंका

गाजियाबाद। टीला मोड़ थाना क्षेत्र में हुई एक संगीन वारदात के दौरान हत्यारों ने लोनी के ऊपर कोट मौहल्ले में रहने वाले आढ़ती महबूब की हत्या करके शव को बंथला नहर में फेंक दिया। इस वारदात की सूचना मिलते ही मौके पर पहले पीआरवी पहुंची और फिर टीला मोड़ थाने के एसएचओ भुवनेश्वर कुमार मय फोर्स के साथ पहुंच गये। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्मार्टम के लिये भेजकर मर्डर की गुत्थी सुलझाने के लिये कई ऐंगल पर जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक सब्जी आढ़ती की हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिये डॉग स्क्वॉड व फील्ड यूनिट को भी बुलाया गया। इस संदर्भ में एसपी सिटी सैकेंड ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि मौके से मृतक का मोबाइल, विजिटिंग कार्ड और नशे की एल्प्राजोलम की टेबलेट के अलावा अन्य सामान भी मिला। श्री सिंह ने बताया कि विजिटिंग कार्ड व मोबाइल के माध्यम से मृतक की शिनाख्त की गई तो पता चला कि उसका नाम महबूब पुत्र शम्सु उर्फ शम्सुद्दीन निवासी ऊपरकोट थाना लोनी था।

युवक को डंडे से पीटकर किया घायल

गाजियाबाद। जलालाबाद गांव में मामूली कहासुनी को लेकर दो युवकों में मारपीट हो गई। एक युवक ने डंडा मारकर दूसरे युवक को घायल कर दिया। पुलिस से पीड़ित ने गुहार लगाई है। जलालाबाद गांव निवासी डब्बू ने बताया कि सोमवार सुबह अपने घर में बैठकर खाना खा रहा था। इसी बह्यह्यीच गांव निवासी एक युवक आया और गाली गलौज करने लगा। विरोध पर आरोपी ने डंडा मार दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दीवाली के बाद हो सकती है जीडीए बोर्ड बैठक

गाजियाबाद। जीडीए बोर्ड की बैठक कब होगी यह अभी तय नहीं है, मगर माना जा रहा है कि दीवाली के यह बैठक हो सकती है। दरअसल जीडीए बोर्ड के अध्यक्ष मंडलायुक्त हैं। हाल ही में मंडलायुक्त बदल गए हैं। मंडलायुक्त ने हाल ही में मेरठ मंडल का चार्ज संभाला है। फिलहाल अभी जीडीए बोर्ड की बैठक होने के आसार नहीं है। संभावना है कि बोर्ड की बैठक अगले महीने हो सकती है। जीडीए बोर्ड की बैठक लंबे समय से नहीं हुई है।

यति नरसिंहानंद ने फास्ट ट्रैक कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● भड़काऊ भाषण का मामला, मिली जमानत

यति नरसिंहानंद गिरी उर्फ दीपक त्यागी ने सोमवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट के आदेश पर उन्हें न्यायिक हिरासत में लिया गया। जिसके उपरांत जमानत पर उन्हें रिहा कर दिया गया।

2013 दंगे के दौरान भड़काऊ भाषण के आरोप में दर्ज परिवाद के मामले में कोर्ट में पेश न होने पर उनके गिरफ्तारी वारंट जारी हुए थे। 2013 दंगे के दौरान 31 अगस्त को थाना सिखेड़ा क्षेत्र के नगला मदौड़ इंटर कालेज में मलिकपुरा निवासी सचिन और गौरव की शोक सभा का आयोजन किया गया था। जिसके बाद तत्कालीन प्रशासन ने यति नरसिंहानंद गिरी सहित 21 लोगों पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया था। कोर्ट में पेश न होने पर यति के गिरफ्तारी वारंट जारी हुए थे। सोमवार को यतिने सिविल जज की कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

20 लाख रुपये लेकर कलेक्शन एजेंट फरार

गाजियाबाद। मोदीनगर के फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन एंजेटों द्वारा बीस लाख रुपये गबन करने का मामला सामने आया है। ऋण लेने वाले से किश्त लेकर कंपनी में जमा ही नहीं किए गए। कंपनी के मैनेजर ने पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई की बात कह रही है।

भारत फाइनेंसियल इन्क्लूजन ली कंपनी इंडसइंड बैंक की शाखा मोदीनगर की बह्मपुरी कॉलोनी में स्थित है। कंपनी रोजगार परक काम शुरू करने के लिए आसान किश्तों पर महिलाओं को ऋण देती है। ऋण की किश्त उगाही के लिए कंपनी ने कलेक्शन एजेंट नौकरी पर रख रखे हैं। शाखा प्रबंधक शौकिन्द्र राणा ने मोदीनगर थाने में तहरीर में बताया गया कि कंपनी के कलेक्शन एजेंटों ने जिन महिलाओं को ऋण दिया है, उनसे किश्ते ले आए और कंपनी में जमा नहीं की। जब किश्त जमा नहीं हुई तो कंपनी ने ऋण लेनी वाली महिलाओं को नोटिस जारी किए। महिलाओं ने आकर बताया कि वह समय पर अपनी किश्त का भुगतान कलेक्शन एजेंट को कर रही हैं। कलेक्शन एजेंट द्वारा उन्हें पर्ची भी दी गई है। इसके बाद जब शाखा प्रबंधक ने उक्त एजेंटों से बात की तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया और वह काफी समय से गायब भी है। इस संबंध में थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि शाखा प्रबंधक की तहरीर पर पुलिस ने अजय कुमार निवासी गांव जाजऊ अरहेरा फतेहपुर सीकरी आगरा, प्रवीण कुमार, अमित शर्मा, छोटू सिंह, कैलाश कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध निर्माण ध्वस्त करेगी रिटायर अधिकारियों की टीम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जल्द ही सेवानिवृत्त अधिकारी अवैध निर्माण को ध्वस्त करते और रोकते नजर आएंगे। इसकी जिम्मेदारी आवास विकास परिषद के आयुक्त रणवीर प्रसाद ने वसुंधरा स्थित एक गेस्ट हाउस में सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ एक बैठक करने के बाद दी है।

इसके लिए सेवानिवृत्त अधिकारियों का एक प्रवर्तन दल बनाया जाएगा। यह प्रवर्तन दल अवैध निर्माण ढहाने के साथ रोकने का कार्य भी करेगा। वहीं, ड्रोन कैमरा के माध्यम से अवैध निर्माणों पर नजर रखी जाएगी। बता दें कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रणवीर प्रसाद को पिछले दिनों ही आवास आयुक्त बनाया गया है।

रणवीर प्रसाद ने चार्ज लेते ही अवैध निर्माण को रोके जाने की प्राथमिकता बताई। अधीक्षण अभियंता राकेश चंद्राए अधिशासी अभियंता अतुल कुमार, प्रशांत वर्धन, अमन त्यागी व अन्य अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक करते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए।

नोएडा एयरपोर्ट के निर्माण की रफ्तार तेज

● लगाए गए 2 हजार कामगार और 80 मशीन

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य समय से पहले पूरा करने के लिए मशीन व कामगारों की संख्या बढ़ाई गई है। वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद कामगार व मशीनों की संख्या और बढ़ाई जाएगी।

देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट के पहले चरण का निर्माण कार्य चल रहा है। 1334 हेक्टेयर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण की जिम्मेदारी विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि ने टाटा प्रोजेक्ट्स को सौंपी है। टर्मिनल बिल्डिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर व रनवे का निर्माण एक साथ हो रहा है। पहले चरण में दो रनवे प्रस्तावित हैं। निर्माण कार्य के लिए अभी तक सात सौ कामगार व 39 मशीनों को लगाया गया था, लेकिन 11 सितंबर को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण कार्य की प्रगति देखने जेवर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया था कि एयरपोर्ट के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए।

यमुना प्राधिकरण के प्लॉट-फ्लैट का ट्रांसफर ऑनलाइन होगा

● लगातार मिल रही शिकायत के बाद लिया फैसला: सीईओ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी में अब भूखंडों और फ्लैट्स की खरीद-फरोख्त के बाद विक्रेता से क्रेता के नाम पर ट्रांसफर केवल ऑनलाइन होगा।

इसके लिए आवंटी या विक्रेता की पहचान और सत्यापन भी ऑनलाइन किया जाएगा। सत्यापन प्रक्रिया आधार पोर्टल के जरिए होगी। आधार में रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर पर वन टाइम पासवर्ड से होगी। यमुना अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि फ्लैट और प्लॉट से जुड़ी ट्रांसफर प्रक्रिया में अब केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। अगर कोई आवंटी ऑनलाइन आवेदन करने में सक्षम नहीं है तो उसके लिए अथॉरिटी कार्यालय में हेल्पडेस्क स्थापित की जाएगी। हेल्पडेस्क के कर्मचारी आवेदक से दस्तावेज लेकर ऑनलाइन फॉर्म भरेंगे। इसका निस्तारण अथॉरिटी में लागू सिटीजन चार्टर में अनुसार किया जाएगा। यमुना प्राधिकरण से मिली जानकारी के मुताबिक मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। उन्हें बताया गया था कि प्राधिकरण के विभिन्न कार्यालयों में दलाल सक्रिय रहते हैं।

यह लोग बिना वजह अफसरों के दफ्तरों में बैठे रहते हैं। जिससे आम आदमी का काम नहीं होता है। सीईओ ने कहा अब सुबह 10:30 बजे से 1:00 बजे तक केवल किसान और आवंटी प्राधिकरण के कार्यालयों में अपना काम लेकर आ सकते हैं। इस दौरान सारे कार्यालय खुले रहेंगे। अफसर नियमित रूप से किसान और आवंटी की बात सुनने के लिए हाजिर रहेंगे। डेढ़ बजे के बाद किसी भी व्यक्ति को प्राधिकरण में सीधे प्रवेश नहीं मिलेगा। प्राधिकरण में आने वाले लोगों को पास बनवाकर ही प्रवेश दिया जाएगा। पिछले दिनों जिले के किसान संगठनों ने यमुना प्राधिकरण के खिलाफधरना दिया था। इस दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी को बताया गया था कि अफसरों के यहां दलाल सक्रिय हैं। कोई भी काम सीधे करवाने में किसानों और आवंटी को परेशानी होती है।

दलाल और अफसरों ने गठजोड़ बना रखा है। जिसे खत्म करने की आवश्यकता है। सीईओ अरुणवीर सिंह ने किसानों को समाधान का आश्वासन दिया था। अब इसी आधार पर अरुणवीर सिंह ने यह फैसला लिया है। आपको बता दें कि नोएडा प्राधिकरण में यह व्यवस्था लंबे अरसे से चल रही है। पिछले महीने तत्कालीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने भी ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण में पास सिस्टम लागू कर दिया था।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पानी बिल पर लेट पेमेंट शुल्क होगा माफ

केजरीवाल सरकार ने घरेलू-कमर्शियल उपभोक्ताओं को दिया दिवाली का तोहफा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पानी के उपभोक्ताओं को दिवाली का तोहफा दिया है। उन्होंने घरेलू और व्यवसायिक पानी के बकाया बिलों पर लगने वाली लेट फीस (लेट पेमेंट सरचार्ज) 31 दिसम्बर 2022 तक के लिए 100 फीसदी माफ कर दिया है।

अब लोग बिना लेट फीस की चिंता किए बैगर अपने पुराने बकाया बिल भर सकते है। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को दिल्ली जल बोर्ड की 163वीं बोर्ड बैठक में कई अहम बड़े फैसले लिए। जिसमें साल 2025 तक यमुना को साफ करने के लिए अपशिष्ट जल सेवाओं को बेहतर बनाने और 24 घंटे दिल्ली वालों को स्वच्छ पानी मुहैया कराने के लिए सिसोदिया ने 869 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसके तहत नजफगढ़ व केशोपुर में मौजूदा एसटीपी को अपग्रेड किया जाएगा। वहीं, बादली क्षेत्र में बनेगा 17 एमजीडी वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट पंपिंग स्टेशन बनाया जाएगा। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में 46 किमी लंबी सीवरेज लाइन बिछाई जाएगी। इन परियोजनाओं से यमुना में गंदा पानी गिरने से रोका जा सकेगा।

इन सभी प्रोजेक्ट्स पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि दिल्ली वालों को पानी के बकाया

जलबोर्ड की बैठक में डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया व सौरभ भारद्वाज।

बिलों से राहत दिलाने के लिए सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि, यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। इसके तहत केशोपुर व नजफगढ में गिरने वाले 85 एमजीडी सीवर को रोजाना साफ कर नजफगढ नाले में डाला जाएगा। इससे यमुना के पानी का प्रदूषण 30 फीसदी तक घटेगा और यह कदम यमुना को प्रदूषण मुक्त करने में बहुत मददगार साबित होगा साथ ही बादली, निगम बोध व मोरी गेट नालों पर कुल 55 एमजीडी के सीवेज पंपिंग स्टेशन बनाए जाएँगे। इससे इन नालों का गंदा पानी यमुना में नहीं जाएगा। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि उनकी सरकार विभिन्न इलाकों में पानी की पुरानी पाइपलाइन बदकर नई पाइपलाइन बिछाने, विभिन्न क्षेत्रों में वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता बढ़ाने व सभी लोगों के घरों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराने की दिशा में चरणबद्ध तरीके से काम कर रही है। साल 2020-21 के दौरान कोरोना महामारी के चलते बड़ी संख्या में लोगों को महामारी के साथ-साथ गंभीर आर्थिक संकट झेलना पड़ा था। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने फैसला लिया है कि रीबेट स्कीम के तहत पानी के बिल पर एलपीएससी को माफ करके लोगों को अपना बकाया भुगतान करने का मौका दिया जाए। लंबे समय से बकाया पानी के बिल की वसूली सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार ने सभी उपभोक्ताओं यह तोहफा दिया है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली जल बोर्ड पर करीब 27 हजार करोड़ से अधिक का बकाया है, जिसमें से करीब 22 हजार करोड़ लेट पेमेंट सरचार्ज एलपीएससी शुल्क हैं और 5 हजार करोड़ रुपये प्रिंसिपल कंपोनेंट हैं। एलपीएससी की राशि माफ करने के लिए जनप्रतिनिधियों के माध्यम से केजरीवाल को कई अनुरोध प्राप्त हुए, ताकि बड़े बिलों का भुगतान करने में असमर्थ उपभोक्ताओं को राजस्व नेटवर्क में लाया जा सके।

इन नियमों और शर्तों का उपभोक्ताओं को करना होगा पालन

सौ फीसद एलपीएससी छूट केवल उन उपभोक्ताओं के लिए लागू होगी, जो 31 दिसंबर 2022 को या उससे पहले एलपीएससी छूट योजना के तहत अपने बकाया बिल का भुगतान करेंगे। 75 फीसदी एलपीएससी छूट उन उपभोक्ताओं के लिए लागू होगी, जो 1 जनवरी 2023 से 31.03.2023 की अवधि के दौरान एलपीएससी छूट योजना के तहत अपने बकाया बिल का भुगतान करेंगे। चूंकि, पानी के मीटर को लगाने और बदलने की जिम्मेदारी अब डीजेबी की है और उपभोक्ताओं के सभी खराब पानी के मीटर को एक बार में बदलना व्यावहारिक नहीं है। ऐसे में 30 सितंबर तक जिन उपभोक्ताओं के पानी के बिल पर लेट पेमेंट सरचार्ज लगा है उन्हें भी लास्ट रीबेट स्कीम के तहत छूट मिलेगी। हालांकि, उपभोक्ता को बकाया राशि का मूलधन पूरा चुकाना होगा, तभी वो लास्ट रीबेट स्कीम का फायदा उठा पाएगा। इसके अलावा, योजना की अवधि के दौरान कोई एलपीएससी नहीं लगाया जाएगा। यह योजना 31 मार्च 2023 तक प्रभावी रहेगी।

जमींदोज हुआ दो मंजिला भवन

लाहौरी गेट में इमारत ढही, तीन की मौत

- हादसे में घायल नौ लोगों का जय प्रकाश नारायण अस्पताल में चल रहा इलाज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के लाहौरी गेट इलाके में रविवार शाम ढही इमारत के मलबे से बचाव अभियान के दौरान दो और शव मिलने के बाद इस हादसे में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर तीन हो गई।

वहीं हादसे में घायल नौ लोगों का अभी भी जय प्रकाश नारायण अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चार वर्षीय बच्ची का शव रविवार को बाहर निकाला गया था तथा इसके बाद दो और लोगों के शव मिले।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान खुशी (चार), सुलेमान (75) और शगुफ्ता (70) के रूप में की गई है। दिल्ली दमकल सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया था कि लाहौरी गेट इलाके में रविवार शाम साढ़े सात बजे एक इमारत की छत ढहने की सूचना मिली थी।

मृतक के परिजन विलाप करते हुए।

दिल्ली पुलिस, दमकल विभाग और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मी बचाव अभियान में जुटे हुए हैं। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने मीडिया को बताया था कि इस हादसे में घायल 10 लोगों को लोक नायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से लड़की की इलाज के दौरान मौत हो गई। बता दें कि 9 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। दिल्ली सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की डीसीपी श्वेता चौहान ने बताया कि दिल्ली की यह इमारत दो मंजिला थी और जीर्ण-शीर्ण हालत में थी। लगातार बारिश के बीच अचानक ढह जाने से कई लोग घायल हुए है। वहीं, सोमवार सुबह एनडीआरएफ कमांडर गौरव पटेल ने बताया था कि इस बचाव अभियान के दौरान दो अन्य लोगों को बाहर निकाला गया है. हालांकि उनके स्वास्थ्य के बारे में स्थिति से मेडिकल टीम ही अवगत कराएगी।

आनंद विहार और अप्सरा बॉर्डर के बीच फ्लाईओवर का निर्माण शुरू

- मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास, दो रेड लाइट खत्म होने से जाम से मिलेगी मुक्ति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आनंद विहार और अप्सरा बॉर्डर के बीच छह लेन के फ्लाईओवर का शिलान्यास किया।

इस फ्लाईओवर के बन जाने के बाद हजारों लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी। इसका निर्माण कार्य तय समय से पहले और 115 करोड़ रूपए की बचत के साथ पूरा करेंगे।

यह फ्लाईओवर रामप्रस्थ, श्रेष्ठ विहार और विवेक विहार रेड लाइट के उपर से होकर गुजरेगा और 15 महीने में पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पूर्वी दिल्ली को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए इस फ्लाई ओवर का निर्माण किया जा रहा है। यह करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाएगा। आनंद विहार और अप्सरा बॉर्डर के बीच में इंटरसेप्शन होगा, जिसे यह कवर करेगा। इसके बीच में रामप्रस्थ कॉलोनी, श्रेष्ठ विहार और विवेक विहार जाने वाले लोगों के लिए अप और डाउन रैंप भी दिया जाएगा। इसलिए इसके बनने से दिल्ली की कॉलोनियों के साथ ही दिल्ली से सटी यूपी की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के लिए भी फायदेमंद और उपयोगी साबित होगा। विधायक राम निवास गोयल ने कहा कि यूपी से सैकड़ों छात्र दिल्ली में पढ़ने के लिए आते हैं। सड़क पार करने के दौरान यहां कई बार हादसे हुए हैं।

इसी को देखते हुए उन्होंने इस फ्लाईओवर के निर्माण की योजना बनाई गई है। कोरोना की वजह से इसकी शुरूआत होने में देर हुई। इसके बन जाने से दिल्ली और यूपी के बीच में कोई रेड लाइट नहीं होगी।

गौतम का इस्तीफा मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा

- धर्मांतरण कार्यक्रम में उपस्थिति को लेकर हुआ था विवाद
- नए मंत्री के रूप में अजय, कुलदीप और विशेष रवि के नाम आगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने मंत्री राजेंद्र पाल गौतम का इस्तीफा एलजी वी.के. सक्सेना को मंजूरी के लिए भेजा है। वहीं, उपराज्यपाल ने इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए आगे भेज दिया है।

गौतम ने धर्मांतरण कार्यक्रम में उपस्थिति को लेकर हुए विवाद के बीच मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। कार्यक्रम में कथित तौर पर हिंदू देवताओं की निंदा की गई थी। उपराज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि गौतम का इस्तीफा प्राप्त हुआ है और इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया है। मंत्री के तौर पर गौतम के पास समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभाग का जिम्मा था।

पूछताछ के लिए दिल्ली पुलिस ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को गौतम को पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस भेजा है। दिल्ली पुलिस ने उन्हें आज पूछताछ के लिए बुलाया है। हालांकि राजेंद्र पाल गौतम के मुताबिक दिल्ली पुलिस उनके घर पूछताछ के लिए सोमवार को भी आई थी। इस दौरान पुलिस ने कार्यक्रम और 22 प्रतिज्ञाओं के बारे में भी जानकारी ली।

आबकारी मामले में व्यापारी अभिषेक गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के कथित आबकारी घोटाला मामले में हैदराबाद के एक व्यापारी अभिषेक बोइनपल्ली को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस मामले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया आरोपी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि अभिषेक बोइनपल्ली दक्षिणी भारत के कुछ शराब कारोबारियों के लिए कथित तौर पर काम करता था। उसे रविवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। सीबीआई ने पाया कि वह कुछ महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देने से बच रहा है, जिसके बाद उसे देर रात हिरासत में ले लिया गया।

डीयू स्नातक दाखिले के लिए 12 तक कर सकेंगे पंजीकरण

- सीट आवंटन की पहली सूची 18 अक्टूबर को होगी जारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण की तारीख सोमवार को 12 अक्टूबर तक बढ़ा दी और घोषणा की कि सीट आवंटन की पहली सूची 18 अक्टूबर को जारी की जाएगी। एक अधिसूचना में, विश्वविद्यालय ने कहा कि सीट आवंटन के तीन दौर होंगे और उसके बाद एक स्पॉट राउंड (विद्यार्थियों को उनकी उल्लेखित पसंद और सीटों की उपलब्धता के अनुसार सीटें आवंटित करना) आयोजित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय ने कहा कि वह प्रथम साझा सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस) दौर की घोषणा से पहले, शुक्रवार को एक सिम्युलेटेड लिस्ट जारी करेगा, जिसके जरिए विद्यार्थी कॉलेज और पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने की अपनी संभावनाओं का आकलन कर सकेंगे।

डीयू ने एक बयान में कहा कि सिम्युलेटेड लिस्ट की घोषणा के बाद, विद्यार्थियों को अपनी तरजीह को फिर से व्यवस्थित करने के लिए दो और दिन दिए जाएंगे। प्रवेश के पहले और दूसरे चरण को दो दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। जबकि इससे पहले पंजीकरण सोमवार 10 अक्टूबर तक होने थे। विश्वविद्यालय ने उन विद्यार्थियों के लिए एक सुधार खिड़की भी खोली है जो पहले और दूसरे चरण को पूरा कर चुके हैं और कुछ क्षेत्रों में संशोधन करना चाहते हैं।

आंबेडकर विवि में ऑनलाइन आवेदन पोर्टल शुरू

नई दिल्ली बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) ने अपने विभिन्न परा स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी पंजीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन पोर्टल शुरू किया है।

विश्वविद्यालय अपने 27 परास्नातक पाठ्यक्रम में इस अकादमिक सत्र के दौरान छात्रों का दाखिला करेगा। इनमें से 20 परास्नातक पाठ्यक्रम में साझा प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिला लिया जाएगा, जबकि सात परास्नातक पाठ्यक्रम के लिए विवि द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

बिग बॉस में साजिद खान को लेकर महिला आयोग नाराज

- मीटू मामला उठाते हुए केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री से की कार्रवाई की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर को पत्र लिखकर फिल्म निर्माता साजिद खान को रियलिटी कार्यक्रम बिग बॉस से बाहर करने की मांग की है।

साजिद खान पर मीटू आंदोलन के दौरान कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। बिग बॉस के 16वें संस्करण का पहला एपिसोड एक अक्टूबर को प्रसारित किया गया। मालीवाल ने सोमवार को ट्वीट किया कि साजिद खान के खिलाफ 10 महिलाओं ने मीटू आंदोलन के दौरान यौन शोषण के आरोप लगाए थे।

ये सभी शिकायतें साजिद की घिनौनी मानसिकता को दिखाती है। अब ऐसे आदमी को बिग बॉस में जगह दी गई है जो कि पूरी तरह गलत है। मैंने अनुराग ठाकुर जी को पत्र लिखा है कि साजिद खान को इस कार्यक्रम से हटवाएं।

डीडीए की जमीन का प्रबंधन होगा आसान

- उपराज्यपाल वी.के सक्सेना ने एलएमआईएस पोर्टल शुरू किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण की जमीन का प्रबंधन और संरक्षण अब आसान होगा। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को भूमि प्रबंधन सूचना प्रणाली (एलएमआईएस) का उद्घाटन किया। जिसका मकसद भूमि के रिकॉर्ड का डिजिटल रखरखाव करना और विभाग जमीन का प्रभावी और कुशल प्रबंधन एवं संरक्षण करना है। इस अंतरविभागीय पोर्टल की मदद से अब रक्षा मंत्रालय द्वारा संबंधित जमीनों के बारे में प्राप्त तमाम आवेदनों को डिजिटल किया जाएगा। साथ ही आर्काइव में रखे दस्तावेजों और संबंधित आंकड़ों को भी डिजिटल रूप दिया जाएगा। यह पोर्टल 11 मॉड्यूलों जैसे भूमि सूची, अतिक्रमण का पता लगाना और डेमोलिशन मॉड्यूल, डैमेज पेयी मोड्यूल आदि के माध्यम से सिंगल विंडो पर डीडीए के भूमि प्रबंधन विभाग के विभिन्न कार्यात्मक कार्यक्षेत्रों के कार्यों की सुविधा प्रदान करने में सहायक होगा। इस मौके पर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भूमि अभिलेखों के पूर्ण डिजिटलीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया और इस संबंध में जीरो ह्यूमन इंटरफेस और हस्तक्षेप को जल्द से जल्द सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नागरिक केंद्रित दृष्टिकोण के रूप में, एलएमआईएस में निवासियों द्वारा ऑनलाइन स्व-पंजीकरण और क्षति प्रभार का मूल्यांकन तथा ऑनलाइन क्षति प्रभार संग्रहण सुनिश्चित किया जाएगा। यह सॉफ्टवेयर विभिन्न भूमि प्रबंधन विभाग कार्यों जैसे सभी भूखंडों की भूमि सूची बनाने, कोर्ट केसों के निपटान, नई भूमि अधिग्रहण के रिकॉर्ड, संबंधित भूमि दस्तावेज, फाइल डेटा लोडिंग और जीआईएस मॉड्यूल आदि के प्रभावी निपटान में भी सहायक होगा।

हरियाणा के सूचना उपनिदेशक जगदीप दूहन का असमय निधन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हरियाणा के सूचना-जनसंपर्क और भाषा विभाग के उपनिदेशक जगदीप दूहन का रविवार रात को हार्ट अटैक आने के बाद निधन हो गया है। बेहद सरल व प्रभावी व्यक्तित्व के धनी जगदीप के आकस्मिक निधन की सूचना से हर कोई आहत दिखा। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को सोनीपत स्थित पैतृक गांव गंगाना तहसील गोहाना में किया गया। वे अपने पीछे माता-पिता, धर्मपत्नी, एक पुत्र व एक पुत्री छोड़ गए हैं।

नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में तैनात डिप्टी डायरेक्टर जगदीप दूहन हरदिल अजीज थे। उनके निधन से जहां पूरे हरियाणा भवन में उदासी का माहौल था वहीं दिल्ली के मीडिया जगत में उनको याद कर कई पत्रकार भावुक हो गए। एक पत्रकार ने कहा कि जगदीप दूहन के जाने से लगता है कि मैंने किसी अपने को खो दिया है। ज्ञात रहे कि जगदीप दूहन फरवरी 2017 से वे बतौर उपनिदेशक अपनी सेवाएं हरियाणा भवन, नई दिल्ली में दे रहे थे। वहीं हरियाणा सूचना विभाग के सचिव अनुराग अग्रवाल, महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल और मुख्यमंत्री के मीडिया एडवाइजर अमित आर्य ने जगदीप दूहन को याद करते हुए गहरा दुख जताया है। प्रधान सचिव अनुराग अग्रवाल ने कहा कि आज हम लोगों ने एक कर्मठ अधिकारी खो दिया है। दुख की इस घड़ी में विभाग उनके परिजनों के साथ है और परिजनों हेतु हरसंभव सहयोग का प्रयास विभाग की ओर से किया जाएगा।

जगदीप दूहन (फाइल फोटो)

बिंदापुर में बाइक सवारों ने व्यापारी को मारी गोली

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के बिंदापुर इलाके में मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने कपड़े की दुकान के मालिक की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस ने कहा कि उक्त घटना रविवार और सोमवार की दरमियानी रात को हुई और मृतक की पहचान उत्तम नगर निवासी मोहित अरोड़ा (32) के तौर पर की गई है।

पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम. हर्षवर्धन के अनुसार, गोलीबारी की सूचना बिंदापुर थाने में दोपहर करीब साढ़े बारह बजे मिली। घायल को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उपायुक्त ने बताया कि अरोड़ा अपने भाई के साथ अपनी साड़ी की दुकान से स्कूटर पर सवार हो कर घर लौट रहा था, तभी मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने उन्हें रोका और उनमें से एक ने अरोड़ा को गोली मार दी।

इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। उन्होंने कहा कि उक्त घटना के संबंध में बिंदापुर थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। उपायुक्त ने बताया कि आरोपियों का पता लगाने के लिए पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

बारिश ने अक्टूबर में तोड़ा 16 साल में रिकार्ड

- शुरुआती 10 दिनों में हुई 121.7 मिलीमीटर बरसात : मौसम विभाग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में पिछले कई दिनों से हो रही झमाझम बारिश ने अक्टूबर में तोड़ा 16 साल की रिकार्ड।

इस महीने के शुरुआती दस दिनों में करीब 121.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है जो अगस्त में दर्ज की गई बारिश (41.6 मिमी) की करीब तीन गुना है। पिछले साल अक्टूबर में 122.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। वहीं जो काम पूरे मौसम की वर्षा नहीं कर सकी, वह लौटते हुए मानसून की बरसात ने कर दिखाया। इसे मौसम की मेहरबानी ही कहेंगे कि सोमवार को दिल्ली वालों ने दो साल की सबसे साफ हवा में सांस ली।

लगातार बरसात के असर से राजधानी का एयर इंडेक्स महज 44 दर्ज किया गया। इससे पहले यह 31 अगस्त 2020 को 41 रिकार्ड किया गया था। 30 जुलाई 2017 को यह 43 दर्ज हुआ था। दूसरी तरफ 2015 से लेकर अभी तक सात सालों के दौरान इस साल पहली बार ऐसा हुआ है जब अच्छी श्रेणी की हवा वाले तीन दिन मिल चुके हैं। आमतौर पर, अक्टूबर में 28 मिमी बारिश हुआ करती है। शहर में वर्ष 2020, वर्ष 2018 और वर्ष 2017 में अक्टूबर के महीने में बारिश नहीं हुई थी और वर्ष 2019 में इस महीने 47.3 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। पिछले तीन दिनों में हुई बारिश तीन हफ्तों में दूसरी सर्वाधिक लंबी बारिश है। चक्रवातीय परिसंचरण और हवा के कम दबाव के क्षेत्र के एक दूसरे के प्रभाव में आने के कारण राष्ट्रीय राजधानी में मॉनसून की अंतिम बारिश 21 सितंबर से 24 सितंबर तक हुई थी।

मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली में हो रही मौजूदा बारिश मॉनसून की बारिश नहीं है। शहर में मॉनसून की वार्षिक बारिश 653.6 मिमी की तुलना में 516.9 हुई थी। पश्चिमी विक्षोभ और पुरवइया हवा के एक-दूसरे के प्रभाव में आने के कारण लगातार हो रही बारिश से इस वर्ष अब तक 790 मिमी बारिश हो चुकी है।

यूपी के पूर्व सीएम मुलायम सिंह: शाह ने दी पुष्पांजलि

पीएम, गृहमंत्री समेत अनेक नेताओं ने दी पूर्व रक्षामंत्री को दी श्रद्धांजलि

करीब डेढ़ महीने से मेदांता मेडिसिटी में थे उपचाराधीन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के मेदांता मेडिसिटी में यूपी के पूर्व सीएम मुलायम सिंह को श्रद्धांजलि देते गृह मंत्री अमित शाह।

मेदांता मेडिसिटी में यूपी के पूर्व सीएम मुलायम सिंह के निधन पर उनके बेटे अखिलेश यादव को सांत्वना देते गृह मंत्री अमित शाह।

मेरे आदरणीय पिता जी और सबके नेताजी नहीं रहे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन की यह सूचना उनके बेटे एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ट्वीट करके दी। चंद मिनट में ही यह सूचना देशभर में पहुंची और उनके चाहने वाले शोक की लहर में डूब गए। यूपी की जनता में नेताजी के नाम से मशहूर रहे मुलायम सिंह यादव का सोमवार की सुबह 08:15 बजे मेदांता मेडिसिटी में निधन हो गया।

मुलायम सिंह यादव को 22 अगस्त को मेदांता मेडिसिटी में भर्ती कराया गया था। उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हो पा रहा था। दो अक्टूबर को उन्हें आईसीयू में जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया था। चिकित्सकों की तमाम कोशिशों के बाद भी नेताजी की सेहत सुधरने की बजाय बिगड़ती चली गई। गंभीर हालत को देखते हुए उनके पुत्र अखिलेश यादव समेत तमाम परिवारजन यहां मेदांता मेडिसिटी पहुंचे थे। उसी दिन से अखिलेश यादव अपने पिता के पास मेदांता मेडिसिटी अस्पताल में ही डटे थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिंह यादव के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा-मुलायम सिंह यादवजी ने यूपी और राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी मुलायम सिंह यादव के राजनीतिक जीवन को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

अमित शाह ने अस्पताल पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह के निधन की सूचना मिलने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने पहले उन्हें ट्वीट करके श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुग्राम स्थित मेदांता मेडिसिटी भी पहुंचे। मेदांता में ही पिछले डेढ़ महीने से मुलायम सिंह यादव भर्ती थे। यहीं पर उन्होंने अंतिम सांस ली। मेदांता मेडिसिटी पहुंचकर मुलायम सिंह यादव को नमन करने के साथ अमित शाह ने अखिलेश यादव व अन्य परिवार के सदस्यों से मुलाकात करके उन्हें सांत्वना दी। इससे पहले अपने ट्वीट में अमित शाह ने लिखा था कि मुलायम सिंह यादवजी अपने अद्वितीय राजनीतिक कौशल से दशकों तक राजनीति में सक्रिय रहे। आपातकाल में उन्होंने लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए बुलंद आवाज उठाई। वह सदैव एक जमीन से जुड़े जननेता के रूप में याद किए जाएंगे। उनका निधन भारतीय राजनीति के एक युग का अंत है।

लगातार 30 साल सेवा के बाद भी पदोन्नति नहीं : रचना

गुरुग्राम में सोमवार को सम्मेलन के दौरान अपनी मांगों को लेकर एकत्रित हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ के सदस्य।

बिना पदोन्नति के ही स्टाफ हो रहा है सेवानिवृत

हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ के साथ हो रहा अन्याय

गुरुग्राम। हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन संबंद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा महिला सब-कमेटी गुरुग्राम व रेवाड़ी का कार्यकर्ता सम्मेलन यहां खंड शिक्ष्ज्ञा अधिकारी कार्यालय में आयोजित किया गया। अध्यक्षता महिला सब कमेटी सदस्य रचना द्वारा की गई। मंच संचालन सचिव राजेंद्र कुमार द्वारा किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ को-कन्वीनर मुकेश खरब ने किया। महिला सब-कमेटी सदस्य रचना ने कहा कि वेतनमान की बात हो या पदोन्नति, मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मी लगातार पिछड़ता ही जा रहा है।

शिक्षा विभाग में काम करने वाले मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मियों की लगातार 30 साल सेवा उपरांत भी पदोन्नति नहीं हो रही है। पदोन्नति के अभाव में उसी पद से सेवानिवृत्त होना पड़ रहा है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने 2004 व राज्य सरकार ने 2006 के बाद संवैधानिक पेंशन को ही बंद कर दिया है। जिससे महिला कर्मियों के जीवन पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। शिक्षा मंत्री व विभाग के आला अधिकारी भी फील्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मियों की समस्याओं का समाधान नहीं कर रहे है। उन्होंने कहा कि 23 अगस्त को हरियाणा निवास चंडीगढ़ में शिक्षा मंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल की वार्ता बैठक में 9 बिंदुओं को सहमति बनी थी, लेकिन डेढ़ माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी किसी भी समस्या का समाधान नहीं किया गया है। जिससे शिक्षा विभाग फील्ड कर्मियों में भारी रोष है। इसी रोष स्वरूप 20 अक्टूबर को शिक्षा सदन पंचकूला पर विशाल रोष प्रदर्शन करने का फैसला लिया है।

आम रास्ते और सड़कों के ऊपर से हटेंगी बिजली की तारें

सोहना। बिजली निगम शहर और ग्रामीण क्षेत्र के आम रास्तों से लेकर सड़क और राज्य व राष्ट्रीय मार्ग के ऊपर लटकी बिजली की तारों को तुरन्त प्रभाव से हटाएगा। निगम अधिकारियों ने जेई व लाइनमैन कर्मचारियों को तुरन्त प्रभाव से सर्वे करने के आदेश जारी कर दिए है।

ग्रामीण क्षेत्र के मुख्य रास्ते, खेत खलियान को जाने वाले कच्चे रास्तों से लेकर सड़क और चौक-चौराहों पर लटकी बिजली की नंगी तारों को तुरन्त प्रभाव से बदलेगा। इसी प्रकार शहर के बाजारों से लेकर क्षेत्रीय, राज्य व राष्ट्रीय मार्गों के ऊपर जाने वाली लाइनों की तारों को तुरन्त सर्वे करके ऊंचा करेगा। ताकि बिजली की नंगी तार व केवल के नीचे से निकलते समय किसी भी बड़े वाहन की चपेट में न आए। जिससे जान लेवा हादसा होने की सभी संभावनाओं को समाप्त किया जाएगा। बिजली निगम के एसडीओ लियाकत अली ने बताया कि उन्होने सबडिविजन में तैनात लाइनमैन से लेकर फोरमैन और जेई को तुरन्त प्रभाव से शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे खतरनाक रूप से लटकी बिजली की लाइनों का तुरन्त प्रभाव से सर्वे करने के आदेश जारी कर दिए है। शहर के अंदर मुख्य रुप से चुंगी नंबर एक से गुरुद्वारा मार्ग, शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक से नागरिक अस्पताल मार्ग, अनाज मंडी में आने वाले बड़े वाहनों की संख्या अन्य रास्तों की मुकाबले सबसे ज्यादा है।

एनसीआर मीडिया क्लब के प्रयास से जैकबपुरा स्कूल को मिलीं पांच टंकियां

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के जैकबपुरा स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के पीने के पानी के लिए टंकियां भेंट करते अतिथि।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैकबपुरा की छात्राओं के लिए पीने के पानी की समस्या का हल निकालते हुए एनसीआर मीडिया क्लब ने अपने प्रयासों से 1000-1000 लीटर क्षमता की पांच टंकियां डोनेट कराई हैं। ये सभी टंकियां समाजसेवी रविंद्र जैन एडवोकेट के सहयोग से हरियाणा भाजपा महिला मोर्चा की सचिव अलीशा तोमर के पति एवं ऑल इंडिया कैरियर एसोसिएशन के प्रधान रोहित तोमर की ओर से दी गई हैं। इस अवसर पर रविंद्र जैन ने स्कूल में 21 छत के पंखे देने की भी घोषणा की।

सोमवार को यहां राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैकबपुरा में छात्राओं के लिए पीने के पानी की टंकियां स्कूल को भेंट की गई। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य सुशील कुमार कणवा की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन कराया गया। स्कूल में पहुंचे एनसीआर मीडिया क्लब के अध्यक्ष अमित नेहरा, समाजसेवी रोहित तोमर, भाजपा नेत्री अलीशा तोमर, एडवोकेट रविंद्र जैन, एडवोकेट प्रज्ञा गोयल, रोटेरीयन राजबाला, कविता सरकार, पवन कुमार गोयल, नवीन गुप्ता सदस्य हरियाणा ट्रेड वेल्फेयर बोर्ड, विनोद गुप्ता महामंत्री उद्योग संघ, गुंजन मेहता प्रधान ह्यूमन राइट्स, गौरव मंगला उपप्रधान वैश्य समाज आदि अतिथियों का स्कूल की ओर से भव्य स्वागत किया गया। स्मृति चिन्ह देकर सम्मान दिया गया।

इस अवसर पर एनसीआर मीडिया क्लब के अध्यक्ष अमित नेहरा ने कहा कि विद्यालय में वरिष्ठ प्रवक्ता कमलेश दलाल की ओर से उन्हें छात्राओं के लिए पीने के पानी की समस्या से अवगत कराया गया था। स्कूल की 2000 से अधिक छात्राओं के पीने के पानी का प्रबंध नहीं था। इसके लिए क्लब के वरिष्ठ सदस्य पत्रकार संजय मेहरा के साथ इस समस्या को ठीक कराने की प्लानिंग की गई। ऐसे में समाजसेवी रविंद्र जैन, रेडक्रॉस सोसायटी से कविता सरकार से संपर्क किया। इस कार्य में सभी सदस्य एक कड़ी के रूप में जुड़ते गए। रविंद्र जैन की ओर से भाजपा नेत्री अलीशा तोमर के माध्यम से इस कार्य को सिरे चढ़ाते हुए आज टंकियां स्कूल में रखवा दी गई हैं। अलीशा तोमर ने कहा कि जल्दी ही स्कूल में लड़कियों के हीमोग्लोबिन टेस्ट कराया जाएगा। यहां स्कूल की मांग पर रक्तदान शिविर भी लगाया जाएगा। समाजसेवी रविंद्र जैन एडवोकेट ने इस अवसर पर रोटरी क्लब साउथ सिटी की तरफ से 500 सैनिटेरी पैड और 300 नोट बुक छात्राओं को बांटी। साथ ही गर्मी के सीजन में यहां 21 पंखे लगाने की घोषणा की। इस मौके पर स्कूल की वरिष्ठ टीचर कमलेश दलाल व रामकिशन वत्स समेत पूरा स्टाफ और छात्राएं मौजूद थे। सभी ने इस सामूहिक प्रयास की प्रशंसा की।

संक्षिप्त समाचार

शीतला मंडल की बैठक में 18 समस्याओं का समाधान

गुरुग्राम में भाजपा शीतला मंडल की बैठक में मौजूद सदस्य।

गुरुग्राम। रविवार को भारतीय जनता पार्टी शीतला मंडल की बैठक यहां न्यू रेलवे रोड स्थित कैनविन टावर में हुई। इस बैठक में सेवानिवृत कर्मचारियों की 20 समस्याएं रखी गई, जिसमें से 18 समस्याओं का मौके पर ही निपटारा किया गया। दो समस्याएं मुख्यमंत्री को प्रेषित कर दी गई। भाजपा शीतला मंडल की बैठक में मंडल के प्रधान उत्तम चंद गुप्ता, गुरुग्राम विधानसभा चुनाव संयोजक राजकुमार राव, शीतला मंडल सदस्य एवं आरडब्ल्यूए प्रधान आचार्यपुरी एक्सटेंशन गंगा विहार से विरेंद्र सिंह यादव, सेवानिवृत डीआईजी राघव जी के अलावा महिलाएं भी शामिल रहे। बैठक में सेवानिवृत कर्मचारियों की पीएफ संबंधी अधिक समस्याएं आई। विरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि अभी तक 8 मंडल बनाए जा चुके हैं, आगामी 16 अक्टूबर को 9वां मंडल फरूखनगर गठित किया जाएगा। प्रधान उत्तम चंद गुप्ता ने कहा कि हम सब भले ही किसी भी मंडल में रहें, हमें संगठन के लिए मजबूती से काम करना है। संगठन से जुड़े या फिर बाहरी सदस्यों की कोई समस्या हो, सांझा प्रयास करके उनका समाधान किया जाता है। उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक सदस्यों को संगठन से जोड़ना है। संगठन की मजबूती हम सबके कार्यों को जमीनी स्तर पर करने से होगी। सभी सदस्य आपस में मिलकर काम करें। संगठन की ताकत कार्यकर्ताओं की एकता ही होती है।

मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद नहीं बन रही क्षेत्र की सड़कें

सोहना। प्रदेश मुख्यमंत्री के आदेशों के बावजूद बीएण्डआर विभाग सोहना से दमदमा और दमदमा से भोंडसी के बीच 17 किलोमीटर लंबे मार्ग पर बने गड्ढे और खस्ता हालत को सुधार नहीं सका है। मुख्यमंत्री ने 12 मार्च को दमदमा झील पर पैराग्लाइडिंग कार्यक्रम उद्घाटन के अवसर पर यह घोषणा की थी। बीएण्डआर विभाग प्रदेश मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आदेशों को 8 माह बीत जाने के बाद भी अमलीजामा नहीं पहना सका है। जिसका का खामियाजा सोहना से दमदमा और दमदमा से भोंडसी जाने वाले मार्ग पर लगते गांव खाईका, लोहटकी, सिरसका, अभयपुर, दमदमा, खेड़ला, बहलपा, सहजावास, रिठौज के निवासियों को भुगतना पड़ रहा है। सोहना से दमदमा के बीच नौ किलोमीटर तथा दमदमा से भोंडसी के बीच 8 किलोमीटर की लम्बाई है। ये दोनों सड़कों की हालत काफी नाजुक है। सड़कों पर बने गड्ढ़ों में बारिश होने पर पानी जमा हो जाता है। जिसे सड़क टूटी होने का अंदेशा नहीं होता है। खेड़ला निवासी कृष्ण का कहना है कि बाइक और स्कूटी से लेकर कार व अन्य वाहनों की बॉडी हिल जाती है। जिससे वाहनों में चलते समय आवजें आने लगती है। नये वाहनों में दो से तीन माह में ही खटरा होने का डर बन रहा है। आदेशों के बावजूद सड़क आठ माह के बाद भी न बनाएं जाने से गुस्साएं गांव बहलपा, रिठौज, खेड़ला, दमदमा, अभयपुर समेत सभी गांवों के गणमान्य लोग मुख्यमंत्री से जल्द ही मिलने की योजना बना रहे है। खाइका निवासी अधिवक्ता राजकुमार का कहना है कि प्रदेश मुख्यमंत्री मनोहर लाल जब भी गुरुग्राम आएंगे। सभी गांवों के लोग उनसे बीएण्डआर विभाग द्वारा सड़क निर्माण में बरती जा रही लापरवाही की शिकायत करेंगे। मांगेराम का कहना है कि इस मामले को ग्रीवेंश कमेटी की बैठक में भी रखाया जाएगा। सोहना से दमदमा तथा दमदमा से भोंडसी के बीच सड़क निर्माण का बजट के साथ-साथ टेंडर प्रक्रिया भी लगभग पूरी हो चुकी है। बारिश के बाद जल्द ही दोनों ही मार्गों पर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आना चाहिए : सुमन सुरा

राजीव नगर स्थित भगवान परशुराम परामर्श केंद्र में मेडिकल कैंप का शुभारंभ करती पुलिस अधिकारी सुमन सुरा।

गुरुग्राम। ब्राहमण वेलफेयर एसोसिएशन विकास मंच द्वारा नीलकंठ अस्पताल के सौजन्य से एक दिवसीय मेडिकल कैंप लगाया गया। जिसमें अनेक मरीजों ने इस सेवा का लाभ उठाया। इस कैंप का उद्घाटन पुलिस अधिकारी सुमन सुरा व अध्यक्ष अजय शर्मा ने किया। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन डेनिस सिंह डॉ. पल्लवी खुराना डॉ. मधु समिता पात्रा, डॉ. सुरेश कौशिक, डॉ. सुषमा पवार, मार्केटिंग मैनेजर राहुल जैन, प्रबंधक दीपक चौहान, बंटी शर्मा आदि मौजूद थे। अध्यक्ष अजय शर्मा ने बताया कि भगवान परशुराम परामर्श केंद्र में समय-समय पर शहर के सुप्रसिद्ध डॉक्टरों की देखरेख में मेडिकल कैंप लगाए जाते हैं। जिसमें आम जरूरतमंद लोगों का भला हो सके। यह 16वां मेडिकल कैंप लगाया गया। जिसका उद्घाटन गुड़गांव की पुलिस अधिकारी मिस सुमन सुरा ने किया। सुमन सुरा ने कहा कि आज के युग में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को साइबर क्राइम की जानकारी दी। आजकल साइबर क्राइम बढ़ गया है। इसकी रोकथाम हम स्वयं कर सकते हैं। हमें जागरूक व सतर्क रहने की जरूरत है। हमें अनचाहे मैसेज नहीं देखने हैं। हमें अपना ओटीपी व पासवर्ड किसी को नहीं बताना है। उन्होंने महिलाओं को सेक्सुअल हराशमेंट की भी जानकारी दी। उन्होंने ट्रैफिक से संबंधित जानकारी सभी को शेयर की है।

अखाड़े में पहलवानी से लेकर राजनीति के दंगल में मुलायम ने दिखाई है ताकत

मुलायम सिंह यादव। फाइल फोटो।

पहले शिक्षक भी बने और फिर राम मनोहर लोहिया के शिष्य बनकर राजनीति में आए

वर्ष 1992 में बनाई अपनी समाजवादी पार्टी

जीवन के आखिरी चुनाव में वे ने मैनपुरी सीट से रिकॉर्ड जीत दर्ज कर सांसद बनें

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

मुलायम सिंह यादव, वह नाम जिसके बिना देश की खासकर यूपी की राजनीति अधूरी है। यूं कहें कि 5 फुट 3 ईंच के मुलायम सिंह का राजनीति और समाज में कद बहुत बड़ा है। भले ही उनकी शुरूआत पहलवानी के साथ हुई हो, लेकिन राजनीति में जब उन्होंने कदम रखा तो पीछे मुड़कर नहीं देखा। तमाम बाधाएं और असफलताएं भी उनकी राह में आई, लेकिन वे हर हाल में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते रहे। वे वर्ष 1974 से 2007 के बीच सात बार विधायक बनें। वर्ष 1989 से 1991, 1993 से 1995 और 2003 से 2007 तक तीन अल्प कार्यकाल के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे।

यूपी के इटावा जिला के सैफई गांव में 22 नवम्बर 1939 को सुघड़ सिंह यादव एवं मूर्ति देवी के घर जन्में मुलायम सिंह यादव ने आगरा विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक तक पढ़ाई की। बीटी करने के बाद वे इंटर कालेज में प्रवक्ता लग गए। उनका पारिवारिक व्यवसाय तो कृषि रहा, लेकिन बाद में वे सामाजिक कार्यकर्ता के साथ राजनीति के क्षेत्र में आ गए। समाजवादी पार्टी की स्थापना करने वाले मुलायम सिंह यादव एक सफल राजनीतिज्ञ रहे हैं। वे वर्तमान में आजमगढ़ लोकसभा सीट से सांसद हैं। मुलायम सिंह ने पहला विधानसभा चुनाव 1967 में लड़ा और जीत दर्ज की। उन्होंने 1996-1998 में भारत के रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया। मुलायम सिंह ने कई राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन किया। इसके बाद उन्होंने वर्ष 1992 में अपने राजनीतिक दल समाजवादी पार्टी का नेतृत्व करने का निर्णय लिया। उनके नेतृत्व में सपा ने कई बार जीत हासिल की। कड़ी मेहनत के बल पर उन्होंने पार्टी को यूपी में खड़ा किया और वे यूपी में एक विरोधी राजनीतिक दल के रूप में स्थापित हो गए। इस समय वे अपने छठे कार्यकाल के लिए संसद सदस्य हैं। वे नेताजी के नाम से मशहूर हैं।

मुलायम सिंह यादव का राजनीति में आना भले ही अपना निर्णय ना हो, लेकिन जिस उम्मीद के साथ उन्हें राम मनोहर लोहिया ने राजनीति में बढ़ाया, वे राजनीति में स्थापित हो गए। लोहिया द्वारा दी गई सलाह से ही मुलायम सिंह यादव ने राजनीति के दंगल में मजबूती से पैर जमा लिए। पहले पहलवान, फिर शिक्षक और फिर राजनीति में आए मुलायम सिंह यादव कई दलों में शामिल रहे। अपना राजनीतिक दल समाजवादी पार्टी बनाकर उन्होंने यूपी जैसे बड़े राज्य पर तीन बार राज किया, यानी वे यूपी में मुख्यमंत्री बनें। धर्म और जाति की प्रयोगशाला में यूपी की राजनीति में मुलायम सिंह को कर्ता-धर्ता माना गया।

वंशवाद के लिए इंदिरा गांधी को कोसते थे मुलायम : 80 के दशक में ही वे चरण सिंह सिंह के साथ मिलकर इंदिरा गांधी को वंशवाद के लिए कोसते थे। वे ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ते थे, जब वे इंदिरा गांधी पर वंशवाद के लिए सवाल खड़े करते। समय के साथ उन्होंने खुद भी वंशवाद में शामिल करते हुए अपने बेटे और परिवार के अन्य सदस्यों को राजनीति में आगे बढ़ाया। हालांकि चौधरी चरण सिंह से वे क्षुब्ध हो गए थे, जब उन्होंने राष्ट्रीय लोकदल में अमेरिका से लौटे अपने बेटे अजीत सिंह को पार्टी की कमान देनी शुरू कर दी। इस दौरान में मुलायम सिंह यादव की रालोद में काफी गहरी पैठ बन रही थी। चौधरी चरण सिंह के निधन के बाद राष्ट्रीय लोकदल टूट गया। उस समय रालोद के कई बड़े नेता मुलायम सिंह के खेमे में थे। उन सबको साथ लेकर वर्ष 1992 में मुलायम सिंह ने समाजवादी पार्टी गठित की। इसका प्रतीक चिन्ह उन्होंने उसी साइकिल को बनाया, जिस पर सवार होकर वे लखनऊ की हर सड़क पर नजर आते थे। मुलायम सिंह यादव अपनी कार्य क्षमता और सूझबूझ से राजनीति में मजबूत होते गए।

आपातकाल में जेल भेजे गए मुलायम : राजनीति में मुलायम सिंह की पकड़ मजबूत होती जा रही थी। आपातकाल के बाद देश की सियासत का माहौल भी बदला। मुलायम सिंह व चरण सिंह आपातकाल में जेल भेजे गए। उस समय की राजनीति में विपक्षी राजनीति से जुड़े हर छोटे-बड़े नेता को गिरफ्तार किया गया। आपातकाल के बाद सभी छोटे-बड़े दलों ने खुद को एकता के सूत्र में बांधा और एक मंच पर आकर कांग्रेस से मुकाबला करने की योजना बनाई। भारतीय लोकदल का विलय नई बनीं जनता पार्टी में हो गए और मुलायम सिंह यादव मत्री बन गए।

मुलायम का अजीत सिंह से रहा छत्तीस का आंकड़ा : मुलायम सिंह ने चरण सिंह के निधन के बाद उनके बेटे अजीत सिंह का नेतृत्व अस्वीकार कर दिया और भारतीय लोकदल को तोड़ दिया। इसके बाद वर्ष 1989 के चुनावों में जब एक बार फिर से कांग्रेस के खिलाफ विपक्षी एकता मजबूत हो रही थी, जब विश्वनाथ प्रताप सिंह कांग्रेस से मुखर होकर बाहर निकले। इसके बाद विपक्षी एकता में जनता दल के रूप में नया दल अस्तित्व में आया। खास बात यह है कि इस दल में जितने भी नेता थे, वे सब प्रधानमंत्री पद के दावेदार थे।

मुलायम सिंह से चंद्रशेखर भी हो गए थे खफा : जनता के गठन के समय मुलायम सिंह को चंद्रशेखर का करीबी माना जाता था। वे चंद्रशेखर को प्रधानमंत्री बनाने से सहमत थे। जब ऐसा समय आया तो वे अपनी बात से पलटी मार गए और उन्होंने विश्वनाथ प्रताप सिंह को प्रधानमंत्री बनाने पर सहमति जताई। ऐसा करने पर चंद्रशेखर मुलायम सिंह यादव से खफा हो गए। मुलायम सिंह यादव ने कांग्रेस का भी साथ दिया है। मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को उन्होंने बचाया।

80 के दशक में मुलायम पर कई हमले हुए : 80 के दशक में मुलायम सिंह राजनेताओं की मुख्य सूची में थे। यानी वे बेहद मजबूत थे। इस दौरान उनके लिए काफी समय मुश्किल भरा भी रहा। उन पर कई बार हमले हुए। ऐसे समय में उनके भाई शिवपाल सिंह यादव उनके लिए ढाल बनकर खड़े हुए। उन्हें बचाने में शिवपाल यादव ने सदा अहम भूमिका निभाई। भाई के भाई के लिए इस तरह के प्रेम ने ही दोनों भाइयों को करीब रखा।

मुलायम की साइकिल पर सवारी हुई हिट

मुलायम सिंह 80 के दशक में लखनऊ की सड़कों पर साइकिल की सवारी करते नजर आते थे। साइकिल से ही वे अखबारों के कार्यालयों और पत्रकारों के पास पहुंचते थे। जमीन से जुड़े नेता के रूप में मुलायम सिंह ने अपनी पहचान बनाई। उनकी राजनीति का एक कड़वा सच यह भी है कि उन्हें शुरू में तो लोहियावादी, समाजवादी माना जाता था। धर्मनिरपेक्षता की वे बातें करते थे। 80 के दशक के बाद वे यादवों के ही नेता माने जाने लगे। अपने गांव से सदा जुड़े रहे मुलायम सिंह ने किसानों के दिलों पर भी राज किया। राम मंदिर आंदोलन के समय वे मुसलमानों के पसंदीदा नेता बनें।

लोहिया और चरण सिंह से सीखे राजनीति के दांवपेंच

मुलायम सिंह यादव ने 60 के दशक में राममनोहर लाल लोहिया और चौधरी चरण सिंह से सीखने शुरू किए। लोहिया ही उन्हें राजनीति में लेकर आए थे। लोहिया की ही संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी ने उन्हें 1967 में टिकट दिया। वह पहली बार चुनाव जीतकर विधानसभा में पहुंचे। उसके बाद वह लगातार प्रदेश के चुनावों में विजेता बनते रहे। वे कभी यूपी विधानसभा तो कभी विधान परिषद के सदस्य बनते रहे। उनकी संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी थी, वहीं दूसरी पार्टी बनी चौधरी चरण सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय क्रांति दल। इस दल में वह 1968 में शामिल हुए। वैसे चरण सिंह की पार्टी के साथ जब संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी का विलय हुआ तो भारतीय लोकदल बन गया। ये मुलायम के सियासी पारी की तीसरी पार्टी बनी।

फर्नीचर कारोबारी 72 घंटा से लापता पत्नी ने कराई शिकायत दर्ज

सोहना। सोहना निवासी महिला ने पति के संदिग्ध हालत में लापता होने की शिकायत पुलिस थाना में दर्ज कराई है। पीड़िता महिला ने पति के लापता होने के 72 घंटा बाद पुलिस को शिकयत दी।

शहर के वार्ड-16 का पठानवाड़ा मोहल्ले में रहने वाली मोनिका ने स्थानीय थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पति मनीष 6 अक्तबूर से लापता है। मोनिका ने पुलिस को बताया कि मनीष रात करीब 10 बजे अपनी वार्ड-19 की राजौरिया कॉलोनी में फर्नीचर की कंपनी पर गया था। जहा से उसने मिस्त्री लोकेश से स्कूटी ली और बिना बताएं चला गया। जिसका 72 घंटा बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है।

अर्लीसैलरी को फाईब के रूप में रिब्रांड किया गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

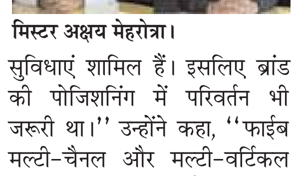

मिस्टर अक्षय मेहरोत्रा।

भारत का सबसे बड़ा कंज्यूमर लेंडिंग ऐप, अर्लीसैलरी अब फाईब बन गया है। इस नए नाम में युवा भारतीयों की हर जरूरत के लिए वित्त प्रदान करने वाला सुगम और किफायती समाधान बनने का कंपनी का उद्देश्य समाहित है। रिब्रांडिंग के तहत, कंपनी को नई वेबसाइट एचटीटीपीएसस्लेसडब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉटफाईबडॉटइन पर स्थानांतरित कर दिया गया है और इसके नए लोगों का अनावरण कर ऐप का अपडेटेड वर्जन लॉन्च कर दिया गया है। रिब्रांडिंग के बारे में अक्षय महरोत्रा, को-फाउंडर एवं सीईओ, फाईब ने कहा, "जब हमने अपने सेलरी एडवांस बिजनेस की शुरुआत की, तब ब्रांड के रूप में अर्लीसैलरी ने बहुत अच्छा काम किया। पिछले सालों में हमने अनेक वित्तीय उत्पाद लॉन्च किए हैं, जिनमें इंस्टैंट कैश लोन से लेकर एडटेक, हैल्थकेयर और कंज्यूमर टेक में बीएनपीएल सुविधाएं शामिल हैं। इसलिए ब्रांड की पोजिशनिंग में परिवर्तन भी जरूरी था।" उन्होंने कहा, "फाईब मल्टी-चैनल और मल्टी-वर्टिकल कस्टमर अधिग्रहण पर केंद्रित होगा। टेक्नॉलॉजी की मदद से नई ब्रांडिंग उपलब्धता आसान बनाएगी, और वित्तीय सेवाएं प्राप्त करने के लिए एक सुगम अनुभव का निर्माण करेगी। इसके लिए हमने एक नई वेबसाईट फाईबडॉटइन का निर्माण भी किया है।"

इस बारे में आशीष गोयल, को-फाउंडर एवं सीएफओ, फाईब ने कहा, "यह रिब्रांडिंग हमारी सेवाएं और कस्टमर सेगमेंट की वृद्धि करने के हमारे उद्देश्य को प्रतिबिंबित करती है। अर्लीसेलरी का नाम हमारे उपभोक्ताओं के बीच काफी प्रतिष्ठित है, और फाईब भी इसी प्रतिष्ठा के साथ आगे बढ़ता रहेगा। यह नया नाम ऐसी सेवाएं प्रदान करने के हमारे सिद्धांत को प्रतिबिंबित करता है, जो सकारात्मक वातावरण का निर्माण करें।"

कंपनी ने साल 2016 में युवा भारतीयों की जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित रहकर उन्हें आसान क्रेडिट उपलब्ध कराते हुए काम करना शुरू किया था। यह क्रेडिट केवल युवा वेतनमान लोगों के लिए था। बाद के सालों में कंपनी ने 3 से 24 महीनों की अवधि के साथ अनेक उत्पाद, जैसे शॉर्ट-टर्म कैश लोन और लांग-टर्म पर्सनल लोन प्रस्तुत किए। पिछले 18 महीनों में इस ब्रांड ने एडटेक, हैल्थटेक, शॉपिंग और लाईफस्टाईल में 'बाय नाउ पे लेटर' (बीएनपीएल) सुविधाएं लॉन्च कर किफायत के सेगमेंट में प्रवेश किया। नतीजतन कंपनी के टारगेट ग्राहकों का भी विकास हुआ और इसमें ज्यादा विस्तृत ग्राहक आधार शामिल हो गया।

पांच कमरों के स्कूल में पढ़ते हैं करीब दो हजार बच्चे

बरसात के पानी में डूबा बड़खल गांव का सरकारी स्कूल

17 में से 12 कमरे हैं जर्जर घोषित, सरकार चाह रही स्कूल को मॉडल बनाना

कविता। फरीदाबाद

बड़खल गांव के सरकारी स्कूल में सोमवार की सुबह जब विद्यार्थी और शिक्षक पहुंचे, तो स्कूल झील में तब्दील नजर आया। जिस कारण स्कूल पहुंचे बच्चे कक्षाओं में न पहुंच सके। ऐसे में अध्यापकों ने स्कूली बच्चों की बरामदे में बैठाकर कक्षाएं ली। वहीं स्कूल में पानी भरने से स्टाफ भी कक्षाओं और दफ्तर के बाहर घूमते नजर आया। स्कूल सड़क से करीब चार फीट नीचा है। स्कूल के गेट से अंदर पहुंचने पर अंदर तलाब का दृश्य नजर आया। जबकि इस स्कूल को मॉडल स्कूल का दर्जा दिलवाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन यहां न तो लैब है और न ही कोई अन्य सुविधा।

यह था हाल : बड़खल गांव सीनियर सैकेंड्री स्कूल के बाहर की सड़क पर जगह जगह किचड़ और गड्ढे थे। गेट ऊंचा होने के कारण बाहर से तो स्कूल ठीक नजर आता है। लेकिन जब स्कूल के अंदर देखा, जाए तो यह बरसाती पानी का तलाब नजर आता है। वहीं स्कूल के कमरे इतने जर्जर हालत में है कि कक्षाओं में बरसात के दिनों में पानी टपकता है। जिससे कमरों में बैठाकर बच्चों को अध्यापक पढ़ा नहीं पाते। स्कूल परिसर में पानी इस तरह भर जाता है कि स्कूल में मौजूद क्लास रूमों तक बच्चे पहुंच नहीं पाते। जिस कारण बरामदे में बैठाकर अध्यापक कक्षाएं लेते हैं।

यह है स्थिति : करीब दो हजार की संख्या में पढ़ने करने वाले बच्चों को 63 अध्यापक स्कूल के मात्र पांच कमरों में पढ़ा रहे हैं। सोमवार को जब स्कूल का दौरा किया गया तो पता चला कि स्कूल में 17 कमरे हैं। लेकिन इनमें 12 कमरों को कंडम घोषित किया हुआ है। जिस कारण स्कूल के केवल पांच कमरों में ही कक्षाएं चलती हैं। जिसमें दो शिफ्टों में यहां कक्षाएं लगाई जाती हैं। पहली शिफ्ट में सुबह सात से दोपहर साढ़े 12 बजे तक कक्षाएं लगती है। जिसमें छठीं से 12वीं तक के बच्चे पढ़ते हैं। इन बच्चों को 28 शिक्षक पढ़ते हैं। दूसरी पारी में दोपहर एक से शाम पांच बजे तक पहली से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों को 35 अध्यापक पढ़ाते हैं।

स्कूल के भीतर भरा पानी।

स्कूल के गेट के बाहर का दृश्य।

स्कूल के बाहर मौजूद सड़क पर गड्ढों में भरा पानी।

सीएम फ्लाइंग स्क्वॉयड ने छापा मार कर बरामद किए 77 क्विंटल रसगुल्ले

दीपावली पर मिलावटी मिठाई की बिक्री की आशंका को देखते हुए की कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की टीम ने सोमवार सुबह एनएच दो में चल रहे रसगुल्ले बनाने वाले तीन कारखानों पर एक साथ छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम के साथ खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण के अधिकारी भी मौजूद थे। संयुक्त टीम ने तीनों कारखानों से करीब 77 क्विंटल रसगुल्ले बरामद किये है। इनके सैम्पल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

मुख्यमंत्री उड़नदस्ते के डीएसपी राजेश चैची ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि त्योहारों के सीजन को देखते हुये एनएच दो में मिलावटी रसगुल्ले तैयार किये जा रहे है। सूचना के आधार पर जगदीश निरीक्षक, मुख्यमंत्री उड़नदस्ता द्वारा डॉ. सचिन खाद्य सुरक्षा अधिकारी व स्थानीय पुलिस के साथ एनएच-दो में रसगुल्ले बनाने वाली दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया।

संयुक्त टीम द्वारा पुजारीजी रसगुल्ले नाम की फर्म का संयुक्त औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण पर पाया गया कि राजकुमार निवासी दो बी 6, एनआईटी फरीदाबाद द्वारा इस स्थान पर रसगुल्ले बनाने की वर्कशाप चलाई जा रही है। डा. सचिन खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा मौका पर हाजिर मिले राजकुमार से लाइसेंस मांगने पर उसने रजिस्ट्रेशन पेश किया। मौका पर रसगुल्ले बनाने का कार्य किया जा रहा था। दुकान में करीब 2900 किलोग्राम रसगुल्ले व करीब 300 किलोग्राम गुलाब जामुन तैयारशुदा रखे मिले। उसके अतिरिक्त करीब 60 किलोग्राम छैना रसगुल्ले बनाने के लिए तैयार रखा हुआ मिला। सभी से एक-एक सैम्पल खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा लिया गया। जिन्हें परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा जायेगा।

संयुक्त टीम द्वारा उसके साथ ही एक अन्य वर्कशाप को चैक किया गया। जिसे मै. हीरा लाल के स्वादिष्ट रसगुल्ले नाम से बनाने की वर्कशाप लगाई हुई थी। जिससे खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा लाईसेंस पेश करने बारे कहा लेकिन कोई वैध दस्तावेज पेश नही कर सका। मौका पर दुकान में करीब 500 किलोग्राम रसगुल्ले तैयार रखे हुये मिले। जिनमें से डा. सचिन द्वारा एक सैम्पल लिया गया।

इसके उपरांत संयुक्त टीम द्वारा थोडी दूरी पर बने साहनी स्वीट नाम से चलाई जा रही वर्कशाप का निरीक्षण किया। टीम द्वारा वैध लाईसेंस पेश करने बारे में पूछा। उसने मौके पर रजिस्ट्रेशन पेश किया। मौके पर दुकान में रसगुल्ले करीब 4300 किलोग्राम रसगुल्ले व करीब 20 किलोग्राम गुलाब जामुन तैयार रखे हुए मिले। जिनमें से एक-एक मिठाई का सैम्पल लिया गया। लिये गये सभी सैम्पलों को खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा जायेगा। परीक्षण रिपोर्ट आने उपरांत नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। यह कार्यवाही राजेश चैची डीएसपी उप पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री उडन दस्ता फरीदाबाद के नेतृत्व में जगदीश निरीक्षक, सतबीर सिंह उप निरीक्षक व बृजेश द्वारा की गई।

सीएम फ्लाइंग के अधिकारियों ने एनएच दो में छापे के दौरान बरामद किए रसगुल्ले।

एमसीएफ के गेट पर शव रखकर प्रदर्शन, पुलिस ने दर्ज किया केस

नगर निगम मुख्यालय के गेट पर शव रख कर प्रदर्शन करते मृतक के परिजन।

फरीदाबाद। सेक्टर 21सी मार्बल मार्केट में सड़क के गड्ढों और जलभराव के कारण शनिवार की रात को बाइक सवार उपेंद्र तिवारी की मौत हो गई थी। इस घटना के विरोध में आम आदमी पार्टी के नेता संतोष यादव के नेतृत्व में लोगों सोमवार को नगर निगम मुख्यालय के सामने शव रखकर नारेबाजी शुरू कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लोगों को समझाने के प्रयास शुरू कर दिये। इस प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने के लिए निगम के अधिकारियों ने प्रशासन के माध्यम से मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन लोग हटने के लिए तैयार नहीं थे। आप नेता संतोष यादव और बाबा रामकेवल के साथ लोग पुलिस व निगम के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। मामले बढ़ता देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बल इस्तेमाल कर हटा दिया। विरोध करने वाले कई लोगों को हिरासत में लिया गया। डीसीपी एनआईटी नरेंद्र कादयान ने बताया उन्होंने लोगों को समझाने का काफी प्रयास किया था। उपेंद्र तिवारी की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया है। इसके बावजूद लोग निगम कार्यालय के सामने से हटने को तैयार नहीं थे। निगम के जेई की शिकायत पर संतोष यादव, बाबा रामकेवल सहित करीब बीस लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि शनिवार रात को उपेंद्र तिवारी ड्यूटी से मेवला महाराजपुर अपने घर आ रहे थे। सेक्टर 21सी मार्बल मार्केट के पास उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पूरी रात शव पानी में ही पड़ा रहा। रविवार सुबह लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मृतक के परिजनो ने किसी के खिलाफ कोई शिकायत नही दी थी।

महाराष्ट्र मित्र मंडल ने दूध भेल बना मनाई शरद पूर्णिमा

फरीदाबाद। महाराष्ट्र मित्र मंडल द्वारा शरद पूर्णिमा गांधी कॉलोनी स्थित समुदाय भवन में 09 अक्टूबर को दूध एवं भेल बनाकर मनाई गई। दूध का शरद पूर्णिमा में महत्वपूर्ण स्थान है। दूध को चंद्रमा की छाया में बनाया जाता है क्यों की इसी मान्यता है की इस दिन चंद्रमा अपनी पूरी 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है। अमृत बरसाता है वो अमृत दूध में समा जाए इसलिए शरद पूर्णिमा के दिन दूध चंद्रमा की छाया में बनाया जाता है। एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन जब किया जा रहा था तब शरद पूर्णिमा के दिन ही मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं। इस वजह से शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रदेव के साथ मां लक्ष्मी की पूजा शुभ मानी जाती है। मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी धरती पर विचरण करती हैं और अपने भक्तों पर कृपा बरसाती हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत दूध बनाने से हुई एवं महिलाओं के लिए विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजन मंडल के सदस्य ललित पांचाल द्वारा किया गया था जिसमे सभी महिलाओं ने भाग लिया एवं तरह-तरह के उपहार भी जीते। सभी को दूध एवं भेल का प्रसाद बांटा गया।

अंत में मंडल के उपाध्यक्ष चिंतामणि एवं मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र पांचाल की अध्यक्षता में सभी मंडल के कार्यकर्ताओं को गणेश उत्सव में तन मन धन से सहयोग देने के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में यशवंत पांचाल, रविंद्र, विनय पांचाल, विलास पांचाल, चिंतामणि, राजेंद्र, रोहित, ललित, तेजस, अनिल, शेखर, हरेंद्र, विशाल, अक्षय, गौरव बजाज, संतराम, भावना, भारती, ज्योति, रेखा, सुनिधि, वंदना एवं सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा के अवसर पर चंद्रमा का पूजन करती महिलाएं।

लापता महिला को किया परिजनों के हवाले

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम मुकेश मल्होत्रा के द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच कैट प्रभारी सरजीत सिंह की टीम ने 22 वर्षीय गुमशुदा महिला को तलाश कर परिजनों के हवाले करने का सराहनीय कार्य किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया की गुमशुदा महिला 14 सितंबर को अपने घर से बिना बताए कही चली गई थी।

महिला के परिजनों ने अपने तौर पर अभी तक महिला की तलाश की। जिसकी सूचना 23 सितम्बर को थाना सदर बल्लभगढ़ में दी। जिसपर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी। मामले में कार्रवाई के लिए क्राइम ब्रांच कैट टीम को नियुक्त किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए कैट टीम ने गुमशुदा महिला को 9 अक्टूबर को सेक्टर-30 फरीदाबाद से सकुशल बरामद कर थाना सदर बल्लभगढ़ पुलिस टीम के हवाले कर दिया है। थाना पुलिस टीम ने आगे की कार्रवाई करते हुए महिला के परिजनों को सूचित कर दिया। महिला के परिजनों के सामने महिला से पूछताछ की गई महिला ने घर से जाने का कारण गृह क्लेश बताया।

कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर आयोजित हुई कार्यशाला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कर्मचारी मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा हर उद्योग, क्षेत्र और हर किसी के जीवन में केंद्र स्तर पर आ गया है। हॉस्पिटेलिटी की दुनिया में भी इसने पेशेवरों की मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। आंकड़ों से यह पता चला है कि कर्मचारियों का काम से तनाव बढ़ गया है, और कुछ ने इसे प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं के कारण के रूप में उजागर किया है। कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, क्राउन प्लाजा, ग्रेटर नोएडा ने आज विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला की मेजबानी की, जिसका संचालन परामर्श मनोवैज्ञानिक करिश्मा सलवान ने किया।

कार्यशाला में शीर्ष प्रबंधन सहित कर्मचारियों ने भी भाग लिया। ऋषभ टंडन, निदेशक एचआर, क्राउन प्लाजा, ग्रेटर नोएडा और क्षेत्र निदेशक-मानव संसाधन, आईएचजी ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में, हम वास्तव में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में विकसित हुए हैं। हमारे संगठन आईएचजी ने 'आईएम हेयर' (ट्राइब एंड एम्बेस्डर्स) शुरू किया है जो स्वास्थ्य सम्बंधी व अन्य मुद्दों एवं लक्षणों को पहचानने का प्रयास करता है, जिन्हें बढ़ने से रोका जा सके।' ऋषभ ने बताया, 'हमने आईएचजी में त्रैमासिक आधार पर 2021 में वेलबीइंग वीक की संस्कृति की संकल्पना की, और वर्तमान वर्ष में भी जारी है।' कुछ रिपोर्टों के अनुसार, पांच में से चार कार्यकर्ता नौकरी के दौरान उच्च स्तर के तनाव का अनुभव करते हैं, क्योंकि आतिथ्य कार्य बेहद कठिन है, कई कर्मचारी सदस्य शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण कार्यों को करते हुए लंबे समय तक काम करते हैं।

ग्रेटर नोएडा के क्राउन प्लाजा के महाप्रबंधक शरद के. उपाध्याय ने कहा, 'श्रमिकों के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने वाली नीतियों को लागू करना निर्विवाद रूप से अनिवार्य है। कर्मचारियों को उनकी भूमिकाओं के भीतर सुरक्षा और उत्थान के लिए ऐसे उपकरण और प्रथाएं डिजाइन किये जाने चाहिए, ऐसा होने से न केवल कर्मचारियों के अनुभव को लाभ होगा, बल्कि होटल के व्यवसाय को भी लाभ होगा।' कार्यशाला के बारे में बात करते हुए करिश्मा ने कहा, लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य हमेशा से एक मुद्दा रहा है और मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि ब्रांड इस मुद्दे को गंभीरता से ले रहे हैं। एक बार जब आप छोटे मुद्दों पर चर्चा करने और संघर्ष करने के लिए खुले होते हैं तो यह न केवल मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को संबोधित करने में मदद करता है बल्कि मजबूत बंधन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ कर्मचारियों को कार्यस्थल पर दिल से देखभाल के बारे में विश्वास प्रदान करने में भी मदद करता है।'

पराली जलाने वालों पर होगा केस दर्ज : डीसी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीसी विक्रम सिंह ने जिला फरीदाबाद के किसानों से धान की कटाई के बाद पराली ना जलाने का आह्वान किया है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे पराली का उचित प्रबंधन कर इसे आईपीएल के एथनॉल प्लांट के लिए बेचें। ताकि डीजल ईंधन के लिए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ें। इसके साथ ही डीसी विक्रम सिंह ने कहा है कि पराली जलाने वालों के खिलाफ केस भी दर्ज किया जायेगा और तुरंत कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से जहां पर्यावरण प्रदूषित होता है, वहीं खेतों में मित्र कीटों को भी नुकसान पहुंचता है।

12 टीमें मारेंगी छापे: अधिकारियों की टीमों को फील्ड में रहने के निर्देश देते हुए डीसी ने कहा कि पराली जलाने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने अधिकारियों की टीमों को रविवार के दिन भी विशेष रूप से गश्त करके पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए 12 टीमों का विशेष तौर पर गठन किया गया है। ताकि पर्यावरण के संरक्षण के साथ ही पराली का उचित प्रबंधन भी हो सके। उन्होंने कहा कि किसान पराली जलाने की बजाय उसका उचित प्रबंधन कर लाभ कमाएं। पर्यावरण का संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। इसमें किसान को भी सहयोग देना चाहिए।

पराली ना जलाए किसान: जिला में किसानों को जागरूक करने के लिए जागरूकता कैम्प चलाए जा रहे हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डॉ पवन कुमार ने जिला के किसानों से धान की पराली न जलाने की अपील करते हुए कहा कि धान के बचे अवशेष में खेती के लिए उपयोगी 17 तत्व पाए जाते हैं। इसलिए इन्हें जलाएं नहीं बल्कि खेत में ही जोत कर खेत की उपजाऊ शक्ति को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिला में धान की कटाई का समय आ गया है। ऐसे में कृषि विभाग द्वारा स्कूलों में विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए 20 टीमें स्कूलों में जा रही है ताकि स्कूलों के विद्यार्थी भी किसानों को पराली प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर जागरूकता अभियान के भागीदार बनकर किसानों में जागरूकता लाई जा रही हैं।

डॉ पवन कुमार ने बताया कि धान के फसल अवशेष में आर्गेनिक कार्बन कंटेंट भी उपलब्ध होता है। जिसमें नाइट्रोजन 0.65 प्रतिशत व पोटाशियम की मात्रा करीब 0.30 प्रतिशत होती है। उन्होंने बताया की चूंकि जिला फरीदाबाद की भूमि में ऑर्गेनिक कार्बन कंटेंट की मात्रा 0.2 से 0.4 प्रतिशत के करीब है। ऐसे में धान की फसल अवशेष को पूसा डी कंपोजर की मदद से खेत में ही सड़ा कर खेत की उपजाऊ शक्ति बढ़ाई जा सकती है। डॉ पवन कुमार ने आगे कहा कि किसान जीरो टिलेज यंत्र के माध्यम से खड़ी फसल में भी गेहूं की बिजाई कर सकते है। रोटावेटर के माध्यम से खेत को जोत सकते है व सुपरसीडर की मदद से जुताई व बिजाई दोनों एक साथ की जा सकती है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा कटाई से पहले ही इंसीटू एक्सीटू कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए है जिस पर 50 प्रतिशत की अनुदान राशि व्यक्तिगत किसान व 80 प्रतिशत की अनुदान राशि कस्टम हायरिंग सेंटर को दी गई है।

शहर के उद्योगपतियों ने थामा आप का दामन

फरीदाबाद। सोमवार को शहर के उद्योगपति एडवोकेट बीएस यादव, एडवोकेट कंदरप यादव, जोगेंदर, विशाल यादव, पंकज मलिक, राजन गौतम, संजय गोसाई, गुरदीप सिंह बख्शी, रविंदर सिंह सहित दर्जनों साथियों ने आम आदमी पार्टी द्वारा सेक्टर 14 में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी का दामन थामा।

वार्ड नंबर 36 के संभावित उम्मीदवार प्रमोद मनोचा ने सभी लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलवाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओल्ड फरीदाबाद प्रभारी प्रवेश मेहता ने की। इस मौके पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के दिल्ली मॉडल से दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे देश की जनता प्रभावित है और हमें उम्मीद ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आने वाली सरकार हरियाणा में आम आदमी पार्टी की होगी। इस मौके पर जीएस त्यागी अध्यक्ष एफएसआईए, सत्यजीत सिंह बेदिक, अनिल अरोड़ा, रितु अरोड़ा, मनजीत सिंह, इंद्रपाल सिंह, राजेश कपूर, राज कपूर, महेश कथूरिया, अलका कथूरिया, राजन गौतम, संजय गोसाई, विनोद मेहरा, सतीश यादव, अजय दीवान, सुरिंदर वाधवा, सुनील मलिक एवं अन्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

विधायक ने किया तहसील का औचक निरीक्षण

फरीदाबाद। एनआईटी फरीदाबाद से विधायक नीरज शर्मा सोमवार को बडखल तहसील के औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे, तहसील के एक-एक कमरे में जाके देखा कि किस प्रकार से कार्य किया जा रहा है। औचक निरीक्षण के दौरान तहसील के कई अधिकारी/कर्मचारी अनुपस्थित मिले। जिसपर विधायक नीरज शर्मा ने तहसील में रखा मूवमेंट रजिस्टर चेक किया जिसपर कई अनियमितताएं मिली, जिसपर विधायक नीरज शर्मा ने अपनी टिप्पणी लिखकर जिला उपायुक्त को भेज दी की इसपर उचित कार्यवाही की जाए। इसके अतिरिक्त नीरज शर्मा ने तहसील में बैठ लोगो की जन समस्याएं सुनी। लोगो की शिकायत थी कि कई कई दिन से चक्कर काट रहे है किन्तु तहसीलदार मिलते ही नही, विधायक नीरज शर्मा का कहना था कि सरकार ने इसलिए 2-2 तहसीलदार नियुक्त किए है कि एक तहसील में हर समय उपस्थित रहे ताकि लोगो का कार्य बाधित ना हो। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि उनके द्वारा उपायुक्त फरीदाबाद को इस बारे बताया है की कृपा यह सुनिश्चित करें कि तहसील में हर समय एक तहसीलदार जरूर मौजूद हो ताकि लोगो को परेशानी ना हो।

तीन दिन से बिजली आपूर्ति ठप, दुकानदारों ने लगाया जाम

अम्बेडकर चौक पर बिजली न होने पर जाम लगाते दुकानदार।

बल्लभगढ़। बल्लभगढ़ की मार्केट में तीन दिन से बिजली नहीं है। ऐसे में रात्रि के समय उन्हें काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही है। जिसकी शिकायत उन्होंने कई बार बिजली विभाग को की। बिजली कर्मचारी नया ट्रांसफार्मर लगाने के नाम पर दुकानदारों से अब तक 15 हजार रुपये भी ले गए, लेकिन अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया। दौबारा दुकानदार भड़क गए और उन्होंने अम्बेडकर चौक पर जाम लगा दिया। जानकारी के मुताबिक बल्लभगढ़ मार्केट में पिछले तीन दिनों से बिजली न होने से दुकानदारों को काफी परेशानी हो रही है। बिजली बाधित होने की वजह सोमवार को बल्लभगढ़ मार्केट के करीब 60 दुकानदारों ने करीब पौने घंटे तक अंबेडकर चौक पर जाम लगाया। बल्लभगढ़ मार्केट के दुकानदार राजीव, नीतिश, राजेश, नवीन, महेश, प्रेम आदि दुकानदारों ने बताया कि अंबेडकर चौक से लेकर अग्रवाल कॉलेज तक और अंबेडकर चौक से बोहरा मिल तक करीब 70 दुकानें है। पिछले तीन से बरसात होने की वजह से बोहरा मिल के पास लगा ट्रांसफार्मर फूंक गया। जिसकी वजह से 70 दुकानों में बिजली बाधित है। दुकानदारों को कहना है कि त्योहार का सीजन शुरू हो गया। अब दुकानों पर ग्राहक सामान खरीदने के लिए आते है। दुकानदारों का आरोप है कि पिछले डेढ़ महीने में बोहरा मिल के पास लगा ट्रांसफार्मर तीन बार खराब हो गया। जिसको ठीक करने के लिए, जेई द्वारा एक बार 5 हजार रुपये व दूसरी बार 10 हजार रुपये लेकर गए। सोमवार को भी जेई जब दुकानदारों से ट्रांसफार्मर को ठीक करने के नाम पर पैसे मांगने आया तो उसके बाद दुकानदारों ने जाम लगाया। दुकानदारों द्वारा जाम लगाने पर मौके पर थाना सिटी प्रभारी सत्यवान और बिजली निगम के एसडीओ राजेंद्र ने आश्वासन दिया कि तीन घंटे के अंदर ट्रांसफार्मर को बदल कर बिजली का शुरू कर दी जाएगी। इस दौरान दुकानदारों ने एसडीओ को बताया कि पैसे भी दिए है, तो एसडीओ ने इस मामले में चुप्पी साध ली।

अग्रवाल धर्मशाला सोसाइटी के चुनाव सम्पन्न

फरीदाबाद। अग्रवाल धर्मशाला सोसायटी, ओल्ड फरीदाबाद की गवर्निंग बॉडी का चुनाव हुआ। जिसमें पांच सदस्यों का चयन किया जाना था। जिसके लिए तीन मेम्बर की एक चुनाव समिति का गठन किया गया। जय प्रकाश गुप्ता, रामकुमार गोयल एवं पवन गुप्ता द्वारा चुनाव प्रक्रिया को पूर्ण एवं सुचारु रूप से कार्यान्वित किया। जिसमें से 4 सदस्यों का चयन निर्विरोध हुआ, जिसमें प्रधान महेश चंद गुप्ता निर्विरोध, वरिष्ठ उपप्रधान अनिल गुप्ता चांदीवाले, निर्विरोध महा सचिव विष्णु गोयल, निर्विरोध कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, निर्विरोध उप प्रधान के लिए दो प्रत्याशियों के नामांकन दर्ज हुए रामकिशोर अग्रवाल एवं महेश सिंघल उप प्रधान पद के प्रत्याशी रहे। जिसके मतदान की परिक्रिया सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चली और रामकिशोर अग्रवाल को 147 वोट और महेश सिंघल को 94 वोट मिले। रामकिशोर अग्रवाल 53 वोट से जीत कर उप प्रधान बने तथा एक पूर्ण टीम का गठन हुआ। वहां उपस्थित संतगोपाल गुप्ता, जय प्रकाश गुप्ता, केजी अग्रवाल, पवन गुप्ता, रामकुमार गोयल, सुभाष गोयल, जगदीश अग्रवाल, सुमेर मित्तल, अनिल गर्ग, एसके गोयल तथा अन्य उपस्थित लोगों ने नई टीम को माला पहनाकर स्वागत एवं बधाई दी।

डालसा ने अधिकारों के प्रति किया जागरुक

फरीदाबाद। यशवीर सिंह राठौर जिला एवं सत्र न्यायाधीश व सुकृति सीजेएम डीएलएसए फरीदाबाद के निर्देशानुसार संजय गुप्ता एडवोकेट ने प्रभात अवेकिंग एनजीओ खेड़ी कला में जाकर मेंटल हेल्थ डे के अवसर पर वहां रह रहे दिव्यांग बच्चे व केयरटेकर को उनके अधिकार, सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्कीम व सुविधाएं के बारे में विस्तृत जानकारियां दी। इसके साथ साथ दिव्यांग बच्चों को आ रही स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के निदान के लिए डॉक्टर शीला भगत उप चिकित्सा अधिकारी की देखरेख में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन करवाया गया। जिसमें दिव्यांग बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई और उन्हें काउंसलर द्वारा काउंसलिंग कराई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद निरंतर स्वास्थ्य संबंधी कैंप जिले में विभिन्न स्थानों पर लगा रहे हैं यह प्रक्रिया निरंतर भविष्य में भी जारी रहेगी। इन स्वास्थ्य शिविर व बुजुर्गों वह दिव्यांग बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सभी कार्यों पर सुकृति गोयल सीजीएम डीएलएसए फरीदाबाद खुद समीक्षा कर रही हैं और जहां भी सरकारी विभाग से सहायता की आवश्यकता होती है। उनसे संपर्क करके सहायता पहुंचाई जा रही है।

सीनियर महिला टी 20 क्रिकेट टीम में हुआ चयन

फरीदाबाद। हरियाणा सीनियर महिला क्रिकेट टीम के लिए, जिले की वन्दना सैन का महिला क्रिकेट टीम में चयन किया गया है। खिलाड़ी वन्दना रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी में अभ्यास करती हैं। वन्दना राइट हेंड बल्लेबाज और राइट आर्म मेडियम गेन्दबाजी करती है। वन्दना लेवल ए कोच धर्मेंद्र फागना के अंडर अभ्यास करती है। रविंद्र फागना स्पोर्ट्स प्रमोशन चेयरमैन सतीश फागना ने बताया कि वन्दना ने अभी हाल ही में सुल्तानपुर में कैंप में भाग लिया था। सतीश फागना ने बताया कि वन्दना को उनके टीम में चयन के बारे में सूचना दे दी है। वन्दना के लिए, अपनी प्रतिभा साबित करने का सही मौका है। सतीश फागना ने हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन के महासचिव अनिरुद्ध चौधरी का धन्यवाद किया है। कोच धर्मेंद्र फागना के अनुसार वन्दना रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी में प्रैक्टिस करती हैं।

गौतम का इस्तीफा
आप की रणनीति

दिल्ली के मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम का इस्तीफा आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी-आप को भाजपा के 'हिंदू' विकल्प या कम से कम ऐसे विकल्प के रूप में पेश करने का प्रयास कर रहे हैं जो 'हिंदू-विरोधी' न हो। यही कारण है कि आप नेताओं ने 'भगवा ब्रिगेड' की ऐसे शब्दों में कभी आलोचना नहीं की है जिसका प्रयोग आमतौर से स्वघोषित सेक्युलर पार्टियां करती हैं। निश्चित रूप से भारत की सभी पार्टियां सेक्युलर हैं, पर उनमें से कुछ दूसरों की तुलना में अधिक सेक्युलर हैं। आप कम सेक्युलर रास्ते पर चल रही है जिसे कुछ लोग 'नरम हिंदुत्व' भी कह सकते हैं। पिछले साल उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सपरिवार राजधानी के अक्षरधाम मंदिर में दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजन किया था। उनके साथ उनकी कैबिनेट के सहयोगी भी थे। उन्होंने ट्वीट भी किया था, 'जब दिल्ली के दो करोड़ लोग लक्ष्मी पूजन करेंगे तो दिल्ली पर महान कृपा होगी और दृश्यमान व अदृश्य शक्तियां उनको आर्शीवाद देंगी।' फरवरी, 2020 में दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान केजरीवाल ने गर्व से घोषणा की थी कि वे 'हनुमान भक्त' हैं और उन्होंने सार्वजनिक रूप से हनुमान चालीसा भी पढ़ी थी। गुजरात में मुख्य राजनीतिक शक्ति बनने के इच्छुक केजरीवाल ने उनकी पार्टी के आगामी विधानसभा चुनाव में विजयी होने पर हाल ही में 'गुजरात के सभी लोगों को अयोध्या में राम मंदिर की मुफ्त यात्रा कराने' का वादा भी किया है। उन्होंने 'जय श्रीराम' के नारे भी लगाए जो भाजपा की युद्ध घोषणा की तरह है।

ऐसे 'संस्कारी' परिवेश में गौतम की ऐसे आयोजन में उपस्थिति असंगत

थी जहां 10,000 लोगों ने धर्मांतरण कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया। धर्मान्तरित लोगों ने बी.आर. अंबेडकर की 22 प्रतिज्ञायें लीं और शपथ खाई कि वे हिंदू देवी देवताओं की प्रार्थना नहीं करेंगे। इस आयोजन के वाइरल वीडियो में एक बौद्ध भिक्षु को गौतम के साथ मंच साझा करते दिखाया गया जो यह शपथ दिला रहा है कि 'मेरा ब्रह्मा, विष्णु व महेश में कोई विश्वास नहीं है और मैं देवताओं के रूप में उनकी पूजा नहीं करूंगा। मेरा राम या कृष्ण में कोई विश्वास नहीं है और मैं उनकी पूजा नहीं करूंगा। मेरा गौरी, गणपति व अन्य हिंदू देवताओं में कोई विश्वास नहीं है, न मैं उनकी पूजा करूंगा।' गौतम ने भी यह शपथ ली थी। आश्चर्य नहीं कि इस पर भाजपा ने गौतम तथा आप पर करारा हमला बोला। आखिरकार भाजपा और उसके समर्थक इससे छोटी बातों पर भी आसमान सिर पर उठा लेते हैं, जबकि अब उनके पास आप के एक मंत्री द्वारा हिंदुओं की भावनायें आहत करने का आडियो-विजुअल प्रमाण था। भाजपा ने उनके इस्तीफे की मांग की और आप ने उनका बचाव नहीं किया। इस घटनाक्रम से उदारवादी नाराज हो सकते हैं क्योंकि इसे वे अपने साथियों द्वारा धोखे की तरह देख सकते हैं। आखिरकार केजरीवाल ने अपनी शुरुआत व्यवस्था-विरोधी एक्टिविस्ट के रूप में की थी और अक्सर उन्होंने वामपंथी झुकाव प्रदर्शित किया था। हालांकि, अराजकतावादी से हनुमान भक्त तक उन्होंने लंबी यात्रा की है। लेकिन जब कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह बिना गंभीर दर्शन के अच्छे इरादों के साथ राजनीति में प्रवेश करता है तो ऐसा होता है। इस प्रकार आम आदमी पार्टी-आप के पास वर्तमान समय में केवल 'खैरातों' की नीति है और वह बिना किसी जीवन्तता के जैसे किसी नदी में उतरा रही है।

बिजली सुधारों पर विपक्ष का विरोध

बिजली सुधार पीछे चले गए हैं। ऐसा लगता है कि केन्द्र ने इस क्षेत्र में सुधारों व प्रतियोगिता बढ़ाने के वादों पर जोर न देने का निर्णय किया है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं।)

बिजली संशोधन विधेयक, 2022 ने बिजली कानून, 2003 में संशोधनों का प्रस्ताव किया था जिसका घोषित लक्ष्य बिजली क्षेत्र में परिवर्तन था। इसे लोकसभा में 8 अगस्त, 2022 को पेश किया गया था। विपक्षी दलों की ओर से कठोर विरोध होने के कारण इसे एक स्थाई समिति को भेज दिया गया था। विपक्षी दल, खासकर राज्य सरकारों में सत्तारूढ़ दल मुख्यत: दो आधार पर संशोधनों का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि 1. इससे बिजली वितरण में अत्यधिक केन्द्रीकरण हो जाएगा, जबकि संविधान के अंतर्गत वितरण राज्य सरकारों तथा बिजली उत्पादन व पारेषण-जीएंडटी केन्द्र सरकार के क्षेत्र में आता है। 2. इससे राज्यों द्वारा किसानों को सब्सिडी देने की शक्ति प्रभावित होती है, हालांकि केन्द्रीय बिजली एवं नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने इस आरोप से इनकार किया है। विडंबना यह है कि विधेयक में प्रस्तावित संशोधन बिजली वितरण बिजनेस को लाइसेंस-मुक्त करने के कहीं आसपास नहीं हैं। इनका प्रस्ताव बिजली संशोधन प्रारूप य ईएबी, 2021 में किया गया था जिसका उद्देश्य प्रतियोगिता को बढ़ावा दे कर उपभोक्ता को सप्लायर चुनने या उसे 'खुली पहुंच' का अधिकार देना था।

यह समझने के लिए कि विधेयक एकदम सटीक क्यों नहीं था, हमें भारत में बिजली क्षेत्र की संरचना के बारे में कुछ मूलभूत तत्वों पर गौर करना चाहिए। वर्तमान व्यवस्थाओं में बिजली उत्पादन का अधिकांश हिस्सा सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों-पीएसयू, जैसे नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन-एनटीपीसी, आदि तथा स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों-आईपीपी के पास है। इसके साथ ही राज्य बिजली बोर्डों-एसईबी के जेनेरेटिंग स्टेशन भी हैं। उत्पादित बिजली को बिजली खरीद समझौतों-पीपीए के आधार पर विद्युत वितरण कंपनियां या डिस्काम खरीदती हैं जिनका स्वामित्व व नियंत्रण अधिकांशत: राज्य सरकारों के पास है। ये अधिकांश पीपीए 25 साल के दीर्घकालीन अनुबंध हैं।

केवल पांच प्रतिशत बिजली का व्यापार होता है। राज्य अवस्थापना के सर्वोच्च राजनीतिक आकाओं के निर्देश पर डिस्काम अपनी अधिकांश बिजली कुछ खास उपभोक्ताओं, जैसे गरीब परिवारों व किसानों को खरीद, पारेषण व वितरण पर आए खर्च के थोड़े से हिस्से पर या यहां तक कि मुफ्त सप्लाई करते हैं। इस प्रकार लक्षित समूहों को सप्लाई पर उनको भारी घाटा होता है। यह समग्र तकनीकी व वाणिज्यिक नुकसान-एटीएंडसी घाटे के कारण और बढ़ जाता है जिसे सरल भाषा में चोरी कहा जा सकता है। इस घाटे की कमी पूरी करने के लिए डिस्काम उद्योगों व बिजनेसों तथा गैर गरीब एचएच-एनपीएचएस को अधिक दर पर सप्लाई करते हैं। बिजली के एकमात्र सप्लायर होने के नाते इनके पास भुगतान करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं होता है। यह अलग बात है कि इस प्रकार सब्सिडी के हस्तांतरण के बावजूद डिस्काम को भारी घाटा उठाना पड़ता है।

ऐसे में डिस्काम को मजबूत करना जरूरी है क्योंकि उपभोक्ताओं को प्रतियोगिता व उसके परिणामस्वरूप लाभ दिलाना तभी संभव है, जब इस क्षेत्र में शामिल सभी पक्ष मजबूत हों। इसके लिए आवश्यक है कि डिस्काम को राज्य के नियंत्रण से मुक्त किया जाए तथा वे सभी उपभोक्ताओं के लिए दरें तय करने के मामले में स्वतंत्र हों जिनमें गरीब परिवार-एचएच व किसान शामिल हैं। उनके खर्च में खरीद, व्हीलिंग व वितरण तथा पीपीए पर लेनदेन शामिल होना चाहिए। दूसरा, राज्यों को डीबीटी का प्रयोग कर सब्सिडी सीधे लक्षित उपभोक्ताओं को देना चाहिए और इसके लिए डिस्काम का सहारा नहीं लेना चाहिए।

सवाल है कि क्या विधेयक इन उम्मीदों पर खरा उतरता है? हालांकि, 2003 के कानून में भी सप्लाई के क्षेत्र में अनेक वितरक लाइसेंस देने का प्राविधान शामिल था, पर इसके साथ शर्त थी कि लाइसेंसधारकों को अपने नेटवर्क के माध्यम से बिजली का वितरण करना होगा। इस कानून में 'खुली पहुंच' का भी प्राविधान था। लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। इसका कारण कानून का एक और प्राविधान था जिसके अनुसार ऐसे ग्राहकों को उस डिस्काम को 'खुली पहुंच सरचार्ज'-ओएएस देना था जिसे वे छोड़ना चाहते हों। सरचार्ज को उच्च स्तर पर रख कर राज्यों ने सुनिश्चित किया कि परिवर्तन के बाद बिजली की प्रभावी लागत डिस्काम को भुगतान किए जाने वाले मूल्य की तुलना में अधिक हो क्योंकि इसमें ओएएस के साथ नए सप्लायर द्वारा लिया जाने वाला टैरिफ भी शामिल होता।

इस कारण सप्लायर बदलना आर्थिक दृष्टिकोण से लाभदायक नहीं था। केन्द्र को यह निर्धारित करना था कि किसी खास क्षेत्र में सप्लाई का लाइसेंस किसे दिया जाए। लाइसेंस धारकों को तत्कालीन डिस्काम के पीपीए के साथ अतिरिक्त लागत के साथ बिजली सप्लाई करनी थी। इस अतिरिक्त आवश्यकता के लिए लाइसेंसी एक अतिरिक्त पीपीए कर सकता था, लेकिन यह वर्तमान पीपीए की आवश्यकतायें पूरी करने के बाद ही संभव था। इस अतिरिक्त बिजली का साझा अन्य डिस्काम के साथ नहीं किया जा सकता था। 2003 के कानून के अंतर्गत राज्य बिजली नियामक आयोग-एसईआरसी लाइसेंसी द्वारा लिए जाने वाले टैरिफ की अधिकतम सीमा तय करते हैं। 2022 के विधेयक के अनुसार एसईआरसी ऐसे मामलों में न्यूनतम टैरिफ भी निर्धारित करेंगे। प्रस्तावित व्यवस्था से चीजें बेहतर होने की उम्मीद नहीं है। बिजली वितरण को लाइसेंस मुक्त करने की बात दूर दूर तक नहीं है। इसके अलावा एक निजी उद्यम को केवल एक सहायक के रूप में शामिल करना था जो वर्तमान डिस्काम की सहायता करता और वह कोई विकल्प नहीं बन सकता है। इससे टैरिफ के मामले में दोनों प्रकार के डिस्काम एक प्रकार से जंजीरों में बंध जाते, जबकि अन्य चीजों का निर्धारण बिजली मंत्रालय के नौकरशाहों द्वारा किया जाता।

अतिरिक्त बिजली खरीदने के मामले में निजी फर्म को कुछ राहत मिल सकती है, जिसका उसे अन्य डिस्काम से साझा नहीं करना पड़ेगा। लेकिन यहां भी असली समस्या वर्तमान डिस्काम को उसका नेटवर्क प्रयोग करने पर भुगतान किए जाने वाले चार्ज को लेकर है। बिजली कानून, 2003 के आधार पर राज्यों द्वारा निर्धारित ओएएस की तरह इनको उच्च स्तर पर रखने से कीमतें कम रखना संभव नहीं हो सकता है। 2022 के विधेयक में राज्य सरकारों द्वारा क्रास-सब्सिडी बैलेंसिंग फंड-सीएसबीएफ बनाने का प्राविधान है। वितरण लाइसेंसी द्वारा क्रास-सब्सिडी के रूप में प्राप्त धनराशि को इस फंड में जमा करना था। इस फंड का प्रयोग उसकी क्षेत्र या किसी अन्य क्षेत्र में अन्य डिस्काम को घाटे की भरपाई के लिए किया जा सकता है। इससे स्पष्ट है कि न तो डिस्काम-लाइसेंसी द्वारा किसानों-पीपीएच को सस्ती बिजली देने से रोकने का कोई प्रयास है और न इससे उद्योग व बिजनेसों को अधिक दर पर मिलने वाली बिजली पर कोई विराम लग सकता है। इस विधेयक में एसईआरसी द्वारा न्यूनतम टैरिफ तय करने या मुफ्त बिजली देने के बजाय विशिष्ट समूहों से कुछ धनराशि प्राप्त करने का प्राविधान है।

लेकिन इसकी संभावना बहुत कम है। काफी पहले राज्य के मुख्यमंत्रियों ने प्रतिज्ञा की थी कि वे किसानों को 50 पैसे प्रति यूनिट बिजली देंगे, लेकिन दु:ख की बात है कि यह आज तक लागू नहीं हो सकी है। वास्तव में यह विधेयक यथास्थिति बनाए रखता है। राज्य स्वामित्व वाले या प्रायोजित डिस्काम के अलावा सप्लायर इससे प्रोत्साहित नहीं होंगे। यदि वे ऐसा करते भी हैं तो अनेक नियंत्रणों में जकड़ दिए जाएंगे। इससे एनपीएचएच होने के कारण उद्योगों व बिजनेसों के लिए कोई प्रतियोगिता नहीं होगी और उनको दरों में कोई राहत मिलने की संभावना नहीं है। इसके साथ ही डिस्काम के घाटे लगातार बढ़ते रहेंगे क्योंकि पीएचएच या किसानों की सब्सिडी पर लगाम लगाने की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके अलावा विधेयक में ऐसे अनेक प्राविधान हैं जिनके चलते केन्द्र सरकार लाइसेंसियों के चयन, टैरिफ निर्धारित करने, एसईआरसी के सदस्यों व बिजली अपीलेट ट्राइब्यूनल-एपटेल के सदस्यों की नियुक्ति में ज्यादा अधिकार प्राप्त कर लेगी।

ज्ञानवापी पर गहराता विवाद

बृजेंद्र सिंह पंवार
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

ज्ञानवापी मामले को अलग रखने के तर्क के रूप में पूजा स्थल अधिनियम, 1991 का हवाला देकर अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति की याचिका को खारिज करते हुए, वाराणसी जिला अदालत ने ज्ञानवापी केस की स्थिरता को बरकरार रखा और हिंदू देवताओं की दैनिक पूजा की मांग वाली याचिका पर सुनवाई जारी रखने का फैसला किया। इस मामले ने पहले ही राजनीतिक हलकों और बड़े पैमाने पर समाज में बेहद उत्तेजना और हलचल पैदा कर दी है। इसने धार्मिक समुदायों के बीच पूजा स्थलों को लेकर विवादों से संबंधित मुकदमों की बाढ़ के द्वार खोल दिए हैं और इसका दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। कई धर्मनिष्ठ हिंदू 'मध्यकालीन इतिहास' का हवाला देते हैं और महसूस करते हैं कि ऐतिहासिक गलतियों को हर हाल में पूर्ववत किया जाना चाहिए।

वे भाजपा के 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' का समर्थन करते हैं। विपक्षी दल भाजपा का विरोध करते हुए उस पर धर्मनिरपेक्ष साख का हनन का आरोप लगाते हैं और ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने के खिलाफ आवाज उठाते हैं। हालांकि, बहुसंख्यक समुदाय का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करता है कि हम धार्मिक मुद्दों को अतिरेक स्तर पर ले जा रहे हैं जो परम सद्भाव में रहने वाले शांतिपूर्ण समुदायों के बीच अनावश्यक संघर्ष और तनाव पैदा कर रहा है। पिछले साल, ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के भीतर देवताओं की पूजा करने के अपने अधिकार को लागू करने की मांग करते हुए पांच महिलाओं द्वारा एक दीवानी मुकदमा दायर किया गया था। अप्रैल में, दीवानी न्यायाधीश ने मस्जिद के एक वीडियो सर्वेक्षण की अनुमति दी जिसमें कहा गया था कि 'वजूखाना' में 'शिवलिंग' पाया गया। इसके कारण अंजुमन इंतेजामिया ने सुप्रीम कोर्ट में इस दलील पर एक मामला दायर किया कि यह कार्यवाही मस्जिद के धार्मिक चरित्र को बदलने का प्रयास है। पूजा-स्थल अधिनियम, 1991 कहता है किसी भी पूजास्थल के चरित्र को 15 अगस्त, 1947 के बाद की अवस्था से बदलने की अनुमति नहीं दी जाती है। 20 मई को, सर्वोच्च न्यायालय ने 'दीवानी मुकदमे में शामिल मुद्दे की जटिलता' को महसूस किया। और मामले को जिला न्यायाधीश को यह कहते हुए स्थानांतरित कर दिया कि जिला

न्यायाधीश द्वारा मामले के प्रारंभिक पहलुओं पर निर्णय लेने के बाद ही वह हस्तक्षेप करेगा। जिला न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि उन्हें ऐसा कोई कानून नहीं मिला जो याचिकाकर्ताओं को इस तरह का मुकदमा दायर करने से रोकता हो।

जैसा कि मस्जिद पक्ष ने दावा किया, कि मुकदमे को रोकने का तर्क तीन विशिष्ट कानूनों के तहत टिका हुआ है- पूजास्थल अधिनियम, 1991, वक्फ अधिनियम, 1995 और काशी विश्वनाथ मंदिर अधिनियम, 1983। पूजा स्थल अधिनियम, 1991 की धारा 4 के प्रावधान के अनुसार, किसी भी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र के रूपांतरण से संबंधित कोई भी मुकदमा, अपील या अन्य कार्यवाही (उस दिन) .... किसी भी अदालत, न्यायाधिकरण या अन्य प्राधिकरण के समक्ष लंबित है, यथास्थिति वही बरकरार रहेगी। ऐसे किसी भी मामले से संबंधित कोई मुकदमा, अपील या अन्य कार्यवाही किसी भी अदालत, न्यायाधिकरण या अन्य प्राधिकरण में नहीं होगी। मुस्लिम पक्ष ने तर्क दिया कि मस्जिद 600 से अधिक वर्षों से अस्तित्व में है और दिवानी मुकदमे की अनुमति देने से मस्जिद का चरित्र बदल जाएगा, जबकि हिंदू पक्ष का प्रतिवाद यह था कि 1993 तक, मस्जिद परिसर के अंदर और 1993 से नियमित प्रार्थना की जाती थी। हर साल एक तयशुदा दिन पर प्रार्थना की अनुमति थी। वाराणसी कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि पूजा स्थल अधिनियम दीवानी मुकदमे पर रोक नहीं लगाता है।

वक्फ अधिनियम, 1995 की धारा 85 का हवाला देते हुए मुस्लिम पक्ष ने तर्क दिया कि केवल वक्फट्रिब्यूनल, लखनऊ ही इस मुकदमे का फैसला कर सकता है। उन्होंने प्रस्तुत किया कि वाराणसी गजट कहता है कि मस्जिद वक्फ भूमि पर बनी है और इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने माना है कि भूमि का उपयोग प्राचीन काल से मस्जिद या मुस्लिम दफ्न के लिए किया जा रहा है और इसे वक्फसंपत्ति के रूप में माना जाएगा। लेकिन, अदालत ने दलीलों को खारिज कर दिया और फैसला किया कि वक्फ अधिनियम द्वारा मुकदमा वर्जित नहीं है। मुस्लिम पक्ष द्वारा काशी विश्वनाथ मंदिर अधिनियम, 1983 की एक अन्य दलील दी गई , जिसमें कहा गया है कि 'मंदिर की भूमि' का सीमांकन किया गया था और कानून के तहत नियुक्त न्यासी बोर्ड ने मामले में हस्तक्षेप नहीं किया था। अदालत ने अधिनियम की धारा 4 (9) का हवाला दिया, जो 'मंदिर' को परिभाषित करता है कि यह मस्जिद परिसर को प्रतिबंधित नहीं करता है।

हालांकि अदालत में कानूनी लड़ाई जारी रहेगी, मगर यह स्पष्ट है कि मामले की जड़ राजनीति में है न कि कानून में। हालांकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने कई मौकों पर इस बात पर जोर दिया था कि संघ ऐतिहासिक कारणों से राम जन्मभूमि आंदोलन में शामिल हुआ था और अब यह किसी मस्जिद को मंदिर में बदलने की किसी अन्य मांग से नहीं जुड़ेगा, इससे यह स्पष्ट है कि संभवत: हिंदू दावा काशी और मथुरा में मस्जिदों के लिए अदालत में और सड़क पर भाजपा और संघ परिवार के अन्य संगठनों के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2019 के अयोध्या रामजन्मभूमि आदेश में पूजा स्थल अधिनियम को 'भारतीय राजनीति की धर्मनिरपेक्ष विशेषताओं की रक्षा के लिए बनाये गये एक वैध साधन' के रूप में वर्णित किया, इस दृष्टिकोण के मुताबिक, हमें एक ऐसे ढंग से काम करने की आवश्यकता है जिसके माध्यम से बहुसंख्यक समुदाय इस बारे में अल्पसंख्यकों को आश्वस्त करें कि उनके अन्य पूजा स्थलों की पवित्रता बनाए रखी जाएगी ताकि देश में व्यापक स्तर पर आपसी विश्वास का वातावरण बनाए रखने में सफलता प्राप्त हो सके।

आप की बात

मोदी के मुकाबले कौन

आज प्रादेशिक स्तर की विपक्षी पार्टियां अगले 2024 के चुनाव में देश में एक विपक्षी मोर्चा बनाकर लोकसभा का चुनाव लड़ना चाहती है परंतु प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार अभी तक तय नहीं है। कारण सबका अपना अपना एजेंडा है अपनी अपनी महत्वाकांक्षाएं है। आज ममता. माया का सपना अलग है तो केसीआर और नीतीश का अपना अलग सपना है इसी तरह अखिलेश और केजरीवाल की अपनी उड़ान है। अनुभवी शरद पवार का अपना अलग महत्व है और वरिष्ठता के आधार पर उनकी भी एक उपयोगिता है। राहुल गांधी की भी अपनी लोकप्रियता है। अत: यह सब कुछ देखते हुए हमें भी आज के समय में सारे विपक्षियों की एकता काफी कठिन काम लग रही है । भाजपा आज एक ऐसी सत्ता जिताऊ पार्टी बन चुकी है जिसके आगे पीछे ऊपर नीचे कोई भी विपक्षी टिक नहीं पा रहा है। नरेंद्र मोदी आज प्रधानमंत्री के रूप में देश में सर्वमान्य नाम है। आज हर जाति समाज में आपको नरेंद्र मोदी के प्रशंसक मिल जाएंगे । अत: अगले 24 के आम चुनाव में नरेन्द्र मोदी के चेहरे के आगे कोई और अन्य चेहरा नहीं टिक पाएगा। सवाल है कि मोदी के मुकाबले कौन?

मनमोहन राजावत, शाजापुर

कांग्रेस का दोमुंहापन

कांग्रेस केंद्र सरकार पर अडानी अंबानी को औद्योगिक लाभ पहुंचाने का आरोप लगाती रही है, मगर अब जब खुद राजस्थान सरकार ही ने अडानी को सिर आंखों पर बैठा कर साथ 60 लाख करोड़ का निवेश करार किया है! उद्योगपति गौतम अडानी के राजस्थान में निवेश के फैसले पर राहुल गांधी ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उद्योगपति अडानी के राजस्थान में निवेश करने या गहलोत सरकार के उसका स्वागत करने में कुछ भी गलत नहीं है। ऐसे में सवाल है कि बीजेपी सरकार किसी उद्योगपति से कहीं निवेश कराती है तो वह गलत और कांग्रेस सरकार कराती है तो वह सही कैसे हो सकता है। मीठा-मीठा गप और कड़वा कड़वा थू थू वाली मतलबी नीति सामने आ रही है। इसे देखते हुए अब देश के राजनेताओं को बिना मतलब दोषारोपण नहीं करना चाहिए। जो बड़े उद्योग सरकारी भारी घाटे में चल रहे हैं, उन्हें अच्छे मूल्य पर बेचना और प्राइवेट कंपनी द्वारा उन्हें मुनाफे में चलाना स्वागत योग्य कदम है। इस प्रकरण से कांग्रेस का दोमुंहापन उजागर हो गया है।

सुभाष बुड़ावनवाला, रतलाम

स्वागत योग्य फैसला

भारतीय न्यायपालिका ने अविवाहित महिलाओं को 24 सप्ताह तक गर्भपात का अधिकार देकर महिला- समानता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। महिलाओं को अब वैवाहिक बलात्कार की अवधारणा मानकर जबरन गर्भधारण से इंकार करने का अधिकार होगा। अदालत को उम्मीद है कि पोक्सो और गर्भपात से संबंधित कानून का सामंजस्यपूर्ण रूप से उपयोग किया जाना चाहिए। पॉक्सो कानून के अंतर्गत नाबालिग लड़कियों की पहचान गोपनीय और सुरक्षित रखी जानी चाहिए। अधिनियम 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के बीच संभोग को अपराध मानता है, लेकिन यौन शिक्षा के बारे में देश में अत्यधिक उदासीनता और प्रजनन क्षमता के बारे में नाबालिगों की अज्ञानता या गर्भावस्था को रोकने के विभिन्न तरीकों के कारण उन्हें अब गर्भपात संबंधी चिकित्सा सहायता प्राप्त करने में किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। अविवाहित और नाबालिग महिलाओं के मामले में भारतीय न्यायपालिका द्वारा उठाया गया यह एक बहुत ही सकारात्मक कदम है।

दत्तप्रसाद शिरोडकर, मुंबई

**पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।**

फरमाया

लालू जी का नवीं पास बेटा मुख्यमंत्री बनना चाहता है। आपका इतना पढ़ा बेटा चपरासी की नौकरी की उम्मीद भी नहीं कर सकता है।

– **प्रशांत किशोर**
चुनाव रणनीतिकार

भाजपा बिहार में षडयंत्रकारियों पर निर्भर है। पहले उसने आरसीपी सिंह का प्रयोग किया और अब प्रशांत किशोर का प्रयोग कर रही है।

– **राजीव रंजन सिंह**
जदयू नेता

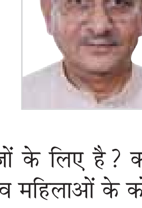

क्या मानवता केवल पत्थरबाजों के लिए है? क्या उनके पत्थरों के शिकार बच्चों व महिलाओं के कोई मानवाधिकार नहीं हैं?

– **हर्ष संघवी**
गुजरात के मंत्री

योगी ने डेनमार्क के निवेशकों को किया आमंत्रित

● मुख्यमंत्री से मिले डेनमार्क के राजदूत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आज यहां उनके सरकारी आवास पर भारत में डेनमार्क के राजदूत फ्रेडी स्वैन ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर डेनमार्क और भारत, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के मध्य सम्बन्धों को और सुदृढ़ करने के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और डेनमार्क के प्रगाढ़ सम्बन्ध हैं। डेनमार्क के निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए उन्होंने कहा कि यहां निवेश की असीमित सम्भावनाएं मौजूद हैं। राज्य सरकार द्वारा निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 25 नीतियां निर्धारित की गई हैं। इनके अनुरूप निवेशकों को अनेक सुविधाएं और प्रोत्साहन प्रदान किए जा रहे हैं। प्रदेश में विदेशों से निवेश को आकर्षित करने के लिए सकारात्मक माहौल स्थापित किया गया है। डेनमार्क के उद्यमियों का प्रदेश में निवेश सुरक्षित और लाभप्रद रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार वर्ष 2023 में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन की तैयारी कर रही है। डेनमार्क के उद्यमियों के लिए यह एक अच्छा अवसर होगा। भारत और डेनमार्क के आर्थिक संबंधों को और सुदृढ़ करने की दृष्टि से यह आयोजन महत्वपूर्ण होगा। डेनमार्क के राजदूत ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सृजित निवेशपरक माहौल की सराहना की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश की उपलब्धियों के लिए मुख्यमंत्री जी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में डेनमार्क की सक्रिय भागीदारी रहेगी। उन्होंने वाराणसी एवं अन्य जनपदों में 'नमामि गंगे परियोजना' से डेनमार्क के जुड़ने की इच्छा जतायी। राजदूत स्वैन ने कहा कि डेयरी उद्योग के क्षेत्र में डेनमार्क का व्यापक अनुभव है। उनका देश इस सेक्टर में अपने अनुभव का लाभ उत्तर प्रदेश के साथ साझा करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि मेडिकल डिवाइस के निर्माण में डेनमार्क की कम्पनियों का काफी अनुभव है। उन्होंने प्रदेश में विकसित किए जा रहे मेडिकल डिवाइस पार्क में डेनमार्क के सहयोग की पेशकश की। उन्होंने कृषि से सम्बन्धित क्षेत्र में डेनमार्क तथा प्रदेश के बीच अधिक सहयोग पर बल दिया। वहीं डेनमार्क के राजदूत फ्रेडी स्वेन की अध्यक्षता में आये प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव से भी भेंट की।

उद्यान अधिकारी से नगद मूल्य पर आलू का बीज प्राप्त कर सकते हैं किसानः दिनेश प्रताप

लखनऊ। उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार ने किसानों एवं आलू उत्पादकों के हितों को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2022-23 के लिए आलू बीज वितरण व विक्रय की दरें निर्धारित कर दी है। उद्यान मंत्री ने बताया कि प्रदेश के किसान अपने जनपद के उद्यान अधिकारी से मिलकर सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर आलू बीज प्राप्त कर अपनी निजी प्रक्षेत्रों पर बीज उत्पादन कर सकते हैं। वर्ष 2022-23 हेतु आलू बीज की आधारित प्रथम श्रेणी के लिए 3475 रुपए आधारित द्वितीय श्रेणी के लिए 2535 रुपए ओवर साइज (आधारित प्रथम) श्रेणी के लिए 2575 रुपए तथा ओवर साइज (आधारित द्वितीय) श्रेणी के लिए 2515 रूपये प्रति कुन्तल की दरें निर्धारित की गयी हैं।

भूजल परीक्षण से जुड़े उल्लेखनीय कार्य को प्रस्तुतिकरण में दर्शाएं

● समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने किया बुन्देली-व्यंजन सहित संचारिका का लोकार्पण

● राज्यपाल ने बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय के नैक हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को राजभवन स्थित प्रज्ञाकक्ष में बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी के नैक हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विनय मौर्य ने बैठक में राज्यपाल को जानकारी दी कि विश्वविद्यालय इससे पूर्व वर्ष 2004 में नैक का बी ग्रेड, वर्ष 2011 में बी ग्रेड तथा वर्ष 2017 में बी ग्रेड प्राप्त कर चुका है और अब चौथी बार मूल्यांकन के लिए अपनी सेल्फ स्टडी रिपोर्ट दाखिल करने की तैयारी कर रहा है।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा नैक मूल्यांकन की तैयारियों के लिए गठित कमेटी के सदस्यों से सभी सातों मूल्यांकन क्राइटेरिया पर बिन्दुवार जानकारी ली। उन्होंने कुलपति के प्रस्तुतिकरण को विजन मिशन से सम्बद्ध रखने को कहा। उन्होंने कहा कि चर्चा का प्रत्येक बिन्दु व्यापक विवरण से सुसम्बद्ध रहे, जिससे पियर टीम भ्रमण के दौरान सप्रमाण प्रस्तुतिकरण किया जा सके। उन्होंने हाइपर लिंक्स से सम्बद्ध सभी फोटोग्राफ्स को विवरणात्मक कैप्शन से संयुक्त करने का निर्देश दिया। चर्चा के क्रम में राज्यपाल ने कहा कि प्रोफेशनल कोर्सेज के रोजगार प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या का उल्लेख भी प्रस्तुतिकरण में जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट, जिनमें खाद्य सामग्री, व्यंजन आदि का निर्माण हो रहा है, उसमें निर्मित खाद्य पदार्थों को ग्रामीण क्षेत्रों के कुपोषित बच्चों में वितरित करने की व्यवस्था बनाई जाए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि में विद्यार्थियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करने और उनकी सक्रीय भागीदारी प्रदर्शित करने वाले फोटोग्राफ ही प्रस्तुतिकरण से सम्बद्ध करने को कहा। विश्वविद्यालय द्वारा झांसी सहित निकटतम पांच जनपदों में भूजल परीक्षण पर किए गए विशेष और उल्लेखनीय कार्य को राज्यपाल ने सुदृढ़ और विस्तृत लेख के साथ प्रस्तुतिकरण में दर्शाने को कहा। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित भूजल रिसर्च एप को उन्होंने जनोपयोगी बनाने की दृष्टि से व्यावसायिक प्रयोग का सुझाव दिया।

राज्यपाल ने क्राइटेरिया 6 में टीम सदस्यों को बढ़ाये जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। बैठक में राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा सम्पादित 75 व्यंजन की विधि वर्णन वाली पत्रिका बुंदेली व्यंजन तथा हाल ही से प्रकाशित की जा रही मासिक पत्रिका संचारिका का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर बैठक में प्रमुख सचिव राज्यपाल कल्पना अवस्थी, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा विश्वविद्यालय द्वारा नैक तैयारी के लिए गठित टीम के सदस्य तथा अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

सवेरा योजना में बुजुर्गों के पंजीकरण के लिए यूपी-112 ने शुरू किया अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी पुलिस की महत्वपूर्ण इकाई यूपी-112 की सवेरा योजना बुजुर्गों की जिंदगी में तेजी से उजाला ला रही है। सवेरा योजना में बुजुर्गों का पंजीकरण ज्यादा से ज्यादा हो सके इसके लिए यूपी-112 ने अभियान शुरू किया है। प्रदेश के समस्त वरिष्ठ नागरिक अपने निकटतम थाने पर जाकर अथवा यूपी-112 पर कॉल करके अपना रजिस्ट्रेश करवा सकते हैं। डीजीपी डीएस चौहान ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार बुजुर्गों की सेवा व सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में यूपी-112 द्वारा सवेरा योजना को बुजुर्गों तक पहंचाने के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया है। विशेष अभियान 15 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इस दौरान प्रदेश के सभी थानों पर बुजुर्गों का पंजीकरण किया जा रहा है। अभियान की निगरानी स्वयं डीजीपी और एडीजी यूपी-112 द्वारा की जा रही है। एक बार पंजीकरण हो जाने के बाद किसी प्रकार की भी समस्या आने पर बुजुर्ग द्वारा कॉल करने पर यूपी-112 द्वारा बेहतर व तेज सेवा प्रदान की जाएगी। संबंधित क्षेत्र के बीट पुलिस कर्मी अथवा पीआरवी कर्मी तत्काल मौके पर पहुंचकर बुजुर्ग की समस्या का निराकरण करेंगे। साथ ही पुलिस कर्मी समस्या के निराकरण के लिए बुजुर्ग से नियमित भेंट करेंगे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सवेरा योजना में अब तक साढ़े सात लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों/ बुजुर्गों ने इस योजना में अपना रजिस्ट्रेशन करा रखा है। वैश्विक महामारी कोविड के दौरान बुजुर्गों ने दवा, एम्बुलेंस, राशन इत्यादि की समस्या होने पर इस सेवा का लाभ भी प्राप्त किया।

ऐसे फैसले लें जो देश की अखंडता व एकता में रुकावट न बनें

● मुख्य सचिव से आईएएस व आईएफएस बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की शिष्टाचार भेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र से आईएएस 2021 बैच एवं आईएफएस 2018 व 2019 बैच के 23 प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों का परिचय प्राप्त किया। ज्यादातर प्रशिक्षु अधिकारी इंजीनियरिंग स्ट्रीम से थे। परिचय प्राप्त करने के उपरान्त मुख्य सचिव ने कहा कि इंजीनियर समाधान खोजक होता है। किसी भी कठिन परिस्थिति में एक इंजीनियर उस चीज का समाधान निकाल लेता है।

उन्होंने सिविल सर्विस और इंजीनियर के अंतर के बारे में बताते हुए कहा कि एक इंजीनियर मशीन बेस्ड सॉल्यूशन है और सिविल सर्विस अधिकारी ह्यूमन बेस्ड सॉल्यूशन होता है। उन्होंने कहा कि अपने फैसलों में यह जरुर देखना चाहिए कि वह देश की एकता और अखंडता में कहीं रुकावट तो पैदा नहीं करेगा। इसके अतिरिक्त सेवा के दौरान जन सामान्य के जीवन में बदलाव लाने व सुगमता का लाने का प्रयास करना चाहिये। सरकार से मिलने वाले लाभों के लिए उन्हें जद्दोजहद न करनी पड़े, इसके लिए सकारात्मक वातावरण बनाना व्यवस्था की जिम्मेदारी है।

उन्होंने अपने पिता से ली गई सीख का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर कुछ देना हो तो दिल खोलकर देनाए अगर किसी का नुकसान करना हो तो सोच समझकर करना। अगर किसी को दंडित करना हो निर्भय होकर दंडित करना। बैठक में उपाम के महानिदेशक एल वेंकटेश्वर लू, निदेशक नीना शर्मा, अपर निदेशक महेन्द्र वर्मा, उपनिदेशक पूर्णिमा सिंह समेत अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

सीएस ने किया मुख्यमंत्री फेलोशिप के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने बख्शी का तालाब स्थित दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान में मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित हुए 77 अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी पिछड़े ब्लॉकों के विकास के लिए कार्य करने जा रहे है, नई ऊर्जा के साथ काम करना है, कई चुनौतियां सामने आयेंगी, उनका डटकर सामना करना है। सभी के पास अलग-अलग अनुभव है, उस अनुभव को आपस में चर्चा करें, चर्चा से नई सोच निकलकर आएगी जो आपके संकल्प को पूरा करने में सहायता करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का संकल्प है पूरा देश विकसित हो। हर एक क्षेत्र के

समावेशी विकास के बिना पूरा देश विकसित नहीं होगा। हर एक पैरामीटर के पीछे विचार, शोध और अनुसंधान है। आज नई टेक्नोलॉजी के तहत जिओ रिफ्रेंस और जिओ टैग किया जा रहा है। आने वाले दिनों में जिओ रिफ्रेंस और जिओ टैग का कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। प्रदेश में हर एक खेत का खुद का नक्शा होगाए उस नक्शे को आप घर बैठे देख सकते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के युवाओं को सरकार के साथ नीति, प्रबन्धन, क्रियान्वयन एवं पर्यवेक्षण के कार्यों में सहभागिता का विशिष्ट अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित अभ्यर्थी जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के अधीन काम करेंगे। उनके द्वारा प्रदेश के 100 आकांक्षात्मक विकास खंडों में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का समवर्ती मूल्यांकन किया जाएगा। यही नहीं शोधार्थियों द्वारा योजनाओं के संचालन में आ रही चुनौतियों के निराकरण तथा योजनाओं से जनमानस को अपेक्षित लाभ पहुंचाने के लिए सुझाव भी लिए जायेंगे।

हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर में अपग्रेड होंगे 2774 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

● रोगी कल्याण समितियों सहित पीएचसी को कुल 58 करोड़ से उपर का बजट जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत सरकार ने वर्ष 2022-23 तक 2774 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर में उच्चीकृत किये जाने हेतु अनुमोदन दे दिया है। साथ ही प्रदेश के सभी जनपदों के चिकित्सा इकाइयों का कुल 58 करोड़ 11 लाख 25 हजार रूपये प्रथम किश्त के रूप में जारी किया गया है। यह धनराशि जिला स्वास्थ्य समिति के अनुमोदनोपरान्त जनपद स्तर से सम्बन्धित रोगी कल्याण समिति एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द, जो हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर में उच्चीकृत किये जा चुके हैं, के जन आरोग्य समिति के खाते में सीधे आंवटित की जायेगी।

एनएचएम की निदेशक अपर्णा यू ने बताया कि प्रदेश के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं उपकेन्द्रों को चरणबद्ध रूप से हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर में उच्चीकृत किया जा रहा है। इन हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टरों पर सरकार द्वारा जारी समुचित चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के न्यूनतम मानकों तथा उपचार के निर्धारित मानकों की उपलब्धता प्रदान की जा रही सेवाओं में समाजिक उत्तरदायित्वों को सुनिश्चित करने, शिकायतों का निस्तारण एवं चिकित्सा इकाई को प्रदान की जाने वाली असम्बद्ध धनराशि का वित्तीय प्रबन्धन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जन आरोग्य समितियों का गठन किया गया है। जिन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर में उच्चीकृत किया जा चुका है, उन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों हेतु आवंटित की जाने वाली असम्बद्ध धनराशि को, चिकित्सा इकाई पर राज्य स्तर से खोले गये जन आरोग्य समिति के जेडबीएसए बैंक खाता में आवंटित किया जायेगा। जिन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर में उच्चीकृत नहीं किया गया है। उन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में, पूर्व की भाँति अन्टाईड फण्ड का उपयोग सम्बन्धित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्लाक स्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जेडबीएसए बैंक खाता के माध्यम से किया जायेगा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों हेतु व्यय की जाने वाली असम्बद्ध धनराशि का अंकन सम्बन्धित सामुदायिक ब्लाक स्तरीय रोगी कल्याण समिति पंजिका में किया जायेगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रदेश के जनपद स्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्लाक स्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तरीय चिकित्सालयों में गठित रोगी कल्याण समितियों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को आवंटित असम्बद्ध धनराशि के तहत प्रथम किश्त के रूप में जनपद स्तरीय चिकित्सा इकाई कुल 150 इकाईयों हेतु 7.5 करोड़ रुपए, 2.50 लाख रुपए प्रति सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द/ब्लॉक स्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुल 1027 केन्द्रों पर गठित रोगी कल्याण समितियों हेतु कुल 25 करोड़ 67 लाख 50 हजार रूपये आवंटित किए गए है।

प्रदेश में बनेगा स्पोर्ट्स किट बैंक, जल्द जारी होगी खेल नीति

● आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए राज्य सरकार की एक अनूठी पहल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आर्थिक रूप से कमजोर और खेल प्रतिभा के धनी बच्चों को खेल किट उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार 'स्पोर्ट्स किट बैंक' बनाने एक अनूठी पहल करने जा रही है। इस कार्य में सिडबी का सहयोग भी मिलेगा। साथ-साथ गरीब बच्चों को उद्यतन खेल उपकरण व किट उपलब्ध कराने में जनसामन्य से भी सहयोग लिया जायेगा। यह जानकारी अपर मुख्य सचिव, खेल विभाग डॉ. नवनीत सहगल ने बापू भवन स्थित कार्यालय में सोमवार को सिड्बी के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान दी। इस मौके पर 'स्पोर्ट्स किट बैंक' बनाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। अपर मुख्य सचिव, खेल विभाग डॉ. नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदेश सरकार शीघ्र ही खेल नीति जारी करेगी। डॉ. नवनीत सहगल ने बताया कि वह बच्चें जो खेलने के इच्छुक हैं और उनकी आर्थिक स्थिति

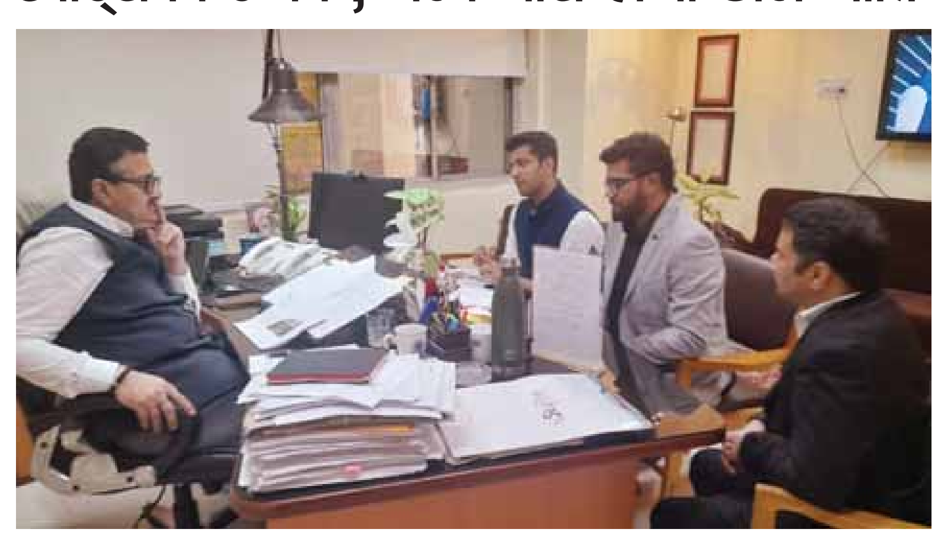

ऐसी नहीं है कि वे अच्छी क्वालिटी के खेल किट व उपकरण खरीद सकें। उन गरीब बच्चों के लिए 'स्पोर्ट्स किट बैंक' बनाने की योजना है। इस बैंक के माध्यम से गरीब बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार खेल किट उपलब्ध कराई जायेगी। इस कार्य में आमजन का सहयोग भी अपेक्षित होगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में बहुत सारे खेल प्रेमी हैं, जो उत्तर प्रदेश से खेल प्रतिभाओं को आगे ब ?ने में सहयोग देने चाहते है, इस प्लेटफार्म पर वह सीधे बच्चों के लिए खेल किट हेतु सहयोग दे सकेंगे। 'स्पोर्ट्स किट बैंक' के बनने इच्छुक व्यक्ति अपने स्वेच्छा के अनुसार बच्चों के खेल किट के लिए सहयोग कर सकेंगे।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में खेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों से लेकर सुदूर ग्रामीण अंचलों तक खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कराया जा रहा है। प्रत्येक गांव में खिलाड़ियों के लिए खेल का मैदान तैयार कराया जायेगा। एक जिला-एक खेल के योजना के अंतर्गत जिले में प्रसिद्ध खेल के लिए सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। गांव, ब्लाक, नगर, जनपद एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जायेगा। शीघ्र ही नई खेल नीति जारी की जायेगी। इसमें खेल सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए तमाम प्रकार के प्राविधान किये गये है।

विकास कार्यों में तेजी लाएंः मंडलायुक्त

लखनऊ। शहर में कराये जा रहे विकास कार्यों पर मंडलायुक्त द्वारा टेंडर की प्रक्रिया व विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये गए। उन्होंने कहा कि टेंडर के तकनीकि मूल्यांकन आदि का कार्य समयबद्ध तरीके से करायी जाये। बैठक में उपाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा उनके समक्ष समस्त कार्यों की प्रगति के सम्बंध में रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। ग्रीन कॉरिडोर प्रोजेक्ट का एलाइनमेंट के बारे में संबंधित अधिकारी ने मंडलायुक्त को जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा कार्यों को प्रस्तावित समय तक पूर्ण करा लिया जाए। एलडीए की अध्यक्ष एवं मण्डलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में प्राधिकरण द्वारा शहर में कराये जा रहे विकास कार्यों के सम्बंध में लखनऊ विकास प्राधिकरण में स्थिति मसऊद हाल में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने टेंडर की प्रक्रिया व विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि टेंडर के तकनीकि मूल्यांकन आदि का कार्य समयबद्ध तरीके से निष्पादित किया जाये। बैठक में उपाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा उनके समक्ष समस्त कार्यों की प्रगति के सम्बंध में रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। ग्रीन कॉरिडोर प्रोजेक्ट का एलाइनमेंट के बारे में संबंधित अधिकारी ने मंडलायुक्त को जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा कार्यों को प्रस्तावित समय तक पूर्ण करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि प्लानिंग और इंजीनियरिंग के कार्यों को सही से सम्पादित कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी सम्पित्तयों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराया जाए।

एटीएस ने गिरफ्तार किए अलकायदा व बांग्लादेशी संगठन जेएमबी के आठ आतंकी

गजवा-ए-हिंद के उद्देश्य को पूरा करने के लिए भारत में बढ़ा रहे थे नेटवर्क

● कट्टरपंथी विचारधारा वालों को जोड़कर जकात के नाम पर जुटा रहे थे टेरर फंड

● आतंकवादियों के कब्जे से जिहादी किताबें, आतंकी कन्टेन्ट से भरी पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी एटीएस ने अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी संगठन अलकायदा और उसके सहयोगी बांग्लादेशी संगठन जमात-उल-मुजाहिद्दीन बांग्लादेश (जेएमबी) के आठ आतंकियों को गिरफ्तार किया है। मजबूत इनपुट के आधार पर पिछले तीन दिनों से चलाए जा रहे अभियान के तहत एटीएस ने इन आतंकियों को यूपी के सहारनपुर, भारत नेपाल बार्डर और उत्तराखंड के हरिद्वार से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। एटीएस के मुताबिक दोनों संगठन गजवा-ए-हिन्द के उद्देश्य को पूरा करने के लिए अपने नेटवर्क का विस्तार करने में जुटे थे।

एटीएस को सूचना मिली थी कि अलकायदा के इंडियन सब कांटिनेंट या अलकायदा बर्र-ए-सगीर तथा सहयोगी आंतकी संगठन जेएमबी मिलकर पिछले कुछ वर्षों से भारतीय उपमहाद्वीप विशेष रूप से भारत एवं बांग्लादेशद्ध में गजवा-ए-हिन्द का सपना बुन रहे हैं। इसके लिए वे भारत में अवैध घुसपैठ कर सबसे पहले सीमावर्ती राज्यों पश्चिम बंगाल व असोम में कट्टरपंथी विचारधारा वाले व्यक्तियों को जोड़कर वहं के मदरसों में अपनी जड़ें मजूबत कर रहे हैं। साथ ही वे यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश व उत्तराखंड में कट्टरपंथी विचारधारा वालों के सहयोग से जकात के नाम पर टेरर फंड जुटाने में लगे हैं। इन संगठनों के आतंकी पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए कुछ खास मोबाइल एप इस्तेमाल करते हैं और नए लोगों को इस एप और बातचीत करने के कोड का प्रशिक्षण देते हैं। पूर्व में इस माड्यूल से जुड़े शीर्ष के चार बांग्लादेशी आतंकियों और उनके भारतीय साथियों अब्दुल्ला तलहा, अहसान, मुफ क्किर व अकील अहमद शेख को एटीएस ने गिरफ्तार किया था। जिनसे हुई पूछताछ में आज गिरफ्तार किए गए आतंकियों के बारे में इनपुट मिला था। जिसके बाद एटीएस ने अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर इनकी तलाश में अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान एटीएस ने लुकमान, शहजाद, कारी मुख्तार, मुदस्सिर, कामिल, अलीनूर, नवाजिश अंसारी और मोहम्मद अलीम को गिरफ्तार किया। एटीएस के अनुसार सहारनपुर के गागलहेड़ी निवासी लुकमान को अलीम निवासी गागलहेड़ी ने अहसान (बांग्लादेशी) व मुफक्किर (बांग्लादेशी) से मिलवाया। जिन्होंने लुकमान को अपने आतंकी संगठन से जोड़ा और उसके मदरसे दारे अरकम, सैय्यद मजरा गागलहेड़ी में अपना ठिकाना बनाया । लुकमान ने आतंकी अब्दुल तल्हा (बांग्लादेशी) को अपने यहां 11 माह शरण दी तथा मदरसा शिक्षक के रूप में पैसा (टेरर फंड) दिया। लुकमान से चार जिहादी किताबें आतंकी कन्टेन्ट से भरी एक अदद पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड और दो मोबाइल बरामद हुए। दूसरा आतंकी शहजाद निवासी नंगला नाई, नवीन, थाना झिंझाना, शामली पूर्व में शामली बम कांड (सितम्बर 2021) में बम बनाने के आरोप में गिरफ्तार हुआ था। यह अहसान (बांग्लादेशी), लुकमान व कारी मुख्तार के साथ भोपाल स्थित ठिकाने पर छिप कर रहा था। उसके पास से भी एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। तीसरे आतंकी कारी मुख्तार निवासी मनोहरपुर, जिला सहारनपुर अहसान, मुफ क्किर, लुकमान, अलीम व शहजाद का आतंकी साथी हैं। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। चौथे आतंकी मुदस्सिर निवासी नगला इमरती, जिला हरिद्वार, उत्तराखण्ड को कामिल व अलीनूर (बांग्लादेशी) के साथ रूपैडीहा (नेपाल बॉर्डर) से गिरफ्तार किया गया। मुदस्सिर ने तल्हा (बांग्लादेशी) व अलीनूर (बांग्लादेशी) को सलेमपुर, हरिद्वार में शरण दी। तल्हा ने मुदस्सिर को आतंकी कामों के लिए 80 हजार रुपए दिए। मुदस्सिर के पास से दो मोबाइल फोन और एक पेन ड्राइवर बरामद हुई। पांचवे आतंकी कामिल निवासी ग्राम जाहीरपुर थाना देवबंद सहारनपुर, हाल पता दादोपुर, सलेमपुर थाना रानीपुर, जिला हरिद्वार को मुदस्सिर के साथ गिरफ्तार किया गया। इसने अलीनूर (बांग्लादेशी) व तल्हा (बांग्लादेशी) को सलेमपुर में किराये का घर दिलाते हुए शरण दी। इसके एकाउन्ट में अब्दुल्ला तल्हा (बांग्लादेशी) ने टेरर फंडिंग के लिए 2 लाख 50 हजार रुपए मंगवाए थे। इसके बाद से भी दो मोबाइल फोन बरामद हुए। छठे आतंकी अलीनूर (बांग्लादेशी) उर्फ जहांगीर मंडल उर्फ इनामुलहक (भारत में छद्म नाम) को मुदस्सिर व कामिल के साथ गिरफ्तार किया गया। यह पहले बांग्लादेशी आतंकियों के साथ पानखीउड़ा मदरसे, ग्वालपाड़ा, असम में शिक्षक के रूप में रहा। बाद में यह आतंकी तल्हा (बांग्लादेशी) मुदस्सिर व कामिल की मदद से सलेमपुर (हरिद्वारद्ध में छिप कर रह रहा था। सातवें आतंकी नवाजिश अंसारी निवासी गिरिडी (झारखण्ड) को सहारनपुर से गिरफ्तार किया गया। नवाजिश को अकील शेख (एनआईए भोपाल द्वारा पूर्व से गिरफ्तार) ने आतंकी तंजीम का सक्रिय सदस्य बनाया। इसके पास से एक पेन ड्राइव बरामद हुआ है। आठवें आतंकी मोहम्मद अलीम निवासी कैलाशपुर थाना गागलहेडी, जनपद सहारनपुर को अहसान (बांग्लादेशी) ने आतंकी तंजीम का सूि्रय सदस्य बनाया। अलीम ने आतंकी अहसान (बांग्लादेशी) को लुकमान, शहजाद व कारी मुख्तार से मिलवाया।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 11 अक्टूबर, 2022

सीतापुर में बाढ़ हुई भयानक, डेढ़ सौ गांव चपेट में

संवाददाता। सीतापुर

बेमौसम लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और बैराजों से छोड़े जा रहे लाखों क्यूसेक पानी से सीतापुर में नदियां खतरे के निषान को पार कर 60 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है जिससे सीतापुर में बाढ़ की स्थिति विकराल होती जा रही है। तीन तहसीलों बिसवां, महमूदाबाद और लहरपुर इलाकों में डेढ़ सौ के करीब गांव अब तक बाढ़ की चपेट में आ चुके है। यहां पानी लगातार बढ़ता जा रहा है, घरों और झोपड़ियों में पानी भर जाने से हजारों की संख्या में लोगो को सुरक्षित स्थानों पर षरण लेना पड़ा है, काफी संख्या में बाढ़ पीड़ितों को प्रषासन ने भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, फिर भी बहुत से बाढ़ पीड़ित अपने घरों को अभी भी नहीं छोड़े है। घरों में तो पानी भरा ही है, मचान तक पानी भर जाने से बाढ़ के कैदी बने पीड़ितों के लिए खाने-पीने और रहने की दिक्कते भी षुरू हो गई है। चारों तरफ पानी हो जाने से जनहानि का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। साथ ही इस बेमौसम बरसात से आयी बाढ़ ने 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर सांसदो की चिंता को भी बढ़ा दिया है। नौकरषाही का मनमाना रवैया चिंता को और दोगुना कर रहा है। फिलहाल सोमवार को थाना रेउसा इलाके के जंगल टप्परी निवासी 45 वर्षीय मौजीलाल मवेषियों को सुरक्षित ठिकाने पर ले जा रहे थे, रंडा गांव के पास नाले के तेज बहाव में बह गए, जिनकी तलाष जारी है। दूसरी तरफ गोलोक कोडर के चमारनपुरवा नई बस्ती के 10 वर्षीय किषोरी की बारिष के बीच मिट्टी की दीवार गिरने से मौत हो गई। जबकि मवेषियों के लिए चारा लेने जा रहे मारूबेहड़ के रहने वाले जामिल व षकील बहरिनपुरवा के पास नाला पार करते समय डूबने लगे, मौके पर मौजूद थाना रेउसा के सिपाही धर्मेन्द्र कुमार और प्राइवेट चालक राहुल ने बचाया। यह हादसे दिनो-दिन जानलेवा होती बाढ़ की भयानकता को जहां दर्षा रहे है वहीं प्रषासनिक तैयारियों की पोल भी खोल रहे है। अब आपको बता दें कि सोमवार को सीतापुर में 11 एम.एम. वर्षा रिकार्ड की गई, षाम 6 बजे तक गिरिजा बैराज से 4 लाख 91 हजार 427 लाख क्यूसेक पानी घाघरा में छोड़ा गया। बनबसा बैराज से एक लाख 23 हजार 792 और षारदा बैराज से एक लाख 64 हजार 702 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। घाघरा नदी खतरे के निषान से 60 सेंटी मीटर ऊपर बह रही है, जिससे बहुत तेजी से गांवो की तरफ पानी बढ़ता जा रहा है। बिसवां, महमूदाबाद और लहरपुर इलाके के करीब डेढ़ सैकड़ा गांवो के आसपास की फसल डूबकर बर्बाद हो गई है, घरों में रखा सामान भी पानी में डूब गया है, कच्चे मकानों और झोपड़ियों के गिरने का सिलसिला जारी है। बिसवां तहसील के गोलोक कोडर ग्राम पंचायत के मजरा गोड़ियन पुरवा, संबारीपुरवा, मुंषीपुरवा, रामलालपुरवा, नई बस्ती, बिझनपुरवा, चौकीपुरवा, गार्गीपुरवा, परमेष्वरपुरवा, ठेकेदारपुरवा, जैतहैया, मरैली, निर्मलपुरवा, कोनी, फैजदारपुरवा, महंतपुरवा, लोधपुरवा, सुकईपुरवा, परमेष्वरपुरवा, गार्गीपुरवा, जंगल टेपरी, टिब्बा, लालापुरवा, पासिनपुरवा, प्यामनगर, पचीसा, सिसैयाबाजार, नई सिसैयाबाजार, टेपरीपुरवा, नगीनापुरवा, सलामतपुरवा, चन्द्रभालपुरवा, दुर्गापुरवा, आषारामपुरवा, मड़ई के सभी मजरे पूरी तरह जलमग्न है। इसी तरह तहसील महमूदाबाद के केवड़ा, गोमतीपुरवा, अखरी, प्यारेपुरवा, षंकरपुरवा, बाबाकुटी, कलुवापुर, नया परमगोड़ा, नई बस्ती, धुक्लनपुरवा, झकटूपुरवा, खुनापुरवा, रामस्वरूपपुरवा, टपरा, सुन्दरपुरवा, सोयलियागंज, बचाऊपुरवा, नागेष्वरपुरवा, पिताम्बरपुरवा, छोटेपुरवा, लोधनपुरवा, अटौरा खुनापुरवा, बख्षीपुरवा, फतेहपुरवा, दुबेपुरवा, कोठार, अहिरनपुरवा, बुद्धिपुरवा, रानीगंज, मोतीपुरवा, षिवनाथपुरवा, कनरखी, हरीपुरवा, सोतीपुरवा, कनरखी घाट, कैलाषपुरवा, हरिहरपुरवा, बनवारीपुरवा, जगन्नाथपुरवा, बलेष्वरपुरवा, अर्जुनपुरवा, कन्हैयापुरवा, अंगरौरा, निरंजनपुरवा, हरिपालपुरवा, मालिपुरवा, सोहरिया, कुम्हडौरा, मोहनपुरवा, दलपति पुरवा, कार्णीपुरवा, मौर्यपुरवा, राजा साहब पुरवा, कटुआघाट, बिद्रापुरवा, खर्गीपुरवा, बुद्धापुरवा बाढ़ की चपेट में है। इसी तरह लहरपुर तहसील के कोलिया छड़िया, बजहा, षाहपुर, बंसतापुर और दुलामऊ, मुन्नूपुरवा गांव में भी पानी भर गया है। इस तरह से 50 हजार से भी ज्यादा आबादी बाढ़ की मार झेलने को मजबूर है। बाढ़ की विकराल होती स्थिति को लेकर सीतापुर भाजपा सांसद राजेष वर्मा ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर लहरपुर, बिसवां और महमूदाबाद इलाके में षारदा और घाघरा नदियों के किनारे जलमग्न हुए सैकड़ो गांव से जनजीवन हुए अस्तव्यस्त को लेकर बाढ़ राहत सामग्री बुजुर्गों और बच्चों तक पहुंचाने को कहा है, सांसद ने नष्ट हुई फसल को लेकर किसानों को नुकसान का मुआवजा दिलाने के लिए अविलम्ब प्रभावी कार्रवाई करने को भी कहा है। सांसद ने पत्र में डीएम को लिखा है कि संकट की इस घड़ी में प्रभावित लोगो तक बाढ़ राहत सामग्री खाद्यय सामग्री स्वास्थ्य सेवाएं, मवेषियों के लिए चारे की व्यवस्था की जाए। उधर सोमवार की दोपहर जिलाधिकारी अनुज सिंह, पुलिस अधीक्षक घुले सुषील चन्द्रभान और बिसवां के एसडीएम पीएम मौर्य, तहसीलदार अविचल प्रताप सिंह के साथ मारू बेहड़ बाढ़ चौकी पहुंचे बाढ़ पीड़ितों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को आवष्यक दिषा निर्देष दिए। इसके बाद अधिकारियों के काफिला ने चहलारी घाट पुल पर पहुंचकर घाघरा और षारदा नदियों के जलस्तर को भी देखा। इस दौरान एसीएमओ डा. कमलेष चन्द्रा, डा. नीरज गोयल, डा. विकास मिश्रा भी मौजूद रहे। डीएम ने एसडीएम को निर्देष दिए कि बाढ़ पीड़ितों तिरपाल और लंच पकैट वितरित किए जाएं। सीतापुर में बाढ़ की स्थिति कई दिनों से बनी हुई है, लेकिन प्रषासन की ओर से 10 अक्टूबर को एक विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी गई कि कई दिनों से हो रही अतिवृष्टि के कारण जनपद की तहसील लहरपुर, बिसवां एवं महमूदाबाद में बनी हुई बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कलेक्टेट मुख्यालय पर स्थापित बाढ़ राहत कंट्रोल रूम दूरभाष नंम्बर-05862245753 और 05862240009 तथा 05862242400 एवं टोल फ्री नम्बर 1077 के सभी दिन चौबीसो घंटे पर्यवेक्षण हेतु प्रोवेषन अधिकारी मोबाइल नम्बर 7518024021 को प्रातः 6 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक प्रषासनिक अधिकारी के मोबाइल नम्बर 9793255348 को अपरान्ह 2 बजे रात्रि 10 बजे तक और बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी के मोबाइल नम्बर 9557174103 को रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक तैनाती की गई है। अपर जिलाधिकारी रामभरत तिवारी ने बताया कंट्रोल रूम के ओवर ऑल पर्यवेक्षण हेतु नगर मजिस्ट्रेट को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। प्रषासन की ओर से यह भी जानकारी दी गई है कि बिसवां में 32, लहरपुर में 14 और महमूदाबाद में 7 गांव प्रभावित है। 600 लंच पैकेट बिसवां इलाके में, 540 लंच पैकेट महमूदाबाद इलाके में वितरित किए है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया है। बिसवां तहसीलदार अविचल प्रताप सिंह ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचकर राहत सामग्री बाढ़ पीड़ितों को डिग्निटी किट फूड पैकेट तिरपाल, केला, सेब वितरित किया। पीएसी की टीम भी लगातार क्षेत्र में रहकर रेस्क्यू कर रही है।

- **घाघरा खतरे के निशान से 60 सेंटी मीटर ऊपर पहुंची, 50 हजार से ऊपर आबादी ने ली सुरक्षित ठिकानों पर शरण**
- **डीएम, एसपी ने लिया बाढ़ इलाके का जायजा, प्रशासन ने जारी किए कंट्रोल रूम के नम्बर**
- **सांसद राजेश वर्मा ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए डीएम को लिखा पत्र, जानलेवा साबित होने लगा बाढ़ का पानी, एक किसान पानी में बहा, लापता**
- **बाढ़ पीड़ितों के सामने खाने-पीने और रहने की समस्या गहराई, फसलें, डूबी चिंता में किसान**

पेट्रोल टंकी पर खड़े टैंकर से चोरी हुआ डीजल

संवाददाता। लहरपुर सीतापुर

बीती रात शातिर अज्ञात चोरों ने लहरपुर कोतवाली मुख्यालय से सटे शुक्ला पेट्रोल पंप पर खड़े तेल टैंकर से लगभग 30,000 मूल्य का तेल चुराकर मौके से फरार हो गए। जिससे लहरपुर पुलिस की रात्रि गश्त की जहां एक और पोल खुल रही है वहीं दूसरी तरफनगर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लोगों की नींद उड़ी नजर आई। बताते चलें लहरपुर लखीमपुर मार्ग पर कोतवाली से सटे रामदयाल शुक्ला एंड संस पैट्रोल पंप पर खड़े उनके निजी टैंकर से एक अज्ञात स्विफ्ट डिजायर कार सवार लोगों ने टैंकर का ताला तोड़कर लगभग 300 लीटर डीजल पर हाथ साफकर दिया। जिसका वीडियो सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया वहीं घटना रात के करीब 2रू00 से 3रू00 के बीच की बताई जा रही है कोतवाली के निकट चोरी की घटना घटी चोरी की इस घटना ने आम नागरिकों में पुलिस के प्रति अविश्वास बढ़ गया। शुक्ला पेट्रोल पंप के प्रोपराइटर आशीष शुक्ला ने बताया कि बीती रात घटी इस घटना के दौरान काफी तेज बारिश हो रही थी जिसके चलते पेट्रोल पंप के कर्मचारी घटना को जान ना पाए वही अज्ञात चोरों द्वारा जहां एक और टैंकर से तेल की चोरी की गई इसके साथ ही वहां पर खड़े अन्य वाहनों के के ताले भी चोरी के नियत से तोड़ने का प्रयास किया गया लेकिन टैंकर में तेल भरे होने के चलते सिर्फटैंकर से ही तेल की चोरी की गई जिसका वीडियो पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया घटना की सूचना स्थानीय कोतवाली पुलिस व नगर चौकी प्रभारी को दे दी गई है पुलिस ने घटना को संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर शीघ्र ही खुलासे का आश्वासन दिया।

छत से गिरकर मजदूर घायल

बरेली । छत पर काम करते समय एक मजदूर अचानक जमीन पर गिर पड़ा और घायल हो गया उसे इलाज के लिए ठेकेदार ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया । किला थाना क्षेत्र के मोहल्ला बाकरगंज में रहने वाले अख्तर हुसैन पुत्र अहमद हुसैन को आज सुबह तड़के ठेकेदार इस्लाम में घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां अख्तर हुसैन ने बताया कि वह इस्लाम के साथ मजदूरी करता है और कई दिनों से सिविल लाइंस इलाके में चल रहे निर्माण कार्य में काम कर रहा था लेकिन आज सुबह इस्लाम ने उसे मॉडल टाउन में चल रहे निर्माण कार्य में काम करने के लिए बुलाया था जहां पर उसका पहला दिन था उसे निर्माण कार्य के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

क्विक न्यूज

मौलाना तौकीर रजा खाँ की तरफसे सरकार साबिर पाक की बारगाह मे पेश हुई चादर

बरेली । हजरत मख्दूम अलाउद्दीन अहमद साबिर ए पाक कलियरी के 754वें उर्स के मुबारक मौके पर नबीरे आला हजरत कायदे मिल्लत आई एम सी प्रमुख हजरत मौलाना तौकीर रजा खाँ साहब की तरफसे परम्परागत तरीके से हर साल की तरह इस साल भी इत्तेहाद का पैगाम देते हुए दरगाह साबिर पाक कलियर शरीफमे चादर पेश की गयी द्य आईएमसी के युवा नेता फरहान रजा खाँ के नेतृत्व मे बरेली से एक प्रतिनिधि मण्डल कलियर शरीफरवाना हुआ द्य दरगाह साबिर पाक के सज्जादानशीन हजरत अलीशाह मंजर एजाज कुद्दुसी साहब ने मौलाना तौकीर रजा सहाब की तरफसे भेजी हुई चादर पेश की और मुल्क मे अमन चौन और हजरत तौकीर मिया साहब की सेहत व तंदरुस्ती और कामयाबी के लिए खुसूसी दुआ कीद्य फरहान रजा खान, नोमान रजा खान, शहजाद पठान नियाजी, रिजवान हुसैन अंसारी,इमरान खान,निजाम कुरैशी, मोहसिन पठान , वासिफयार खाँ, रेहान खान बरेली से कलियर शरीफ दरगाह साबिर पाक मे चादर लेकर पहुचे ।

स्कूल जा रहे बच्चे पर आवारा कुत्तों ने किया जानलेवा हमला

बरेली। भाई के साथ स्कूल जा रहे एक मासूम पर रास्ते में ही आवारा कुत्तों ने जानलेवा हमला कर दिया कुत्ते उसे खींचकर खेत में ले गए और बुरी तरह घायल कर दिया बच्चे को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया।सीबीगंज थाना क्षेत्र के गांव मथुरा पुर निवासी मोहम्मद शरीफके 12 वर्षीय बेटे मोहम्मद शारिक को आज सुबह इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां मोहम्मद शारिक ने बताया कि उसका बेटा बंडिया स्थित रिजवान कादरी स्कूल का छात्र है उसे स्कूल में छुट्टी होने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी जिसके चलते वह आज सुबह अपने भाई मोहम्मद अरहान के साथ स्कूल जाने के लिए घर से निकला था लेकिन गांव के बाहर पहुंचते ही रास्ते में बूचड़खाने के पास दोनों भाइयों को आवारा कुत्तों ने घेर लिया मोहम्मद अरहान खुद को बचाने के लिए भाग पड़ा लेकिन कुत्तों ने मोहम्मद शारिक को पकड़ लिया और उसे खींचकर खेत में ले गए जहां उन कुत्तों ने उसे बुरी तरह नोचना शुरु कर दिया शोर सुनकर गांव के लोग भी मौके पर पहुंच गए उन्होंने कुत्तों को भगाकर मोहम्मद शारिक को बचाया और उसके घर वालों को सूचना दी तब मौके पर पहुंचा पिता उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया जहां उसने ने बताया कि गांव में पहले भी आवारा कुत्ते कई लोगों पर हमला करके घायल कर चुके है

पेट्रोल पंप सुरक्षाकर्मी ने कारोबारी को मारी गोली, मौत

बरेली । पेट्रोल पंप पर कार में तेल डलवाने को लेकर लखनऊ के कारोबारी का सेल्समैन से मामूली विवाद हो गया जिससे नाराज पेट्रोल पंप के सेल्समैन ने कारोबारी को गोली मार दी जिससे कारोबारी की मौत हो गई कारोबारी के दोस्तों ने पुलिस को घटना की सूचना दी इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी ।लखनऊ के दुबग्गा के जोगस पार्क वसंत कुंज निवासी 45 वर्षीय अरविंद द्विवेदी स्टीम प्लेसमेंट कंपनी चलाते थे वह रविवार देर रात मुरादाबाद से अपने दोस्त विनीत श्रीवास्तव, कंपनी में कार्यरत शुभम वाजपेयी व हनी के साथ कार से लखनऊ लौट रहे थे.यह सभी दो कार में सवार थे. शुभम ने पुलिस को बताया कि बरेली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर फरीदपुर थाने के केसरपुर गांव के पास पेट्रोल पंप पर कार में तेल डलवाने के लिए रुके थे.अरविंद द्वि?वेदी खुद कार चला रहे थे, जबकि वि?नीत कुमार श्रीवास्?तव की कार शुभम चला रहा था देर रात बजे केसरपुर गांव के बलवंत फीलि?ग स्?टेशन पर अरविंद ने पेट्रोल डलवाने के लिए कार रोकी सेल्समैन ने कहा कि 10.30 के बाद पेट्रोल पंप बंद हो जाता है अरविंद ने ऐसी किसी आदेश की जानकारी से इन्कार किया तो सेल्समैन जयवीर और बॉबी से कहासुनी होने लगी इसी दौरान पेट्रोल पंप का एक गार्ड आ गया. विवाद बढ़ता देखकर अरविंद ने शिकायत लिखने के लिए कंपलेंट बुक मांगी तो गार्ड भड़क गया अरविंद ने नाराजगी जताई, तो कार में बैठे अरविंद पर गार्ड ने बंदूक तान दी अरविंद ने कहा कि गोली मारने की धमकी दे रहो हो इतने में गार्ड ने उनके पेट में फायर कर दिया.अरविंद के साथ कार में बैठे हनी ने पुलिस को सूचना दी पुलिस के आने से पहले ही आरोपी फरार हो गए पुलिस ने घायल को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल मे भर्ती कराने की कोशिश की लेकिन वह पहुंचते ही डॉक्टर ने अरविंद को मृत घोषित कर दिया.पुलिस ने पंप के दोनों आरोपी सेल्?समैन को हिरासत में ले लिया इसके साथ ही पंप मालिक को भी बुला लिया गया है उनसे पूछताछ चल रही है बताया जाता है कि पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ जारी है।

रिवायत कायम रखते हुए बारिश में भीगते हुए निकाला गया जुलूस-ए-मोहम्मदी

बरेली । पैगम्बर-ए-इस्लाम की यौमे पैदाईश का जश्न भारी बरसात में भीगते हुए मनाया गया। रिवायत कायम रखते हुए अंजुमन खुद्दामें रसूल के तत्वाधान में कोहाड़ापीर से दरगाह सरपरस्त हजरत मौलाना सुब्हान रजा खान(सुब्हानी) व सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी (अहसन मियां) की कयादत में निकला। कायदे जुलूस हजरत सुब्हानी मियां ने सुबुर रजा को परचम-ए-रिसालत सौपकर हरी झंडी दिखाकर जुलूस रवाना किया। जो अपने कदीमी रास्तों कोहाड़ापीर,कुतुबखाना,कुमार सिनेमा,नॉवेल्टी,इस्लामिया स्कूल,करोलान,बिहारीपुर ढाल के रास्ते दरगाह आला हजरत पर आकर खत्म हुआ। जुलूस का रास्तो में जगह जगह फूलों से इस्तकबाल किया गया। रंग-बिरंगी पोशाक पगड़ी व जुब्बा पहने लोग अंजुमन की शक्ल में सरकार की आमद मरहबा-दिलदार की आमद मरहबा,खुशियां मनाओ सरकार आ गए आदि नारों के साथ चले। सबसे आगे परतापुर की अंजुमन दारुल उलूम रजा ए मुस्तफा चली। मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि जुलूस शुरू होने से पहले स्टेज पर मौलाना अब्दुल हलीम ने तिलावत ए कुरान से आगाज किया । मुफ्ती सलीम नूरी ने अपनी तकरीर में कहा कि ये जुलूस नबीरे आला हजरत हुजूर रेहान-ए-मिल्लत की देन है। हजरत सुब्हानी मियां व मुफ्ती अहसन मियां व सय्यद आसिफमियां व सभी अंजुमनों के सदर का स्टेज पर पहुँचने के बाद अंजुमन खुद्दामें रसूल के सचिव शान अहमद रजा ने दस्तारबंदी कर फूलों से इस्तकबाल किया। जुलूस में मुख्य रूप से अंजुमन अनवारे मुस्तफा,अंजुमन गौसुल वरा,अंजुमन आशिकाने रजा, अंजुमन जानिसारने रसूल,अंजुम कुर्बान ए रसूल,अंजुमन रजा-ए-मिल्लत,अंजुमन फैजुल कुरान शामिल रही।

मेंटल हेल्थ ऐप का हिंदी वर्जन आएगा

लखनऊ। व्यावहारिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एआई . आधारित डिजिटल साथीए वायसा ने आज हिंदी भाषा में मेंटल हेल्थ ऐप पेश करने की योजना की घोषणा की है। इसे व्हाट्सएप के जरिये ऐक्सेस किया जा सकेगा। एसीटी की डायरेक्टर.हेल्थकेयर नीता जॉय कहती हैं कि हमारे लिए यह अपनी तरह का पहला प्रयास है कि एक स्थापित संस्था के साथ साझेदारी करके एक जाने.पहचाने और उपयोगी हल को लाखों लोगों तक पहुंचाया जा सके। 14 फीसद लोग आबादी मानसिक स्वास्थ्य विकारों से पीड़ित है और महामारी की वजह से गुणवत्ता देखभाल तक पहुंच की कमी बढ़ गई है। इस अंतर को भरने के लिए हमें नए उपकरणों की आवश्यकता है क्योंकि इस गुप्त मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित देखभाल उपलब्ध नहीं हैं। हिंदी ऐप की पहली पुनरावृत्ति उपयोगकर्ताओं को संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी अभ्यास के माध्यम से मोबाइल फोन.आधारित संवाद एजेंट के साथ पाठ के माध्यम से मार्गदर्शन करेगा।

एसडीएम क्षेत्र में भ्रमण कर रखें सतर्क निगाह: जिलाधिकारी

- **डीएम ने किया जिला इमरजेंसी ऑपरेशन सेन्टर का निरीक्षण**

लखीमपुर खीरी। सोमवार सुबह डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने सीडीओ अनिल कुमार सिंह व एडीएम संजय कुमार सिंह के संग कलेक्ट्रेट स्थित जिला इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर का औचक निरीक्षण किया, संबंधित को जरूरी निर्देश दिए।

डीएम ने अतिवृष्टि से हुए नुकसान की जानकारी ली। साथ ही इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कार्मिकों को आपदा की स्थिति पर लगातार नजर रखने और किसी भी घटना की जानकारी तत्काल उच्चाधिकारियों को देने को कहा। डीएम ने जिले में विभिन्न स्थानों पर हो रही अतिवृष्टि को देखते हुए सभी एसडीएम को क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने दैवीय आपदा की स्थिति में क्विक रिस्पांस सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

डीएम ने अफसरों के साथ जिला इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर की विभिन्न पंजिकाओं का भी अवलोकन किया, ड्यूटीरत अधिकारी-कर्मचारियों से उनकी वर्किंग जानी। डीएम ने वायरलेस सेट के जरिए सभी एसडीएम को जरूरी निर्देश दिए।

अलर्ट मोड पर है एनडीआरएफ

डीएम ने बताया कि बारिश की संभावना को लेकर मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग स्थिति पर नजर रखे हुए है। किसी भी स्थिति से निबटने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में एनडीआरएफ को अलर्ट मोड पर रखा गया है। प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं राहत कार्य द्रुत गति से चल रहे हैं।

एडीएम ने अफसरों संग लिया नामांकन कक्ष का गहन जायजा, दिशा निर्देश जारी

लखीमपुर खीरी। सोमवार की सुबह दो दिनों (द्वितीय शनिवार एवं रविवार) के अवकाश के बाद कलेक्ट्रेट स्थित अपर जिलाधिकारी न्यायालय कक्ष में 139, गोला गोकरननाथ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन हेतु नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। डीईओ/डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने अफसरों संग स्थलीय निरीक्षण करके नामांकन प्रक्रिया देखी, मौजूद अफसरों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

सोमवार को करीब पूर्वाहन 11 बजे जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने सीडीओ अनिल कुमार सिंह, डिप्टी डीईओ/एडीएम संजय कुमार सिंह संग पैदल नामांकन स्थल सहित नामांकन कक्ष का जायजा लिया एवं संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। नामांकन प्रपत्र जमा किये जाने के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उप निर्वाचन के रिटर्निंग ऑफिसर/उप जिला मजिस्ट्रेट (गोला) अनुराग सिंह को निर्देशित किया कि नामांकन से संबंधित समस्त प्रपत्रों को पूर्ण करते हुए उपलब्ध रखे जायें। डीएम ने सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस कार्मिकों को भी जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान सहायक रिटर्निंग अधिकारी/तहसीलदार विनोद गुप्ता सहित नामांकन ड्यूटी में तैनात अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

सपा से विनय तिवारी ने दाखिल किया एक सेट में नामांकन, चार लोगों ने प्राप्त किए नामांकन पत्र

रिटर्निंग अधिकारी/ एसडीएम अनुराग सिंह ने बताया कि सोमवार को 04 लोगों ने (विद्यावती-01 सेट, प्रवेंद्र प्रताप सिंह-02, अमन गिरि-01 सेट, व उमेश चंद्र -01 सेट) नामांकन स्थल से नामांकन पत्र प्राप्त किया। वही समाजवादी पार्टी से विनय तिवारी ने एक सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन कक्ष से अब तक 09 व्यक्तियों ने 21 सेट प्राप्त किए।

पेज एक का शेष

नहीं रहे मुलायम...

जोड़-तोड़ की राजनीति में भी माहिर माने जाने वाले यादव समय-समय पर अनेक पार्टियों से जुड़े रहे। इनमें राम मनोहर लोहिया की संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी और चरण सिंह के भारतीय क्रांति दल, भारतीय लोक दल और समाजवादी जनता पार्टी भी शामिल हैं। उसके बाद वर्ष 1992 में उन्होंने समाजवादी पार्टी का गठन किया। यादव ने उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार बनाने या बचाने के लिए जरूरत पड़ने पर बहुजन समाज पार्टी, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी से भी समझौते किए। वर्ष 2019 में संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता में दोबारा वापसी का आशीर्वाद देकर उन्होंने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने यह बयान तब दिया जब भाजपा को उत्तर प्रदेश में सपा का मुख्य प्रतिद्वंदी दल माना जा रहा था। उनके इस बयान से तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगी थीं। वर्ष 2014 में एक रैली में दिए गए उनके एक बयान को लेकर उनकी काफी आलोचना हुई थी, जिसमें उन्होंने बलात्कार के दोषियों को फांसी दिए जाने का विरोध करते हुए कहा था कि लड़कों से गलती हो जाती है। यादव ने भारत पाकिस्तान और बांग्लादेश का एक परिसंघ बनाए जाने की भी वकालत की थी। बेहद जुझारू नेता माने जाने वाले मुलायम सिंह यादव ने वर्ष 1975 में तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा देश में आपातकाल घोषित किए जाने का कड़ा विरोध किया। वर्ष 1977 में आपातकाल खत्म होने के बाद वह लोकदल की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बने। सियासत की नब्ज जानने की बेमिसाल योग्यता रखने वाले यादव वर्ष 1982 में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के लिए चुने गए और और इस दौरान वह वर्ष 1985 तक उच्च सदन में विपक्ष के नेता भी रहे। वह वर्ष 1989 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। भाजपा ने उनकी सरकार को बाहर से समर्थन दिया था। इसी दौरान राम जन्मभूमि आंदोलन ने तेजी पकड़ी और देश-प्रदेश की राजनीति इस मुद्दे पर केंद्रित हो गई। अयोध्या में कारसेवकों का जमावड़ा लग गया और उग्र कारसेवकों से बाबरी मस्जिद को बचाने के लिए 30 अक्टूबर 1990 को पुलिस ने गोलियां चलाईं, जिसमें पांच कारसेवकों की मौत हो गई। इस घटना के बाद भाजपा ने समर्थन वापस ले लिया और मुलायम की सरकार गिर गई। नवंबर 1993 में मुलायम सिंह यादव बसपा के समर्थन से एक बार फिर राज्य के मुख्यमंत्री बने, लेकिन बाद में समर्थन वापस लिए जाने से उनकी सरकार गिर गई। उसके बाद यादव ने राष्ट्रीय राजनीति का रुख किया और 1996 में मैनपुरी से लोकसभा चुनाव जीते। विपक्षी दलों द्वारा कांग्रेस का गैर भाजपाई विकल्प तैयार करने की कोशिशों के दौरान मुलायम कुछ वक्त के लिए प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर भी नजर आए। हालांकि, वह एचडी देवेगौड़ा के नेतृत्व में बनी यूनाइटेड फ्रंट की सरकार में रक्षा मंत्री बनाए गए। रूस के साथ सुखोई लड़ाकू विमान का सौदा भी उन्हीं के कार्यकाल में हुआ था। बाद में मुलायम सिंह यादव ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति का रुख किया और वर्ष 2003 में बसपा-भाजपा की सरकार गिरने के बाद तीसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। 2007 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद बसपा की सरकार बनने पर वह विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रहे। वर्ष 2012 में हुए विधानसभा चुनाव में सपा को पहली बार पूर्ण बहुमत मिला। उस वक्त भी मुलायम सिंह यादव के ही मुख्यमंत्री बनने की पूरी संभावना थी, लेकिन उन्होंने अपने बड़े बेटे अखिलेश यादव को यह जिम्मेदारी सौंपी और अखिलेश 38 वर्ष की उम्र में प्रदेश के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने। बीमारी के दौर में मुलायम सिंह की पार्टी संबंधी मामलों में भूमिका सीमित हो गई जिसकी स्थापना उन्होंने स्वयं की थी।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत...

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वरिष्ठ समाजवादी नेता, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व रक्षा मंत्री और वरिष्ठ सांसद मुलायम सिंह यादव के निधन से देश के राजनीतिक इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अवसान हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने समर्पण के साथ लोगों की सेवा की और जयप्रकाश नारायण तथा राम मनोहर लोहिया के आदर्शों को लोकप्रिय बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। वह आपातकाल के दौरान लोकतंत्र के एक प्रमुख सैनिक थे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आपातकाल के दौरान उन्होंने लोकतंत्र की बहाली के लिए आवाज उठाई थी। उनके निधन से भारतीय राजनीति में एक युग का अंत हो गया। पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह बोले कि वह एक महान सांसद और एक प्रतिष्ठित प्रशासक थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों और अन्य पिछड़ा वर्ग के समुदायों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी मुलायम के निधन पर शोक जताया और कहा कि यादव के निधन से समाजवादी विचारों की आवाज खामोश हो गई है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि सपा के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन की खबर दुखद है। मैं उनके परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान श्रद्धाजलि सभा का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि मुलायत सिंह यादव जमीनी स्तर की राजनीति के सच्चे योद्धा थे। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और मुलायम सिंह यादव के समधि लालू यादव ने भी दिल्ली में तेजस्वी यादव के साथ श्रद्धांजलि दी और उन्हें लोकतंत्र का सच्चा प्रहरी बताया। इनके अलावा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, सीपीआईएम के सीताराम येचुरी, पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) प्रमुख एच डी देवेगौड़ा, पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारुख अब्दुल्लाह एवं ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक समेत नेताओं और विभिन्न राज्यों के राज्यपालों ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त की।

बेमौसमी बरसात से...

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल खरीफ सीजन में धान की बुवाई का कुल क्षेत्रफल 40.2 मिलियन हेक्टेयर रहा, जो एक साल पहले की तुलना में 4.7 प्रतिशत कम है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2022-23 फसल वर्ष (जुलाई-जून) के इस खरीफ सीजन में अब तक धान का रकबा 402.88 लाख हेक्टेयर रहा है, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 423.4 लाख हेक्टेयर था, जो 20.16 प्रतिशत कम है।

कोलेजियम ने आपत्ति जताने...

26 सितंबर को कॉलेजियम ने 11 न्यायाधीशों के नामों पर विचार के साथ शुरुआत की थी, जबकि 30 सितंबर को यह पूरा विवाद उपजा। बयान में कहा गया है कि प्रस्तावित नियुक्तियों के संबंध में अनौपचारिक विचार-विमर्श कुछ समय से चल रहा था और 26 सितंबर, 2022 को एक औपचारिक बैठक हुई, जब 11 न्यायाधीशों के नामों पर विचार किया गया। इसमें कहा गया, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता के नाम पर सर्वसम्मति थी, इसलिए इस आशय का एक प्रस्ताव पारित किया गया था और अन्य दस न्यायाधीशों के नामों पर विचार 30 सितंबर 2022 तक के लिए टाल दिया गया था। कॉलेजियम की 26 सितंबर, 2022 को हुई बैठक में पहली बार संभावित उम्मीदवारों के फैसलों को उनकी सापेक्ष योग्यता का वस्तुपरक मूल्यांकन करने के लिए सर्कुलेट (वितरित) करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी और न्यायमूर्ति दत्ता के नाम को मंजूरी दे दी गई थी। कुछ सदस्यों द्वारा मांग उठाई गई थी कि 'हमारे पास अन्य उम्मीदवारों के अधिक फैसले होने चाहिए। इसलिए बैठक को 30 सितंबर 2022 के लिए स्थगित कर दिया गया तथा उम्मीदवारों के और फैसलों को वितरित किया गया।'

घृणा भाषण को लेकर...

क्योंकि कार्यक्रम में पुलिस कर्मियों सहित हजारों लोग मौजूद थे। बंसल ने दावा किया, अनुमति की तो छोड़िए, हमने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सुझाव और सिफारिश के बाद दिलशाद गार्डन में रामलीला मैदान को आयोजन स्थल के लिए तय किया था।

रूस का यूक्रेन पर ताबड़तोड़...

यूक्रेन सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने कहा कि 75 मिसाइलों को यूक्रेन के ठिकानों की तरफ दागा गया, जिनमें से 41 को वायु रक्षा प्रणाली द्वारा निष्प्रभावी कर दिया गया। कीव के अलावा खारकीव, ल्वीव, तेर्नोपिल, खेमेल्नित्स्की, जिथोमिर के अलावा कुछ और शहर रूसी हमले की जद में रहे।

मुलायम का निधन देश के लिए बहुत बड़ी क्षति: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन पर सोमवार को शोक जताया और कहा कि आपातकाल के दौरान वह लोकतंत्र के प्रमुख सिपाही थे और रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने भारत को मजबूत बनाने की दिशा में काम किया। उन्होंने कहा कि उनका जाना देश के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। नेताजी के नाम से मशहूर मुलायम सिंह यादव का लंबी बीमारी के बाद सोमवार को गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे।तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर सोमवार को भरूच पहुंचे प्रधानमंत्री ने देश के पहले बल्क ड्रग पार्क की आधारशिला रखने और कुछ अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा, आज मुलायम सिंह यादव का निधन हो गया है। मुलायम सिंह यादव का जाना देश के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा, मुलायम सिंह यादव के साथ मेरा नाता विशेष प्रकार का रहा है। जब हम दोनों मुख्यमंत्री के रूप में मिला करते थे तब हम एक-दूसरे के प्रति एक अपनत्व का भाव अनुभव करते थे। मोदी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मुलायम सिंह का आशीर्वाद मिला उस वक्त उन्होंने जो सलाह दी थी आज भी वह मेरे लिए अमानत हैं। इससे पहले, मोदी ने ट्वीट कर यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, मुलायम सिंह यादव एक उल्लेखनीय व्यक्तित्व थे। उन्हें एक विनम्र और जमीन से जुड़े नेता के रूप में व्यापक रूप से सराहा गया, जो लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील थे। उन्होंने लगन से लोगों की सेवा की और लोकनायक जयप्रकाश नारायण और डॉ. राम मनोहर लोहिया के आदर्शों को लोकप्रिय बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। रक्षा मंत्री के रूप में मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल को याद करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने भारत को और मजबूत बनाने की दिशा में कार्य किया। उन्होंने कहा, मुलायम सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजनीति में स्वयं को स्थापित किया। वह आपातकाल के दौरान लोकतंत्र के लिए एक प्रमुख सिपाही थे। रक्षा मंत्री के रूप में, उन्होंने एक मजबूत भारत के लिए काम किया। उनकी संसदीय कार्यप्रणाली व्यावहारिक थी और वह राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने पर जोर देते थे। उन्होंने कहा, हम दोनों जब मुख्यमंत्री थे, तब हमारे बीच लगातार संवाद हुआ करता था और घनिष्ठता का यह सिलसिला आगे भी जारी रहा। मैं हमेशा उनके विचारों को सुनने के लिए उत्सुक रहता था। उनका निधन मेरे लिए पीड़ादायक है। उनके परिवार और लाखों समर्थकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। उनके निधन से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। उनके परिवार और उनके समर्थकों के प्रति संवेदनाएं। मुलायम सिंह यादव अगस्त से अस्पताल में भर्ती थे और उन्हें दो अक्टूबर को आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया था और तब से वह जीवन रक्षक दवाओं पर थे।

...जब मुलायम ने दिया था सोनिया के प्रधानमंत्री बनने की उम्मीदों को झटका

भाषा। नई दिल्ली

सियासी अखाड़े के दांव-पेंच में माहिर पहलवान मुलायम सिंह यादव ने अपनी लंबी राजनीतिक पारी में अपने दांव से कई लोगों को चित किया। करीब 23 साल पहले उन्होंने अपने इसी तरह के एक सियासी दांव से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के प्रधानमंत्री बनने की उम्मीदों को झटका दिया था और इसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार की भी भूमिका थी। यह वाकया वर्ष 1999 का है जब सोनिया गांधी नई-नई कांग्रेस अध्यक्ष बनी थीं। उस साल 17 अप्रैल को जब अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व वाली सरकार ने लोकसभा में विश्वासमत खो दिया तब सोनिया ने सरकार बनाने का दावा पेश किया था। तत्कालीन राष्ट्रपति के.आर. नारायणन से मुलाकात के बाद सोनिया गांधी ने संवाददाताओं से कहा था, हमारे पास 272 का आंकड़ा है और हमें इससे अधिक की आशा है... हमें विश्वास है कि हम इससे अधिक संख्या हासिल कर लेंगे। बहरहाल, मुलायम सिंह यादव की कुछ अलग योजना थी और वह प्रधानमंत्री पद के लिए सोनिया गांधी का समर्थन करने के इच्छुक नहीं थे। उस वक्त समाजवादी पार्टी के 20 लोकसभा सदस्य थे। यादव ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु के नाम का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा था, हमें साथ आकर यह फैसला करना चाहिए कि नई दिल्ली में नेता कौन होगा। इसके करीब एक महीने बाद ही लोकसभा में कांग्रेस के तत्कालीन नेता शरद पवार ने विदेशी मूल का मुद्दा उठाया जिसे बाद में भाजपा ने चुनावी मुद्दा बनाया। कांग्रेस कार्य समिति की 15 मई, 1999 को बैठक हुई जिसमें पार्टी में बगावत हुई। फिर पवार ने कुछ अन्य नेताओं के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन किया।

मोदी से था अनोखा रिश्ता

भाषा। नई दिल्ली

एक-दूसरे पर आरोप लगाने से लेकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में एक साथ देखे जाने तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बीच संबंधों का समीकरण कुछ विशेष रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव से पहले यादव ने लोकसभा में यह कहकर सभी को चौंका दिया था कि वह चाहते हैं कि मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनें। हालांकि चुनावी राजनीति में दोनों नेता अक्सर एक-दूसरे के खिलाफ आरोप लगाते देखे गए। साल 2014 में हुए लोकसभा चुनाव से पहले जनवरी के महीने में मोदी ने यादव के इन बयानों के लिए उनकी आलोचना की थी कि वह उत्तर प्रदेश को गुजरात नहीं बनने देंगे। उस समय भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित किए जा चुके मोदी ने यादव के वाराणसी में दिए गए बयान का जवाब गोरखपुर की एक सभा में दिया और कहा कि समाजवादी पार्टी नेता के पास उत्तर प्रदेश को गुजरात में बदलने के लिए 56 इंच का सीना नहीं है।मुलायम ने उसी साल अक्टूबर में इसका जवाब दिया और पुनः सपा अध्यक्ष निर्वाचित होने पर लखनऊ में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की ओर से की जा रही गोलाबारी का जिक्र किया। अपनी युवावस्था में पहलवान रहे यादव ने कहा कि मोदी को सपा से मुकाबले के लिए 56 इंच की छाती की जरूरत है। मोदी ने मुलायम के इस बयान के लिए भी उनकी आलोचना की थी कि बलात्कार करने के लिए फांसी की सजा नहीं दी जा सकती। सपा नेता ने तब मुरादाबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था, लड़के लड़के हैं, (गल्ती) हो जाती है। मोदी ने फरवरी 2017 में बदायूं में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, बदायूं से एक सपा विधायक ने एक सपा सांसद के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं और यदि कोई संवाददाता मुलायम सिंह के पास प्रतिक्रिया के लिए जाता तो वह कहते कि लड़कों से गल्ती हो जाती है।

नेताजी के चले जाने से सपा को मार्गदर्शक की कमी खलेगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) संस्थापक मुलायम सिंह यादव जिन्हें पार्टी के लोग नेताजी कह कर पुकारते थे, के निधन से पार्टी पर कोई प्रत्यक्ष राजनीतिक प्रभाव भले ना पड़े लेकिन अब उनके पुत्र पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को उनकी छाया और कवच के बगैर काम करना होगा। अपने बेटे अखिलेश और सगे भाई शिवपाल सिंह यादव के बीच वर्चस्व की जंग के चलते कुनबे में हुए बिखराव के बावजूद मुलायम ही एकमात्र ऐसे शख्स थे जो हर मंच और मौके पर कुनबे को जोड़ने की आखिरी उम्मीद थे। उनके जाने के बाद अब हालात शायद पहले जैसे नहीं रह जाएंगे और परिवार की एकजुटता चाहने वाले लोगों को उनकी कमी जरूर खलेगी। राजनीतिक विश्लेषक जेपी शुक्ला के मुताबिक, सपा पर अखिलेश यादव का नियंत्रण हो जाने के बाद मुलायम सिंह यादव का हाल के कुछ वर्षों में पार्टी कार्य संचालन में भले ही कोई प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं रहा हो, लेकिन उनका नाम अखिलेश यादव के लिए एक कवच की तरह था और वह अपने हर फैसले में अपने पिता की हामी होने का दावा करते थे। मुलायम के निधन के बाद अखिलेश के पास अब यह कवच नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, अखिलेश को अब मुलायम की छाया के बगैर काम करना होगा। हालांकि, इसका पार्टी के आंतरिक मामलों पर कोई खास असर नहीं होगा लेकिन इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव जरूर पड़ेगा। अखिलेश के विरोधी हो चुके उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव तथा उनसे जुड़े अन्य लोग मुलायम का लिहाज करके सपा नेतृत्व के खिलाफ खुलकर नहीं बोलते थे लेकिन अब उनके निधन के बाद हालात बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुलायम अपने परिवार में जिस भावनात्मक जुड़ाव का मूल आधार थे वह उनके निधन के बाद अब शायद पहले जैसा नहीं रह जाएगा। राजनीतिक प्रेक्षक प्रोफेसर बद्री नारायण का मानना है कि मुलायम सिंह यादव के निधन से समाजवादी पार्टी को निश्चित रूप से एक अपूरणीय क्षति हुई है और इसके कई तरह के प्रभाव सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा, अखिलेश यादव ने पिछले पांच वर्षों में समाजवादी पार्टी पर पूरी तरह से प्रभुत्व हासिल कर लिया है लेकिन राजनीतिक मंचों पर वह मुलायम सिंह यादव को हमेशा आगे रखते रहे। मुलायम के निधन से अखिलेश के साथ सहानुभूति जुड़ेगी। वे लोग भी भावनात्मक रूप से अखिलेश के साथ आ सकते हैं जो हाल के वर्षों में पार्टी से दूर हो गए थे। नारायण ने कहा कि मुलायम सिंह यादव अपने कुनबे के मुखिया थे और जैसा कि हर परिवार में मुखिया के निधन के बाद अक्सर होता है, वह मुलायम के परिवार के साथ भी हो सकता है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का विरोध करने वाले उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव अब और मुखर हो सकते हैं। सपा के पूर्व विधान परिषद सदस्य आनंद भदौरिया ने कहा कि मुलायम सिंह यादव स्वास्थ्य कारणों से भले ही राजनीति में सक्रिय न रहे हों लेकिन पार्टी के नेता अक्सर उनसे मिलकर विभिन्न मसलों पर उनसे सलाह लेते थे। पार्टी में कौन क्या कर रहा है, नेताजी (मुलायम) को इसकी खबर रहती थी। उन्होंने कहा, मुलायम सिंह यादव सपा के मार्गदर्शक थे। उन्होंने हमेशा संघर्ष का रास्ता अपनाने और लोगों की मदद करने की सीख दी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जब समाजवादी पार्टी ने बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया था और उसे 80 में से 38 सीटें दे दी थीं तो इस पर मुलायम ने नाराजगी जाहिर की थी। सपा के एक अन्य पूर्व विधान परिषद सदस्य राजपाल कश्यप ने कहा कि मुलायम सिंह यादव पार्टी के मार्गदर्शक होने के साथ-साथ उसे जोड़े रखने वाली शख्सियत भी थे। पार्टी में जब भी मतभेद उत्पन्न होते तो वह उसे समझाने का पूरा प्रयास करते। उनका मानना था कि व्यक्तिगत मतभेदों को पार्टी के विकास के आड़े नहीं आने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव के बीच मतभेद गहरे होने के दौरान मुलायम ने उन्हें एकजुट करने की भरसक कोशिश की। बाद में शिवपाल ने जब प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के नाम से एक अलग दल बनाया तब भी मुलायम उन्हें आशीर्वाद देने पहुंचे। मुलायम सिंह यादव का परिवार देश के सबसे बड़े राजनीतिक कुनबों में गिना जाता है।

समाजवादी विचारों की एक मुखर आवाज मौन हो गई: कांग्रेस

राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान शोक सभा आयोजित कर सपा संस्थापक को श्रद्धांजलि दी

हिरियूर (कर्नाटक)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान यहां अपने विश्राम शिविर में समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की याद में शोक सभा आयोजित कर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। शोक सभा के दौरान कुछ पलों का मौन रखा गया। इस दौरान राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, रणदीप सुरजेवाला और डी.के. शिवकुमार भी मौजूद रहे।

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन पर सोमवार को दुख जताते हुए कहा कि समाजवादी विचारों की एक मुखर आवाज़ मौन हो गई। सोनिया गांधी ने शोक संदेश में कहा, मुलायम सिंह यादव जी के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। समाजवादी विचारों की एक मुखर आवाज आज मौन हो गई। उन्होंने कहा, देश के रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में मुलायम सिंह जी का योगदान सदा अविस्मरणीय रहेगा। उससे कहीं ज़्यादा, शोषितों और वंचितों के लिए उनका संघर्ष सदैव याद किया जाएगा। सोनिया गांधी ने कहा, देश के संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए जब भी जरूरत पड़ी, उनका (मुलायम सिंह यादव का) साथ हमेशा कांग्रेस को मिला है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। उनके परिवार और समर्थकों के लिए यह अत्यंत दुःख की घड़ी है। उन्होंने कहा, मेरी संवेदनाएं अखिलेश यादव और उनके परिजनों के साथ हैं। दिवंगत आत्मा को नमन और भावभीनी श्रद्धांजलि। मनमोहन सिंह ने यादव के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि वह समाजवादी आंदोलन के पुरोधा थे, जिन्होंने गरीबों और अन्य पिछड़े समुदायों की सेवा में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने मुलायम सिंह यादव के पुत्र अखिलेश को भेजे शोक संदेश में यह भी कहा कि मुलायम बहुत उच्च कोटि के नेता थे, जिनका हर पार्टी के लोग सम्मान करते थे। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, मुलायम सिंह यादव जी का निधन एक बेहद दुःखद समाचार है। वह ज़मीनी राजनीति से जुड़े एक सच्चे योद्धा थे। मैं अखिलेश यादव समेत सभी शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने ट्वीट किया,"मुलायम सिंह यादव जी के निधन का दुखद समाचार मिला। भारतीय राजनीति में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, भारत सरकार के रक्षामंत्री एवं सामाजिक न्याय के सशक्त पैरोकार के रूप में उनका अतुलनीय योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा, अखिलेश यादव एवं अन्य सभी प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी शोक संवेदनाएं। ईश्वर मुलायम सिंह यादव जी को श्रीचरणों में स्थान दे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, मुलायम सिंह यादव कद्दावर लोहियावादी नेता थे और हर दल में उनके चाहने वाले थे। उन्होंने (एच डी) देवेगौड़ा और (इंदर कुमार) गुजराल सरकार में रक्षा मंत्री के रूप में और फिर 2002 में एपीजे अब्दुल कलाम का नाम राष्ट्रपति के लिए प्रस्तावित करके महत्वपूर्ण राष्ट्रीय भूमिका निभाई। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कर्नाटक में मुलायम सिंह यादव की याद में शोक सभा आयोजित की और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि प्रियंका गांधी ने अखिलेश यादव से फोन पर बात कर ढांढस बंधाया और संवेदना प्रकट की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मंगलवार को सैफई पहुंचकर मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

अखिलेश व अमर सिंह के साथ सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव — फाइल फोटो

मुलायम ने सपा को सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ खड़े होने के लिए मजबूत विचारधारा दी: पवार

भाषा। मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) को सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ खड़े होने के लिए मजबूत विचारधारा दी और समाजवादी समाज बनाने के लिए काम किया। उत्तर प्रदेश के तीन बार के मुख्यमंत्री रहे यादव का हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एक अस्पताल में सोमवार को निधन हो गया। 82 वर्षीय मुलायम लंबे वक्त से बीमार थे। पवार ने ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, भारत के पूर्व रक्षा मंत्री और समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन का समाचार सुनकर दुखी हूं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, उन्होंने (यादव ने) समाजवादी पार्टी को सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ मजबूती से खड़े होने के लिए मजबूत विचारधारा दी और समाजवादी समाज बनाने की दिशा में काम किया। राकांपा प्रमुख ने कहा, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के सदस्यों, पार्टी के कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों के प्रति हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।

आरएसएस ने सपा संस्थापक के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली(भाषा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि उन्होंने मातृभाषा में शिक्षा एवं भारतीय भाषाओं में प्रशासनिक कार्य को बढ़ावा देने के लिए काम किया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि देश के राजनीतिक क्षेत्र के एक प्रमुख व्यक्तित्व मुलायम सिंह यादव के निधन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी संवेदना व्यक्त करता है। उन्होंने कहा, मातृभाषा में शिक्षा एवं भारतीय भाषाओं में प्रशासनिक कार्य पर उनका आग्रह सर्वविदित था। दिवंगत आत्मा को शांति मिले, यही ईश्वर से प्रार्थना है।

मुलायम ने ज्योति बसु को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव रखा था : नंदा

भाषा। कोलकाता

समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक मुलायम सिंह यादव का कोलकाता से खास जुड़ाव था और उन्होंने ही 1996 में ज्योति बसु को संयुक्त मोर्चा की सरकार का प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, बसु शीर्ष पद पर काबिज नहीं हो पाए क्योंकि उनकी पार्टी मार्क्सवादी कम्युनिस्टी पार्टी (माकपा) इसके खिलाफ थी। वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता ने बाद में संयुक्त मोर्चा सरकार का हिस्सा न बनने के पार्टी के फैसले को ऐतिहासिक भूल करार दी थी। यादव का सोमवार को गुरुग्राम के एक अस्पताल में निधन हो गया। सपा के उपाध्यक्ष किरणमय नंदा ने कहा कि शुरुआत में 13 दलों के गठबंधन संयुक्त मोर्चा के प्रधानमंत्री पद के लिए वी पी सिंह का नाम सामने आया था। हालांकि, वी पी सिंह ने इस पेशकश को ठुकरा दिया था। सपा संस्थापक यादव के करीबी सहयोगी रहे नंदा ने कहा, मुलायम सिंह यादव ने तब कहा था कि ज्योति बसु को प्रधानमंत्री होना चाहिए। वह (यादव) और मैं बंग भवन (दिल्ली) गए और बसु को प्रस्ताव दिया। पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री ने याद किया कि बसु ने उनसे कहा था कि वह प्रधानमंत्री कैसे बन सकते हैं क्योंकि वाम दलों के पास 545 सदस्ईय लोकसभा में पर्याप्त संख्या बल नहीं है। नंदा ने कहा, हमने उनसे (बसु से) कहा था कि आप बस हमारे प्रस्ताव पर हामी भर दीजिए। उन्होंने कहा कि इसके बाद उन्होंने विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेताओं हरकिशन सिंह सुरजीत, एच डी देवेगौड़ा, रामकृष्ण हेगड़े, बीजू पटनायक और लालू प्रसाद से इस प्रस्ताव को लेकर मुलाकात की तथा वे सभी मान गए थे। नंदा ने कहा, यह पूरी पहल मुलायम सिंह ने की थी। नंदा ने कहा कि पार्टी से अनुमति न मिलने के बाद बसु से सुझाव दिया था कि यादव को प्रधानमंत्री बनाया जाए। उन्होंने कहा, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण रूप से कुछ वजहों से मुलायम सिंह यादव प्रधानमंत्री नहीं बन पाए। उन्होंने कहा कि यादव का कोलकाता से करीबी नाता था और समाजवादी पार्टी ने 1992 में अपनी स्थापना के बाद से पांच बार शहर में अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की। राज्य में वाम मोर्चा की सरकार में मंत्री रहे नंदा ने कहा, उनके (यादव) ज्योति बसु से निजी संबंध थे और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री उन्हें बहुत पसंद करते थे। यादव के लंबे समय तक करीबी रहे दिवंगत अमर सिंह भी कोलकाता से थे।

हिंसा की वकालत करने वाले स्वतंत्रता का का रहे दुरुपयोग : जयशंकर

भाषा । कैनबरा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत ने कनाडा में संचालित खालिस्तानी अलगाववादी ताकतों से संबंधित मुद्दों को हमेशा उठाया है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया कि एक लोकतांत्रिक समाज में हिंसा और कट्टरता की वकालत करने वालों द्वारा स्वतंत्रता का दुरुपयोग ना किया जाए। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ 13वीं विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता (एफएमएफडी) के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने कहा कि हालिया सप्ताह में कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियां बढ़ी हैं।

खालिस्तान संबंधी मुद्दे पर किए गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, कनाडा सरकार के साथ हमने लगातार इस मुद्दे पर बात की है, मैंने (खालिस्तान के) मुद्दे पर अपने समकक्ष के साथ भी बातचीत की है। हमने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है कि एक लोकतांत्रिक समाज में हिंसा व कट्टरता की वकालत करने वालों द्वारा स्वतंत्रता का दुरुपयोग ना किया जाए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह समझना जरूरी है कि लोकतंत्र को कैसे काम करना चाहिए....केवल अपने देश में नहीं बल्कि दूसरे देशों के लोकतंत्र के प्रति भी जिम्मेदारी को समझना चाहिए। भारत से कनाडा की यात्रा नहीं करने संबंधी यात्रा परामर्श के बारे में पूछे गए एक सवाल पर जयशंकर ने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि जब हम एक यात्रा परामर्श जारी करते हैं... तब हम अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए यात्रा मिशन के रूप में एक यात्रा परामर्श जारी करते हैं। इसलिए मैं आपसे आग्रह करता हूं कि यात्रा परामर्श में जो लिखा है उससे परे कोई और मतलब न निकालें। टोरंटो में 15 सितंबर को बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में कनाडाई खालिस्तानी चरमपंथियों ने भारत विरोधी नारे लिख दिए थे। इसके बाद भारत ने कनाडा में अपने नागरिकों के खिलाफ बढ़ते घृणा अपराध के मामलों के मद्देनजर 23 सितंबर को एक परामर्श जारी किया था।

ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री से मुलाकात की

कैनबरा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के अपने समकक्ष रिचर्ड मार्ल्स से मुलाकात की और कहा कि दोनो देशों के बीच बढ़ते रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग एक शांतिपूर्ण, समृद्ध और नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करते है। रणनीतिक महत्व के हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव के बीच जयशंकर ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स से मिल कर खुशी हुई। क्षेत्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने एक तस्वीर के साथ ट्वीट किया, हमारी बढ़ती रक्षा और सुरक्षा सहयोग एक शांतिपूर्ण, समृद्ध और नियम आधारित हिंद-प्रशांत सुनिश्चित करती है। तस्वीर में उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के हस्ताक्षर वाला एक बल्ला ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री को तोहफे में देते हुए देखा जा सकता है। जयशंकर सोमवार को कैनबरा पहुंचे और ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर से मुलाकात की तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर चर्चा की।उन्होंने ट्वीट किया, ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर से आज दोपहर कैनबरा मे मिलकर खुश हूं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व, अंतरराष्ट्रीय दृष्टि की जरूरत और वैश्विक कार्यस्थल पर चर्चा कर खुश हूं।

पश्चिमी देशों ने कई दशकों तक भारत को हथियारों की आपूर्ति नहीं की

कैनबरा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत के पास सोवियत और रूसी हथियार इसलिए अधिक है, क्योंकि पश्चिमी देशों ने इस क्षेत्र मे अपने पसंदीदा साथी के रूप मे एक सैन्य तानाशाह को चुना और दशकों तक भारत को हथियारों की आपूर्ति नही की। जयशंकर का इशारा प्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान की ओर था। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ एक संवाददाता सम्मेलन मे जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत और रूस के बीच लंबे समय से संबंध है जिसने निश्चित तौर पर भारत के हितों को साधा है। पाकिस्तान की ओर प्रत्यक्ष रूप से इशारा करते हुए जयशंकर ने कहा, हमारे पास सोवियत और रूस निर्मित हथियार काफी अधिक है। इसके कई कारण है। आपको भी हथियार प्रणालियों के नफा-नुकसान पता है... और इसलिए भी क्योंकि कई दशकों तक पश्चिमी देशों ने भारत को हथियारों की आपूर्ति नही की, बल्कि हमारे सामने एक सैन्य तानाशाह को अपना पसंदीदा साझेदार बनाया। एक ऑस्ट्रेलियाई संवाददाता ने जयशंकर से पूछा था कि यूक्रेन संघर्ष की पृष्ठभूमि मे क्या भारत रूसी हथियार प्रणालियों पर अपनी निर्भरता कम करेगा और रूस के साथ अपने संबंधों पर पुनःविचार करेगा ? पाकिस्तान के अस्तित्व मे आए 73 साल से अधिक समय हो गया है और इतने बरस में आधे से अधिक समय वहां सैन्य शासन रहा है। जयशंकर अपनी न्यूजीलैंड यात्रा सम्पन्न करने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचे है, जहां उन्होंने वोंग के साथ 13वी विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता (एफएमएफडी) की। पिछले महीने, जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा था कि भारत को जब हथियारों की पेशकश की जाती है तो वह अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए विकल्प देखता है। रूस भारत को सैन्य साजो-सामान का प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है। दोनो देश इस बात पर चर्चा कर रहे है कि मॉस्को पर पश्चिमी प्रतिबंधों के मद्देनजर उनके बीच किस तरह का भुगतान तंत्र काम कर सकता है। भारत मे रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने पिछले महीने कहा था कि रूस ने वाशिंगटन के दबाव और अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिम के प्रतिबंधों के बावजूद अपनी सबसे उन्नत, लंबी दूरी की सतह से हवा मे मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली एस-400 की भारत को समय पर आपूर्ति की है।

चीन की धमकी से कोई हल नहीं निकलने वाला : ताइवानी राष्ट्रपति

एपी । ताइपे

ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग–वेन ने सोमवार को कहा कि ताइवान के खिलाफ सैन्य कार्वाई करने की चीन की धमकी पूरी तरह से कोई विकल्प हो कसता और यह केवल दोनों पक्षों के बीच दूरियां ही बढ़ाएगी। ताइवान के राष्ट्रीय दिवस पर साई ने कहा कि चीन को ताइवान की बहुदलीय लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली को कमजोरी समझने और ताइवान के समाज को विभाजित करने का प्रयास करने की गलती नहीं करनी चाहिए। साई ने कहा, मैं बीजिंग के अधिकारियों को यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि सशस्त्र टकराव दोनों पक्षों के बीच पूरी तरह से कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, केवल हमारी संप्रभुता, लोकतंत्र और स्वतंत्रता के प्रति ताइवान के लोगों की प्रतिबद्धता का सम्मान करके ही ताइवान जलडमरू मध्य में रचनात्मक बातचीत को फिर से शुरू करने की नींव रखी जा सकती है।

ताइवानी राष्ट्रपति ने कहा कि देश ने विदेशी हार्डवेयर का आयात बढ़ाकर तथा घरेलू शस्त्र उद्योग के पुनरुद्धार तथा हथियारों के लिए प्रशिक्षण को उन्नत करके चीन के खतरे से अपनी रक्षा करने की कोशिशों को मजबूत किया है। साई के बयान के जवाब में, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने ताइवान के प्रति उसके तल्ख रुख को दोहराते हुए कहा, ताइवान.... एक स्वतंत्र राज्य नहीं है और इसका कोई तथाकथित राष्ट्रपति नहीं है।

PUBLIC NOTICE

Notice is given hereby to public at large that my client is in process of purchasing the lands falling in Khasra No. 30//15/2 min (1-3) & 16 (3-13) admeasuring 4 Bigha and 16 Biswa situated within the revenue estate of village Samalka, Tehsil Vasant Vihar, District New Delhi, New Delhi from its recorded owner namely M/s. Vidu Properties Pvt. Ltd C/o. M-32, Greater Kailash-II, New Delhi. Whereas all persons including the individuals, companies, banks, financial institutions (banking and non banking), firms, creditors, claimants family members etc. having any right, interest, claim, objection in respect of above mentioned land or part of the said land thereof, by way of sale, exchange, mortgage, pledge, charge, maintenance, easement, succession, lease., lien etc. of whatsoever nature are hereby requested to inform the same in writing by registered post or above mentioned email address duly supported by the original documents, to the undersigned at the address below within the period of 10 days from the publication of the instant notice, failing which, the claim or right if any, of the such person shall be considered to have been waived of and/or abandoned.

ABHILASH VASHISHT (ADVOCATE), PLOT NO. 1, BLOCK B-3, MODEL TOWN-1, DELHI – 110009 MOB: 9873700067

PUBLIC NOTICE

This is to inform to the general public that my client Sunheri Lal Chauhan S/o Shri K. L. Chauhan R/o C-68, Panchsheel Vihar, Malviya Nagar, New Delhi-110017, vide Deed for Revocation/Cancellation of General Power of Attorney dated 16th September 2022 duly Notarized has Revoked/Cancelled all the power or authority granted/ delegated/ assigned to Smt. Parvesh Chauhan (Aadhar No. 2059 7346 1839) W/o Shri Sunheri Lal Chauhan R/o C-68, Panchsheel Vihar, Malviya Nagar, New Delhi-110017 vide the General Power of Attorney dated 16th July, 2005 executed at New Delhi and attested by the Notary at Delhi with respect of his immovable Property bearing No. C-68, measuring 86 Sq. yds, in Khasra No. 2233/118, 2234/118, 2235/120, 2236/120 and 121, in Revenue Estate of Village Khirki, Tehsil Hauz Khas known as Panchsheel Vihar, Malviya Nagar, New Delhi-110017. My client shall not be responsible for any acts, deeds or things of the above said Smt. Parvesh Chauhan in future.

NAMAN GUPTA (ADVOCATE)
Ch. No. 502 Lawyers Chamber Block III, Delhi High Court, New Delhi -110017. # 9599780529

वेन्जुअला में आई बाढ़ ने मचाई भीषण तबाही, अब तक 22 लोगों की मौत

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री ने सुनक के सहयोगी को वाणिज्य मंत्री बनाया

भाषा । लंदन

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने सोमवार को ऋषि सुनक के एक सहयोगी ग्रेग हैंड्स को कनिष्ठ वाणिज्य मंत्री बनाया। सुनक कंजर्वेटिक पार्टी का नेता बनने की दौड़ में ट्रस के प्रतिद्वंद्वी थे। लिज ट्रस के इस कदम को सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी को अपने साथ जोड़कर विद्रोहियों की चाल पर अंकुश लगाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

कंजर्वेटिक पार्टी का नेता बनने की दौड़ में शामिल सुनक का ग्रेग हैंड्स ने हाल ही में मुखर समर्थन किया था। अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य विभाग (डीआईटी) में वाणिज्य नीति के प्रभारी मंत्री के रूप में ग्रेग कोनोर बर्न्स का स्थान लेंगे, जिन्हें गंभीर कदाचार के आरोप में हाल ही में पद से बर्खास्त कर दिया गया था। सुनक के उच्च स्तरीय समर्थकों में से एक ग्रेग भी हैं, लेकिन मंत्रिमंडल में उनके शामिल होने का सुनक के अन्य विश्वासपात्र लोगों ने भी समर्थन किया है जो इस बात का संकेत है कि ट्रस पार्टी के दूसरे धड़े को भी जोड़ना चाहती हैं। सुनक के कट्टर समर्थक और पूर्व परिवहन मंत्री ग्रांट शाप्पस ने कहा, व्यापार के मामले में कोई भी व्यक्ति ग्रेग हैंड्स से अधिक अनुभवी और ज्ञानी नहीं है। इस स्वागत योग्य कदम से लिस ट्रस सरकार को मजबूती मिलेगी। सुनक भारतीय मूल के पहले शख्स हैं जो प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल हुए, हालांकि कंजर्वेटिक पार्टी के सदस्यों की ओर से किए गए मतदान के दौरान उन्हें पिछले महीने हार का सामना करना पड़ा। ग्रेग ने कहा कि सरकार का हिस्सा होना एक सम्मान की बात होने के साथ–साथ बड़ा विशेषाधिकार है। भारत–ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को लेकर जारी वार्ता में भी ग्रेग के शामिल होने की संभावना है। माना जा रहा है कि दिवाली की प्रस्तावित अंतिम तिथि तक यह समझौता अपने आखिरी चरण में पहुंच जाएगा। ट्रस सरकार कर संबंधी उस अहम ऐलान से पलट गई जिसमें अमीर लोगों के लिए आयकर की उच्चतम दर को खत्म करने की बात शामिल थी। ऐसे में कंजर्वेटिव पार्टी में असहमति के स्वर उठने को लेकर बढ़ती आशंका के बीच यह नई नियुक्ति की गई।

Public Notice

NOTICE is hereby given that Miss Bhavya Aprajita is owner of Entire Second Floor, Without Roof rights, Property Bearing No. 6/62, area measuring 167.22 Sq. Mtrs., i.e., 200 Sq. Yds., Out of Khasra No. 186 to 191, Situated in the abadi of Gali No. 2, Vishwas Nagar, in the area of Village Karkarkoodma alias Shahdara, Illaqa Shahdara, Delhi by way of Sale Deed dated 30.12.2021 Doc. No. 12040 executed by Mr. Vasu Dev Sharma. Now, Miss Bhavya Aprajita has agreed to create mortgage in respect of the said property in favour of our client IDFC FIRST Bank Limited. Further, if any person, body, individual, institution having any claim, title, interest and /or objection in respect of or against or relating to or touching upon said property or part of the property by way of sale, exchange, lease, lien, mortgage, charge, encumbrance, gift, trust, easement, maintenance, inheritance, testamentary deposition or otherwise or having in their custody any title, documents pertaining the said property shall communicate the same to the undersigned at below mentioned address within 10 days from the publication of this notice with documentary evidence in support thereof, failing which all the claim, of such person shall be considered to have been waived and or abandoned. Any objections raised after the completion of the 10 days shall not be binding upon the said property or my Client & in case anyone has any objection, the same may be raised within 10 days of this publication to Mr. Muneesh Dhawan/ Mr. Sudhir Jain (Advocates), Law Veritas North, Unit no 907, 9th Floor, GD-ITL Tower, (B-08), Netaji Subhash Place, Delhi-110034 or contact at 9066707172/9818228636 (M).

PUBLIC NOTICE

This is to inform to the general public that my client Sunheri Lal Chauhan S/o Shri K. L. Chauhan R/o C-68, Panchsheel Vihar, Malviya Nagar, New Delhi - 110017, vide Deed for Revocation of General Power of Attorney dated 16th September 2022 duly Notarized has Revoked/Cancelled all the power or authority granted/ delegated/ assigned to Mr. Kashish Chauhan (Aadhar No. 587778620060) S/o Shri Sunheri Lal Chauhan R/o C-68, Panchsheel Vihar, Malviya Nagar, New Delhi - 110017 vide the General Power of Attorney as well as Special Power of Attorney both dated 14th September, 2018 executed at New Delhi and attested by the Notary at Delhi with respect of his immovable Property i.e. Entire First Floor and Entire Second Floor of Property bearing No. 76 erected on the plot of land measuring 75 Sq. yds, part of Khasra No. 78, situated at in the abadi of Lal Dora, Village Khirki, Tehsil flauz Khas (Saket), New Delhi - 110017. My client shall not be responsible for any acts, deeds or things of the above said Mr. Kashish Chauhan in future.

NAMAN GUPTA (ADVOCATE)
Ch. No. 502 Lawyers Chamber Block III, Delhi High Court, New Delhi -110017. # 9599780529

PUBLIC NOTICE

This is to inform to the general public that my client Sunheri Lal Chauhan S/o Shri K. L. Chauhan R/o C-68, Panchsheel Vihar, Malviya Nagar, New Delhi - 110017, vide Deed for Revocation/Cancellation of General Power of Attorney dated 16th September 2022 duly Notarized has Revoked/Cancelled all the power or authority granted/ delegated/ assigned to Smt. Parvesh Chauhan (Aadhar No. 2059 7346 1839) W/o Shri Sunheri Lal Chauhan R/o C-68, Panchsheel Vihar, Malviya Nagar, New Delhi-110017 vide the General Power of Attorney dated 15th May, 2000 executed at New Delhi and attested by the Notary at Delhi with respect of his immovable property i.e. One Shop at property bearing no. 76-C situated at Khirki Village, Malviya Nagar, New Delhi, measuring 9'x 1 1'. My client shall not be responsible for any acts, deeds or things of the above said Smt. Parvesh Chauhan in future.

NAMAN GUPTA (ADVOCATE)
Ch. No. 502 Lawyers Chamber Block III, Delhi High Court, New Delhi -110017. # 9599780529

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2025 तक 12.8 अरब डॉलर की होगी: रिपोर्ट

भाषा । नई दिल्ली

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2025 तक बढ़कर लगभग 13 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, उपग्रह प्रक्षेपण सेवा खंड में सबसे तेज वृद्धि होगी और इसमें निजी भागीदारी भी बढ़ेगी।

भारतीय अंतरिक्ष संघ (आईएसपीए) और अर्न्स्ट एंड यंग द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उपग्रहों की बढ़ती मांग के कारण देश में उपग्रह विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनियों को शामिल करने से इस क्षेत्र में वैश्विक स्टार्टअप को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2020 में 9.6 अरब डॉलर थी और इसके 2025 तक 12.8 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। रिपोर्ट का शीर्षक भारत में अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र का विकास: समावेशी वृद्धि पर ध्यान है। रिपोर्ट में कहा गया कि उपग्रह सेवाएं एवं अनुप्रयोग खंड का आकार 2025 तक बढ़कर 4.6 अरब डॉलर हो जाएगा। यह खंड सबसे बड़ा होगा। इसके बाद चार अरब डॉलर के साथ स्थल खंड का स्थान होगा। उपग्रहण विनिर्माण खंड 3.2 अरब डॉलर और प्रक्षेपण खंड एक अरब डॉलर का होगा। रिपोर्ट में कहा गया, भारतीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में निजी कंपनियों को शामिल करने की दिशा में सरकार के सकारात्मक कदम से भारतीय अंतरिक्ष प्रक्षेपण को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रक्षेपण सेवा खंड का आकार 2020 में 60 करोड़ डॉलर था और 2025 तक इसके एक अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

छोटी कंपनियां गिफ्ट सिटी का उपयोग कर दो जगह सूचीबद्धता पर विचार करें: गोयल

भाषा । नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को छोटी कंपनियों से पूंजी जुटाने का विकल्प बढ़ाने के लिए गिफ्ट सिटी का उपयोग कर दोहरी सूचीबद्धता पर विचार करने को कहा। मंत्री ने कहा कि छोटी कंपनियों के पास गांधीनगर के गिफ्ट सिटी में मुख्य शेयर बाजार के एसएमई (लघु एवं मझोले उद्यम) मंचों पर सूचीबद्ध होने का विकल्प है। बीएसई के एसएमई मंच पर 400वीं कंपनी के सूचीबद्ध होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि पूंजी जुटाने के और विकल्पों पर गौर करने की जरूरत है। इससे छोटी कंपनियों को गति मिल सकती है। गोयल ने कहा, आप गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र पर गौर कर सकते हैं। हमें यह भी देखने की जरूरत है कि क्या हम इन कंपनियों में से कुछ को गिफ्ट सिटी मंच पर सूचीबद्ध होने या मुंबई और

गिफ्ट सिटी में दोहरी सूचीबद्धता की संभावना टटोलने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं? उन्होंने कहा कि दोहरी सूचीबद्धता से घरेलू पूंजी के साथ–साथ उन कंपनियों से अंतरराष्ट्रीय कोष जुटाने में मदद मिलेगी, जो वहां अपनी इकाई स्थापित कर चुकी हैं या उसकी प्रक्रिया में है। गोयल ने कहा, एसएमई मंच की काफी संभावना है और हमें इसके बेहतर तरीके से प्रचार–प्रसार पर भी ध्यान देने की जरूरत है। हमें और घरेलू निवेशकों के साथ अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को जोड़ने की आवश्यकता है।

उन्होंने इसका भी जिक्र किया कि 150 छोटी कंपनियां पहले एसएमई मंच पर सूचीबद्ध हुईं और अब वे मुख्य मंच पर कारोबार कर रही हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार ने महामारी से प्रभावित छोटे उद्यमों को व्यवस्थित तरीके से पटरी पर लाने के लिए ईसीएलजीएस (आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना) और ट्रेड्स (व्यापार प्राप्त छूट प्रणाली) के साथ कई उपाय किए हैं। स्टार्टअप के बारे में उन्होंने कहा कि देश में इस समय में 100 से अधिक यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर या उससे अधिक मूल्यांकन वाले) और 70 से 80 सूनीकॉर्न हैं जो यूनिकॉर्न बनने के रास्ते पर हैं। सूनीकॉर्न उन स्टार्टअप को कहते हैं, जिनमें यूनिकॉर्न बनने की क्षमता और संभावना है।

जेपी समूह की दो कंपनियां अपना सीमेंट कारोबार बेचेंगी

नई दिल्ली। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड और जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड ने कर्ज कम करने के लिए अपने सीमेंट कारोबार के साथ कुछ गैर–प्रमुख संपत्तियों को बेचने की योजना बनाई है। ए दोनों कंपनियां जेपी समूह का हिस्सा हैं और पिछले कुछ समय से कारोबार संबंधी चुनौतियों का सामना कर रही हैं।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Gurpreet Singh is the owner of Built up Third floor, with roof rights, part of Property bearing No. BE-390, area measuring 100 Sq., Yds., out of Khasra No. 1914, Situated in the area of Village Tihar, colony known as Hari Nagar, New Delhi vide Gift Deed dated 28.07.2022, Doc No. 18511. All persons are hereby informed that M/s Shree Krishna Industries wants to mortgage the said property and intend to obtain a loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

RAM GOPAL COLLEGE OF PHARMACY
RGCP
Sultanpur, Tehsil-Farrukhnagar, Near Sultanpur Bird Sanctuary, Distt. Gurgaon, Haryana
Affiliated to Pt. B.D.Sharma University of Health & Sciences, Rohtak & Pharmacy Council of India (PCI) and State Govt. Haryana

ADMISSION NOTICE FOR SESSION 2022-23
(For Management quota, Leftover seats, Vacant Seats)

LEET (LATERAL ENTRY: 3 Years)
Admission Procedure: Candidates shall have passed D.Pharmacy with minimum 50% marks. **Admission on merit based only.**

Last date of submission of application form - 20/10/2022 till 5:00 pm
Display & merit list and deposition of fees - 22/10/2022 till 04:00 pm
Website - www.ramgopalcollege.com

Public Notice

This is to inform general public that Mr. Prem Chand Jain has acquired the Property Bearing No. Wz-256-G, area measuring 92 Sq. yds. out of Khasra No. 1595 Situated in the area of Village Narania, In the Abadi of Indirapuri, New Delhi-110012 by way of two documents i.e. Release/Relinquishment Deed dated 04.02.2009, Doc no. 860 and Relinquishment Deed dated 13.10.2021 Doc. no. 5163. Now, Mr. Prem Chand Jain is intending to sell the above said property to Mr. Amarnath and Further, Mr. Amarnath is mortgaging the above said property with Fullerton India Home Finance Co. Ltd. & in case anyone has any objection, the same may be raised within 07 days of this publication to Mr. Muneesh Dhawan/ Mr. Sudhir Jain (Advocates), Law Veritas North, Unit no 907, 9th Floor, GD-ITL Tower, (B-08), Netaji Subhash Place, Delhi-110034 or contact at 9066707172/9818228636 (M).

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, शाल टावर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

सार्वजनिक सूचना
बिल्डर निरसन

आपको सूचना दी जाती है कि आनंद सूर्यकांत जी देशमुख/हितेश (कर्जदार/रों) ने सुविधा अनुबंध संख्या एलबीजीयूआर00004577872 तथा पता फ्लैट नंबर 908, ब्लॉक नंबर बी–06, 9वां तल, अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट "एवीएल36गुड़गांव", सेक्टर–36 ए, गुरूग्राम, मानेसर अर्बन कॉम्प्लेक्स, हरियाणा के माध्यम से आवास ऋण सुविधा प्राप्त की है।

कर्जदार अनुबंध के नियम एवं शर्तों के अनुसार बिल्डर को संविदात्मक राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं।

बैंक उसकी सूचना कर्जदार को पत्र दिनांकित 06 अक्टूबर, 2022 के माध्यम से दे चुका है, जिसमें सूचित किया गया है कि एवीएल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने उपरिवर्णित सम्पत्ति का आबंटन निरस्त कर दिया है। अतएव आपसे अनुरोध किया जाता है कि बिल्डर के साथ यह मामला इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के भीतर सुलझा लें।

कृपया आगे सूचित हों कि उक्त सम्पत्ति का आबंटन निरस्त होने के बाद आईसीआईसीआई बैंक बिल्डर द्वारा किसी अन्य आबंटन के लिए बाध्य तथा/अथवा जिम्मेदार नहीं होगा।

दिनांकित : 11 अक्टूबर, 2022 वास्ते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
स्थान : दिल्ली हस्ता./–

कमजोर वैश्विक रुख से सेंसेक्स 200 अंक टूटा

● यूक्रेन संकट गहराने के बीच विदेशी बाजारों में बिकवाली के रुख और अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि भी बनी वजह

भाषा । मुंबई

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई और बीएसई सेंसेक्स 200 अंक से अधिक टूटकर बंद हुआ। यूक्रेन संकट गहराने के बीच विदेशी बाजारों में बिकवाली के रुख और अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि की आशंका से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिससे बाजार में गिरावट आई।

कारोबारियों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की निकासी के बीच अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपए के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने से भी बाजार धारणा पर असर पड़ा। दिन में कारोबार के दौरान 800 अंक से अधिक गिरने के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 200.18 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,991.11 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 73.65 अंक यानी 0.43 प्रतिशत टूटकर 17,241 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स में सबसे अधिक 1.99 प्रतिशत की गिरावट आई। टाइटन, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी और नेस्ले इंडिया के शेयर भी प्रमुख रूप से गिरावट में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में एक्सिस बैंक, टीसीएस, मारुति, विप्रो, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक्नोलॉजीज शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिका के मजबूत रोजगार के आंकड़ों के कारण अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका ने वैश्विक बाजारों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा, कम आपूर्ति और उच्च मांग को देखते हुए अमेरिका में मुद्रास्फीति ऊंची रहने का अनुमान है। नायर ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और रुपए में गिरावट से भारत में विदेशी कारकों से आने वाली मुद्रास्फीति का खतरा बढ़ रहा है, जिससे घरेलू बाजार प्रभावित हो रहा है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि वैश्विक कारकों और यूक्रेन में बढ़ते भू–राजनीतिक जोखिमों के कारण भारतीय शेयर दबाव में आ गए। इसके अलावा व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप 0.87 प्रतिशत और स्मॉलकैप 0.58 प्रतिशत गिर गया। रूस की मुख्य भूमि को क्रीमिया से जोड़ने वाले पुल पर हुए विस्फोट के जवाब में रूस के यूक्रेन पर बम विस्फोटों के बाद वैश्विक बाजारों में उतार–चढ़ाव आया। एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.14 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 2,250.77 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

टीसीएस का लाभ 8.4 प्रतिशत बढ़कर 10,431 करोड़

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा निर्यातक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत बढ़कर 10,431 करोड़ रुपए रहा है। टाटा समूह की कंपनी ने सोमवार को कहा कि सेवाओं से उसकी कुल आय आलोच्य तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 54,309 करोड़ रुपए रही। कंपनी की आय एक साल पहले 2021–22 की जुलाई–सितंबर तिमाही में 46,867 करोड़ रुपए जबकि शुद्ध लाभ 9,624 करोड़ रुपए रहा था। हालांकि, टीसीएस का परिचालन मार्जिन 1.24 प्रतिशत कम होकर 24 प्रतिशत रहा। कंपनी ने सितंबर तिमाही में शुद्ध रूप से 9,840 कर्मचारियों को नौकरी दी। इसके साथ उसके कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 6.16 लाख हो गई है। इस मामले में वह क्षेत्र में सबसे बड़ी नियोक्ता हो गई है। टीसीएस का शेयर बीएसई में 1.84 प्रतिशत बढ़कर 3,121.20 रुपए पर बंद हुआ।

सार्वजनिक सूचना

मैं, परमजीत सिंह (Paramjeet Singh) पुत्र धरम सिंह निवासी जे–43, यूजीएफ, आरबीआई एन्क्लेव, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–110063 ने सभी प्रयोजनों हेतु अपना नाम बदल कर परमजीत सिंह (Paramjit Singh) रख लिया है।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि शहनाज बेगम पत्नी हसमुद्दीन, ने ग्राम खुरेजी खास, शाहदरा, दिल्ली के राशिद मार्केट एक्सटेंशन की आबादी में स्थित संपत्ति सं. 54–ए, एरिया परिमाप 20 वर्ग गज, खसरा नंबर 19/23 में से, पंजीकृत जनरल पावर अटॉर्नी दिनांक 06.12.2007 के आधार पर मालिक हैं सभी व्यक्तियों को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि फिरदौस परवीन उक्त संपत्ति को फुलर्टन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी के साथ शहनाज बेगम पत्नी हसमुद्दीन से पंजीकृत बिक्री विलेख के माध्यम से खरीद रही है। आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/अधिकार है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें।

श्रीमती प्रसून लता, अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
यूनिट नंबर 7, बेसमेंट, प्लॉट नंबर सी 78, सेक्टर 2, नोएडा, यूपी 201301
ईमेल: sgassociatespl@gmail.com
फोन : 7011172764, 8130200837

MODI RUBBER LIMITED
CIN: L25199UP1971PLC003392,
Registered Office: Modinagar - 201204; Dist. Ghaziabad, (U.P.)
Corporate Office: 4-7C, DDA Shopping Centre, New Friends Colony, New Delhi-110025; Website: www.modirubberlimited.com
Email: investors@modigroup.net; Phone: +91-11-47107398

NOTICE

Notice is hereby given that the Company is processing for issuance of duplicate Share Certificates in pursuance of intimation about the loss of shares certificates having the following particulars:-

S. No.	Name of the Shareholders	Folio No.	No. of Shares	Certificate No.	Distinctive No.
1.	MODI INDUSTRIES LIMITED	M000115	800000	00000917	000735993-001535992

Public is cautioned against purchasing or otherwise dealing with the above mentioned share certificates. A Duplicate thereof will be issued to the shareholders, unless any objection is received by the undersigned within 15 days from the date of publication of this notice.

For Modi Rubber Limited
Sd/-
(S K Bajpai)
Head-Legal & Company Secretary

Place : New Delhi
Date : 10.10.2022

काशी विश्व का अनूठा शहर, यहां नौकरी नहीं की जाती है सेवा:दीपक

- शिव नगरी में काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात
- साढ़े चार साल मेरे सेवा काल के सबसे अच्छे दिन रहे: .निवर्तमान कमिश्नर
- वर्तमान कमिश्नर कौशल राज शर्मा को कर्मठ अधिकारी बताते हुए उम्मीद व आशा जताई कि काशी और अधिक ऊंचाइयों को छुयेगा

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

मंडलीय सभागार में आयोजित विदाई समारोह में निवर्तमान कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने काशी को विश्व का अनूठा शहर बताते हुए पिछले साढ़े चार साल के कार्यकाल को अद्भुत व अविस्मरणीय बताया। जिसको आजीवन भुलाया नहीं जा सकता। बनारस में अपने कार्यकाल को सेवा भाव से जोड़ते हुए निवर्तमान कमिश्नर ने कहा कि यहाँ कोई नौकरी नहीं करता यहां सेवा की जाती है। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम परियोजना के बनने व समय से उद्घाटन को एक चुनौतीपूर्ण कार्य बताते हुए इसमें मिले सभी के सहयोग के प्रति आभार जताया। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि काशी प्रधानमंत्री का लोकसभा क्षेत्र होने के नाते कई बड़ी परियोजनाओं का केंद्रबिंदु रहा। जिसमें विविध विभागों का अहम योगदान थाए परंतु सभी ने मिलकर आने वाली समस्याओं को सुलझाने का काम किया। इसके लिए सभी लोग बधाई के पात्र हैं। उन्होंने इतनी सारी परियोजनाओं के सकुशल संपन्न होने के पीछे जमीनी स्तर के कर्मचारियों का धन्यवाद किया। क्योंकि अधिकतर श्रेय ऊपर के अधिकारियों को ही मिलता है। कमिशनरी को एक छोटा परिवार बताते हुए इसमें आने वाले सभी के प्रति उन्होंने आभार भी जताया। बनारस में बाबा विश्वनाथ का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता हैए सरकारी कर्मचारी तो आता.जाता रहता। यहाँ के लोगों को बाबा का विशेष आशीर्वाद प्राप्त है। काशी में सेवा की जाती हैए जिसको हम सभी ने पूरी जिम्मेदारी के साथ किया। उन्होंने इस अवसर पर सभी के प्रति कृतज्ञता जताते हुए कहा कि अगर उनकी कोई बात किसी को बुरी लगी हो तो उसके लिए खेद है क्योंकि वो बातें तात्कालिक रही होंगी। उन्होंने अपने आस.पास के कर्मचारियों के प्रति भी आभार जतायाए जो उनके साथ साये के रूप में रहे। उन्होंने वर्तमान कमिश्नर कौशल राज शर्मा को एक कर्मठ अधिकारी बताते हुए कहा कि जितना सहयोग आपने मेरा किया था उससे ज्यादे सहयोग आप इनका करियेगा तथा आशा जताई कि बनारस आपके नेतृत्व में नित नई ऊंचाइयों को छुयेगा। अंत में उन्होंने कहा कि इसी तरह बनारस का रस बना रहेए जय हो बनारसए बनारस की जय हो। विदाई समारोह में वर्तमान कमिश्नर कौशल राज शर्माए मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपालए नगर आयुक्त प्रणय सिंहए वीडीए सचिव सुनील वर्मा समेत अधिकारी गण व गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अद्भुत रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए मिला समर्पण और समर्थन

प्रयागराज। धीरज जिंदल द्वारा निर्देशित और संडे फिल्म्स द्वारा निर्मित यह शॉर्ट फिल्म एक हल्का फुल्का मनोरंजन है। जो गुलशन ग्रोवर और मनु ऋषि चड्ढा के किरदार वाले दो भोले भाले चोरों की कहानी है। ये दोनों चोरी से रिटायर होने की योजना बनाते हुए एक आखिरी डकैती की प्लानिंग कर रहे हैं ताकि उनके पास बची हुई जिंदगी को जीने के लिए धन की कमी न रहे। हालांकि किस्मत ने इन दोनों के लिए कुछ और ही तय कर रखा है। रॉयल स्टैग बैरल सेलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स ने आज अपनी नई शॉर्ट फिल्म बज गई सीटी को रिलीज कर दिया। फिल्म में बॉलीवुड के दिग्गज बैडमैन गुलशन ग्रोवर एक नए हास्य अवतार में नजर आयेंगे। वहीं समीक्षकों द्वारा सराहे गए अभिनेता मनु ऋषि चड्ढा और कोटा फैक्ट्री की नई पीढ़ी के कलाकार मयूर मोरे और आलम खान व सोनू के टीटू की स्वीटी फेम प्रीतम जायसवाल भी इस फिल्म में अपने अभिनय के रंग बिखेरते हुए नजर आएंगे। फिल्म अस्तित्व संकट के इर्द गिर्द घूमती है। जिसका सामना दो चोर कर रहे हैं क्योंकि उम्र उनका साथ छोड़ रही है और वह रिटायरमेंट से पहले आखिरी चोरी की योजना बना रहे हैं। जिस घर में चोरी करना है उसी घर में खाना पकाने की एक अजीब आदत के कारण बावर्ची गिरोह के रूप में प्रसिद्ध ये चोर अपनी इसी आदत की वजह से अजीबोगरीब स्थिति में फंस जाते हैं। जिसमें प्रेशर कुकर की सीटी जोर से बजती है और कॉलेज के तीन निर्दोष छात्र भागते हुए ठिकाने की तलाश में उस घर में रात बिताने के लिए आ जाते हैं। लार्ज शॉर्ट्स फिल्म्स प्लेटफॉर्म का अद्भुत रचनात्मक सामग्री को प्रदर्शित करने के लिए समर्पण और इसका समर्थन करने के लिए हर संभव प्रयास काबिले तारीफहै।

अफसर बेफिक्र, कंटीले तारों से मौत के मुंह में जा रहे गौवंश

- नुकीले, कंटीले व ब्लेड युक्त तारों को खेतों में लगाने पर सरकार ने लगा रखा है प्रतिबंध, शासन के बार-बार जारी हो रहे आदेशों को हवा में उड़ा रहे हैं अधिकारी
- पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव ने पशु क्रूरता के तहत कार्रवाई करने के दिए हैं आदेश, अजब मुसीबत में फंसा किसान, अब फसल बचाने के लाले

फतेहपुर। ये कैसी विडंबना है कि आवारा गौवंशों से फसलों को बचाने के साधन भी किसान नहीं अपना सकते। नुकीले, कंटीले एवं ब्लेड युक्त तारों को खेतों में लगाने पर सरकार ने पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। शासन के बार-बार हो रहे आदेशों के बावजूद अधिकारी बेफिक्र हैं और निर्देशों को हवा में उड़ाए हैं। जिसका नतीजा है कि खेतों में लगाए गए कटीले तारों से आए दिन घायल होकर गौवंश मौत के मुंह में समा रहे हैं। वैसे तो आवारा गौवंशों को सुरक्षित स्थानों में रखने के लिए 47 गौ-आश्रय स्थल फतेहपुर जिले में बनाए गए हैं। जहां 12634 गौवंश निरुद्ध हैं। 1425 गौवंश ऐसे हैं जिन्हें सहभागिता योजना के तहत लोगों को घरों में पालने के लिए दिए गए हैं। बावजूद इसके हजारों की तादाद में गौवंश छुट्टा घूम रहे हैं और किसानों व आमजन के लिए मुसीबत बने हुए हैं। किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं तो लोगों के इन आवारा जानवरों की चपेट में आकर घायल होने की आए दिन खबरें मिल रही हैं। सरकारी व्यवस्थाओं के नाकाफी होने के बाद किसानों ने कंटीले तार लगाकर फसलों की रखवाली शुरू की तो अब उसमें भी ग्रहण लग गया है। सरकार ने कटीले तारों को लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसे पशु क्रूरता में लिया गया है। कंटीले तार लगाने वाले किसानों को मुकदमा दर्ज कर जेल भेजे जाने की व्यवस्था की गई है। किसानों को आवारा जानवरों से फसलों को बचाने के लिए पतली रस्सी का प्रयोग करने की छूट दी गई है।17 जुलाई 2017 को उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग की हुई बैठक में गौवंशों को घायल होने से बचाने के लिए किसानों को खेतों में नुकीले, कंटीले एवं ब्लेड युक्त तारों को लगाने पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी। आयोग की संस्तुति के बाद सरकार ने अमल करते हुए 16 मार्च 2018 एवं 13 जुलाई 2021 को जिलाधिकारियों को पत्र निर्गत कर सख्त आदेश दिए कि खेतों में नुकीले तारों को लगाने वाले किसानों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ0 रजनीश दुबे ने खेतों में कंटीले तारों को लगाने वाले किसानों पर पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत कार्रवाई करने के भी आदेश जारी किया था। हाल ही में गत 22 सितंबर को रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र निदेशक डॉ0 पीके सिंह ने भी सभी मुख्य पशु चिकित्साधिकारियों को इस बाबत पत्र जारी कर निर्देश दिया है लेकिन बार-बार शासन से जारी हो रहे आदेशों को जिले के अधिकारियों ने हवा में उड़ा दिया है। इसी का नतीजा है कि किसान खेतों में कंटीले, नुकीले व ब्लेड युक्त तार लगा रखे हैं जिनकी चपेट में आने से आए दिन गौवंश घायल हो रहे हैं और मौत के मुंह में समा रहे हैं। इतना ही नहीं कई जगह तारों में करंट लगाने की भी घटनाएं सामने आ रही हैं। इसे रोकने के कोई भी कारगर कदम नहीं उठाए गए हैं। घायल पशुओं को 24 घंटा इलाज मुहैया कराने के लिए जिला मुख्यालय में स्थित एक अस्पताल को हर समय संचालित करने का भी आदेश प्रमुख सचिव ने जारी किया।

डीएम ने अफसरों के कसे पेंच, कहा-कर वसूली में ढिलाई हुई तो खैर नहीं

बांदा। जिलाधिकारी अनुराग पटेल की अध्यक्षता में कर.करेत्तर एवं राजस्व वसूली राजस्व कार्य सम्बन्धी स्टाफ बैठक कलेक्टेऊ्ट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्टाम्प एवं पंजीकरणए व्यापार करए परिवहन विभागए विद्युतए नगर पालिका तिन्दवारी एवं नरैनी तथा मण्डी बांदा के करों की वसूली कम पाये जाने पर सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली शत.प्रतिशत् की जाए अन्यथा उनके विरूद्ध कडी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वित्तीय वर्ष के छः माह बीत गये हैंए अतः प्रवर्तन कार्यों में तेजी लाकर करों की वसूली बढायी जाए। उन्होंने व्यापार कर को अभियान चलाकर प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिये। इसी प्रकार परिवहन विभाग को निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने तथा विद्युत विभाग को भी निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति खराब पाये जाने पर सुधार करने के निर्देश दिय। बैठक में मण्डी सचिव बांदा के अनुपस्थित रहने पर एवं करों की वसूली कम पाये जाने पर प्रतिकूल प्रविष्टि दिये जाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने आबकारी तथा परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आबकारी के द्वारा अवैध शराब की विक्री के प्रति अभियान चलाकर सघन चेकिंग की जाए। उन्होंने परिवहन विभाग एवं जी0एस0टी0;व्यापर करद्ध तथा खनन विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से प्रवर्तन कार्य में तेजी लाकर ओवर लोडिंग के विरूद्ध चेकिंग अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये और करों की वसूली के लक्ष्य के अनुरूप प्राप्त किये जाने के सम्बन्ध में निर्देश दिये। उन्होंने नगर पालिका बांदा के अधिशाषी अधिकारी को करों की वसूली में तेजी लाने के साथ बकाया की वसूली के आर0सी0 जारी कराने के निर्देश दिये।

दुष्कर्म पीड़िता को गर्भवती होने पर किया आग के हवाले, गंभीर

मैनपुरी। जिले में कुरावली थाना क्षेत्र के एक गांव में 25 वर्षीय एक युवक ने कथित तौर पर बलात्कार की शिकार 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को गर्भवती होने पर शनिवार रात मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा दी। पीड़िता का सैफई मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार, आरोपी की मां को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य आरोपियों को पकड़ने का प्रयास जारी है। पीड़िता से लगभग तीन महीने पहले बलात्कार किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को पीड़िता के पेट में दर्द होने पर उसकी माँ उसे एक डॉक्टर के पास ले गई जहां डॉक्टर ने बताया कि वह गर्भवती है। उन्होंने दर्ज मामले के आधार पर कहा कि इसके बाद लड़की की मां ने आरोपी युवक की मां से शिकायत की और उसकी शिकायत पर आरोपी की मां तथा बहन उसे अपने घर ले गईं तथा अभिषेक (आरोपी) से उसकी शादी कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि लेकिन शनिवार रात आरोपियों ने पीड़िता पर मिट्टी का तेल छिड़ककर उसे आग के हवाले कर दिया। पुलिस अधीक्षक कमलेश दीक्षित ने कहा कि पड़ोसियों ने पीड़िता को बचाया और गंभीर रूप से झुलसी किशोरी को अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। दीक्षित ने सोमवार को कहा कि इसके बाद उसकी मां ने शनिवार को कुरावली थाने में शिकायत दर्ज कराई और अभिषेक सिंह (बलात्कार का आरोपी), उसकी मां मीरा देवी और बहन के खिलाफ आग लगाकर जान से मारने का प्रयास करने का मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि मीरा देवी को शनिवार को गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस अभिषेक और उसकी बहन के संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है तथा जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह नाबालिग लड़की के इलाज पर नजर रखे हुए हैं और उसे तथा परिवार के सदस्यों की हरसंभव मदद की जा रही है।

कार्यशाला का शुभारम्भ

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग द्वारा संचालित व्यावहारिक मनोविज्ञान एवं राज कृष्णा न्यूरो साइकियाट्रिक सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। इसकी शुरूआत प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो0 अनूप कुमारए डॉण् सुरेंद्र मिश्रा एमण्डीण् साइकेट्रिस्ट अयोध्या के डॉ0 कुंवर वैभवए कंसलटेंट साइकोलोजिस्टए ट्रांस हेल्थ क्लिनिकए लखनऊ की प्रीती जोशीए साइकोलोजिस्ट एवं सर्टिफाइड कॅरियर मेंटर के आशुतोष उपाध्याय व कंसलटेंट साइकोलोजिस्ट के ग्रिजेन्द्र चंद्र श्रीवास्तव द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया।

भारत विकास परिषद ने कराईं प्रतियोगिताएं

गाजीपुर। जनपद में संस्कृति सप्ताह के अंतर्गत भारत विकास परिषद की ओर से बाबा गंगादास आश्रम बयेपुर देवकली पर वृक्षारोपण एवं महिलाओं की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।वृक्षारोपण के तहत बीजू आम तथा मौलश्री का पौधा मात्र शक्ति व अन्य लोगों द्वारा लगाए गए।महिलाओं के बीच चूड़ी तेरे नाम की ए प्रतियोगिताए मेहंदीए बिंदीए व पासिंग द पार्सलए प्रतियोगिता काफी दिलचस्प रहीए कांटे के संघर्ष में बिंदी तेरे नाम में अनीता तिवारी प्रथमए रंजू द्वितीय व सुशीला गुप्ता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया एचूड़ी प्रतियोगिता में श्रीमती माला प्रथमए अनीता तिवारी द्वितीय व सुशीला गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीए मेहंदी प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में गायत्री तिवारी तथा वरिष्ठ वर्ग में रीना पांडे ने परचम लहराया ।पासिंग द पार्सल में संस्था की वरिष्ठ श्रीमती प्रतिभा शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।कार्यक्रम का संचालन महिला संयोजिका निरुपमा उपाध्याय व पूर्व महिला संयोजिका अंजना राय ने किया।

जरूरतमंद और कमजोर लड़कियों की पढ़ाई महामारी से हुई प्रभावित

प्रयागराज। कोविड महामारी ने पांच से अठारह आयु वर्ग की लड़कियों की शिक्षा को कैसे प्रभावित किया। यह समझने के लिए एजुकेट गर्ल्स ने राजस्थान मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के गांवों में नौ सौ से अधिक घरों की माताओं लड़कियों और लड़कों के साथ एक व्यापक अध्ययन किया। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर उन्नाव और रायबरेली में अध्ययन किया गया था। उत्तर प्रदेश में आयोजित चर्चाओं में भाग लेने वाली लगभग तीस फीसद लड़कियों की या तो शादी हो चुकी थी या सगाई हो गई थी। महामारी के बाद से किशोरियों 15 से 18 वर्ष की बालिकाओं के लिए घर के कामों में लगने वाले समय में अधिक वृद्धि हुई है। राजस्थान में सभी चर्चाओं में लड़कियों ने उल्लेख किया कि उनकी शादी के प्रस्तावों में वृद्धि हुई है। चार में से तीन किशोरियां स्कूल शुरू होने पर भी घर के कामों के बोझ में दबी हुई हैं।ग्रामीण भारत में लड़कियों की शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाली भारतीय गैर.लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स ने महामारी के प्रभाव का अनुमान लगाने के लिए दलबर्ग इंटरनेशनल एडवाइजर्स के समर्थन से नवंबर और दिसंबर दो हजार इक्कीस के दौरान एक अध्ययन किया। अध्ययन के लिए राजस्थान मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में पांच से अट्ठारह आयु वर्ष की लड़कियों पर हुए महामारी के प्रभाव का अनुमान लगाने के लिए माताओं के साथ साथ तीन हजार दो सौ से अधिक लड़कियां और लड़के इस अध्ययन में शामिल हुए थे। कोविड 19 महामारी से लगे लॉकडाउन ने सभी को प्रभावित किया लेकिन दुनिया के सबसे गरीब लोगों पर इसका असर और भी ज्यादा प्रभावी रहा। लड़कियां और विशेष रूप से जरूरतमंद और कमजोर समुदायों की लड़कियां सबसे अधिक प्रभावित हुईं है। एजुकेट गर्ल्स भारत में ऐसी ही जरूरतमंद और कमजोर लड़कियों के जीवन में महामारी से हुए परिवर्तनों और स्कूल लौटने की संभावनाओं को समझना चाहती थीं। जिन गांवों में स्कूल खुल चुके हैं वहां करीब 94 फीसदी लड़कियां और 96 फीसदी लड़कों ने कहा कि वे स्कूल जा रहे हैं। कई लड़कियों ने लॉकडाउन के दौरान हुई गरीबी के साथ अन्य परिस्थितियों के कारण जल्द शादी का खतरा होने की संभावना व्यक्त की है।

डेंगू को लेकर विभाग ने दो दर्जनों नर्सिंग होम व पैथालाजी सेन्टरों को दिया नोटिस

मिर्जापुर। डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को दो दर्जनों नर्सिंग होम व पैथालाजी सेन्टरों को नोटिस पकड़ाया। ये अनाधिकृत रूप से डेंगू को लेकर पैसा वसूलने का काम करते थे। इस आशय की जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद ने दी। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि डेंगू साधारण बीमारी है इसके लिए जिले के निजी चिकित्सालयों को अब एलिजा की जांच के बाद ही डेंगू का मरीज घोषित करना होगा और सूचना सीएमओ आफिस को देना होगा उसके बाद ही उपचार करना होगा। डेंगू के नाम पैसा ऐठने वाले दो दर्जन निजी चिकित्सालयों व पैथालाजी सेटरों को नोटिस दे दिया गया है इसके बाद भी अगर वे नही माने तो चिकित्सालय सील के साथ ही एफआईआर दर्ज कराने का भी काम किया जायेगा। अभी तक जिले में केवल 77 मरीजों का सैम्पल अधिकृत लैब बीएचयू व पीजीआई भेजा गया जिसमें केवल मात्र 14 ही डेंगू के मरीज निकलकर आये है और अभी तक डेंगू बुखार से किसी की भी मौत नहीं हुई है। जिला मलेरिया अधिकारी संजय द्विवेदी ने बैठकबताया कि डेंगू का एडीज नामक मच्छर हमेशा साफ पानी में ही पैदा होता है।

महिलाओं के लिए गर्व की बात

वाराणसी। महिलाओं के लिए विशेष रुप से हमेशा से अग्रणी किया इंडिया ने अंडर-17 वुमंस वर्ल्डकप इंडिया 2022 में परिवहन के जुड़ी जरूरतों को पूरी करने के लिए फीफा को अपनी प्रोडक्टरेंज में से 68 वाहनों की आपूर्ति की है। देश में सबसे तेजी से बढ़ते कार निर्माताओं में से एक सात अक्टूबर 2022 को नवी मुंबई के डीवाय पाटिल स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में किआ कारेन्स की तीस यूनिट्स, किआ कार्निवल की बीस यूनिट्स और किआ सेल्टोस की अठारह यूनिट्स फीफा अधिकारियों को सौंपी गईं हैं। दुनियाभर में लाखों फुटबॉल प्रशंसक फीफा टूर्नामेंट को फॉलो करते हैं और इस तरह के प्लेटफॉर्म से जुड़कर हम बड़े पैमाने पर किआ के प्रति उत्साही लोगों तक पहुंच सकते हैं।

गोंडा में जिलाधिकारी उज्जवल कुमार और पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने सोमवार को खरगूपुर क्षेत्र में रुपईडीह विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुरासी, लोनियन पुरवा और मझौवा का दौरा कर बाढ़.प्रभावित ग्रामीणों का हाल जाना। इस दौरान गांव वालों को राहत सामग्री वितरित की गई

मानसिक स्वास्थ्य दिवस में बचाव के तरीके बताए

गाज़ीपुर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस जो प्रत्येक वर्ष 10 अक्टूबर को पूरे देश में मनाया जाता है इसी को लेकर आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन सीएमओ डॉक्टर गोविंद सिंह की अध्यक्षता में किया गया और इस अवसर पर लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति कैसे जागरूक रहना है और अन्य को करना है इस बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। सीएमओ डॉ हरगोविंद सिंह ने बताया की हर साल 10 अक्टूबर को ष्विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवसष् मनाया जाता है। वर्ल्ड फेडरेशन फॉर मेंटल हेल्थ और वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने मिलकर वर्ष 1992 में 10 अक्टूबर के दिन ष्वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डेष् सेलिब्रेट करने की घोषणा की थी। उसके बाद से यह दिन प्रत्येक वर्ष मनाया जाने लगा। इस दिन को मनाने का उद्देश्य है मानसिक स्वास्थ्य के बेहतर बनाए रखने के प्रति लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है। साथ ही लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में शिक्षित करने और मेंटल हेल्थ के मुद्दों को लेकर समाज में मौजूद स्टिग्मा को कम करना भी है। हर साल इसे एक खास थीम के तहत सेलिब्रेट किया जाता है। इस वर्ष डब्लूएचओ ने ष्वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे 2022ष् की थीम ष्मेकिंग मेंटल हेल्थ एंड वेल.बीइंग फॉर ऑल ए ग्लोबल प्राइयॉरिटीष् रखी है।

मानसिक रोगी भी चिकित्सा बीमा के पात्र

लखनऊ। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जारी राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण.2021 के अनुसार, देश में गंभीर मानसिक विकारों से पीड़ित 1.15 करोड़ मरीज होने का अनुमान है। चूंकि, शारीरिक रोगों की तरह ही मानसिक बीमारियों का इलाज भी काफी लंबा और खर्चीला होता है, ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या मानसिक रूप से बीमार लोग चिकित्सा बीमा के लिए पात्र हैं, जवाब हां है। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम.2017 की धारा.21;4द्ध के मुताबिकए मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति चिकित्सा बीमा के लिए पात्र हैं। यह धारा कहती है कि मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े सभी प्रावधानों में बिना किसी भेदभाव के शारीरिक रोगों से ग्रसित मरीजों के समान माना जाएगा। लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर हैए नॉलेज एंड इंफॉरमेशन डिसेमिनेशन फाउंडेशन के प्रमुख सीए मनीष गर्ग कहते है कि तमाम नियम कानूनों के बाद भी मानसिक रोगियों का बीमा का कोई लाभ नहीं मिल रहा। कंपनियां इस तरह के रोगियों का बीमा ही नहीं करना चाहती हैं। जबकि अधिनियम की धारा कहती है कि मानसिक रूप से बीमार लोगों के लिए उसी स्तर और गुणवत्ता की चिकित्सकीय एवं आपातकालीन सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

साहित्यकार डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी को बीएसए ने किया सम्मानित

प्रयागराज। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज प्रवीण कुमार तिवारी ने नाथ पंथ के विशेषज्ञ साहित्यकार प्रयागराज के डॉ अरुण कुमार त्रिपाठी को आज कार्यालय में सम्मानित किया। डॉ त्रिपाठी हाल ही में थाईलैंड में आयोजित नाथ पंथ की गोष्ठी में आमंत्रित किए गए थे। उन्होंने अपना विचार रख कर भारत का प्रतिनिधित्व किया। सम्मानित करते हुए बीएसए श्री तिवारी ने कहा कि विदेश से सम्मान प्राप्त करके डॉ अरुण त्रिपाठी ने हमारे विभाग का नाम रोशन किया है। उस हर अध्यापक का सम्मान करना चाहूँगा जो अच्छे कार्य करके विभाग तथा देश का नाम रोशन कर रहे हैं। यह सम्मान मिलने पर जनपद के सभी अध्यापकों ने प्रसन्नता व्यक्त किया। इस अवसर पर एआरपी शशीकांत मिश्रा पांडुलिपि विभाग के अधिकारी गुलाम सरवर जनार्दन दुबे ज्ञान सिंह नवीन श्रीवास्तव सहित अनेक शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

मानसिक रोगों का बड़ा कारण है तनाव, इससे बचें

- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित हुए जागरुकता कार्यक्रम, होंगे विविध आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर सोमवार को जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की सलाह दी गयी। तनाव को मानसिक रोगों का सबसे बड़ा कारण बताते हुएए इससे बचने को कहा गया। इसके साथ ही जनपद में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता सप्ताह में आज से शुरू हो गया। इसके तहत हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया ।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाण् संदीप चौधरी ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य हमारे जीवन में बेहद अहमियत रखता हैए फिर भी ज्यादातर लोग इसकी अनदेखी करते हैं जोकि बाद में उनके लिए घातक साबित हो जाता है । अतः मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सभी जागरूक होना बेहद जरूरी है। समय से उपचार कराकर मानसिक रोगों का निदान कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के लिए ष्विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सोमवार को जिले के सभी सरकारी अस्पतालों के साथ ही समस्त प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इसमें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से संबन्धित जानकारी व इलाज के लिए उचित सलाह दी गयी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता सप्ताह भी सोमवार से शुरू हो गया जिसमें नागरिकों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने लिए गोष्ठी समेत अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शिव प्रसाद गुप्त मण्डलीय चिकित्सालय के मानसिकध् मनोरोग विभाग में भी जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसआईसी डाण् घनश्याम मौर्या ने कहा कि आमतौर पर लोग मानसिक स्वास्थ्य पर ठीक से ध्यान नहीं देते हैं। आज की भाग.दौड़भरी जिंदगी में तनाव के कारण लोग मानसिक रोगों के शिकार हो रहे हैं। अधिक डिप्रेशन के शिकार व्यक्ति के मन मे आत्महत्या जैसे ख्याल भी आने लगते हैं। लिहाजा अपनी दिनचर्या को नियमित रखने के साथ.साथ हमे तनाव से भी बचने की जरूरत है। मंडलीय चिकित्सालय के मनोचिकित्सक डॉ रविंद्र कुशवाहा ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जनमानस को जागरूक करना बेहत जरूरी है। डॉ रविंद्र ने कहा कि मेंटल स्ट्रेसए डिप्रेशनए इंजायटी से लेकर हिस्टिरियाए डिमेंशियाए फोबिया जैसी कई मानसिक बीमारियां दुनिया में तेजी से बढ़ रही हैं जिनसे सावधान रहने की जरूरत है। मानसिक रोग के प्रारंभिक लक्षणों पर सभी को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नींद न आना या देर से आनाए भूख में कमीए तनावए उलझनए घबराहट आदि का रहनाए बार.बार आत्महत्या का विचार आनाए उदासीए लोगों से दूर रहनाए चिड़चिड़ापन जैसी समस्या यदि किसी को है तो उसे चिकित्सक से तत्काल परामर्श लेना चाहिए।

मंडलीय चिकित्सालय में आयोजित हुआ मानसिक स्वास्थ्य शिविर

मिर्जापुर। अंतरराष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर सोमवार को जिला मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ ने मंडलीय जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में मानसिक बीमारियों के बारे लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही निःशुल्क परामर्श दिया गया। यह जानकारी एनसीडी के राजकुमार उपाध्याय ने दी। शिविर में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के मनोचिकित्सक पूजा सिंह ने शिविर में आए लोगों को संबोधित करते हुए बताया गया कि अत्यधिक नशा करना से दिमाग पर गहरा प्रभाव पड़ता है। व्यक्ति में गुस्साए चिड़चिड़ापनए लड़ाई झगड़ाए मारपीटए घबराहट बेचैनीए नींद की समस्याए स्वतः अजीब.अजीब आवाजें सुनाई पादन और शक व शंका बनी रहती है। व्यक्ति में अत्यधिक आक्रामकता और उन्माद भी इसके लक्षण हैं।

शृंखला जीतने उतरेगा भारत

● सलामी बल्लेबाजों पर होगी निगाह

● मैच भारतीय समयानुसार 1:30 बजे शुरू होगा

भाषा। नई दिल्ली

पिछले मैच में बड़ी जीत से शानदार वापसी करने वाली भारतीय टीम अपनी लय बरकरार रखकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके श्रृंखला अपने नाम करने की कोशिश करेगी, जिसमें सलामी बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। पहले मैच में मामूली अंतर से हार के बाद भारत की दूसरी श्रेणी की टीम ने दूसरे वनडे में सात विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैचों की श्रृंखला ।-। से बराबर की और सीमित ओवरों में अपनी मजबूती का शानदार नमूना पेश किया। भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि कप्तान शिखर धवन और युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की सलामी जोड़ी के प्रदर्शन को लेकर थोड़ा चिंतित होगा। यह दोनों बल्लेबाज श्रृंखला में अभी तक रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। वनडे में निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने वाले भारतीय बल्लेबाजों में से एक धवन श्रृंखला में अभी तक केवल 17 रन बना पाए हैं। अब जबकि निगाहें अगले साल होने वाले वनडे विश्वकप पर टिकी है तब यह अनुभवी बल्लेबाज निर्णायक मैच में टीम को बेहतर शुरुआत देने की कोशिश करेगा। दूसरी तरफ गिल शीर्ष क्रम में मिल रहे अवसरों का पूरा फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। पहले मैच में सस्ते में आउट होने के बाद दूसरे वनडे में वह अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। भारतीय मध्यक्रम हालांकि मजबूत नजर आ रहा है जिसमें श्रेयस अय्यर, ईशान किशन और उपकप्तान संजू सैमसन शामिल हैं। अय्यर और सैमसन ने जहां अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है वहीं किशन शानदार लय में दिख रहे हैं। भारतीय टीम प्रबंधन जब वनडे विश्वकप के लिए खिलाड़ियों को आजमा रहा है तब यह तीनों अपनी फॉर्म बरकरार रखने का पूरा प्रयास करेंगे। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज ने चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह टी20 विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाने का मजबूत दावा पेश किया है। स्पिनर शाहबाज अहमद और रवि बिश्नोई ने भी पदार्पण पर अच्छा प्रदर्शन किया है। दक्षिण अफ्रीका के लिए यह श्रृंखला अगले साल होने वाले विश्वकप की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। वह आईसीसी क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग में कुछ अंक अपने खाते में जोड़ने का पूरा प्रयास करेगा। दक्षिण अफ्रीका अभी रैंकिंग में 11वें नंबर पर है और वह 50 ओवरों के विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की स्थिति में नहीं दिख रहा है। तेंबा बावुमा खराब फॉर्म में चल रहे हैं। उन्हें अस्वस्थ होने के कारण दूसरे वनडे में विश्राम दिया गया था और देखना होगा कि वह निर्णायक मैच में वापसी करते हैं या नहीं। कार्यवाहक कप्तान केशव महाराज ने दूसरे वनडे में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का गलत फैसला किया क्योंकि बाद में गेंदबाजी करते हुए ओस के कारण दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को काफी परेशानी हुई थी। इसके बावजूद दक्षिण अफ्रीका भी निर्णायक मैच में किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगा। उसकी तरफ से बल्लेबाजी में अभी तक क्विंटन डिकॉक, एडेन मार्कराम और डेविड मिलर ने अच्छा प्रदर्शन किया है। बारिश हालांकि इस मैच में खलल डाल सकती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है और मंगलवार को भी बारिश होने की संभावना है।

टीमें इस प्रकार

भारत: शिखर धवन (कप्तान), शुभमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अवेश खान, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, रजत पाटीदार, शाहबाज अहमद और राहुल त्रिपाठी

दक्षिण अफ्रीका: तेम्बा बावुमा (कप्तान), जेनमन मलान, क्विंटन डिकॉक, एडेन मार्कराम, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, वेन पार्नेल, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, तबरेज़ शम्सी, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को जानसेन, एनरिक नॉर्टजे और एंडिले फेहलुकवायो।

महिला एशिया कप

भारत ने अंतिम ग्रुप मैच में थाईलैंड को नौ विकेट से रौंदा

भाषा। सिलहट

भारत ने महिला एशिया कप के अपने अंतिम ग्रुप मैच में सोमवार को यहां थाईलैंड को सिर्फ 37 रन पर समेटने के बाद छह ओवर में लक्ष्य हासिल करके सात टीम के ग्रुप लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारत की छह मैच में यह पांचवीं जीत है। टीम को एकमात्र हार का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ कम स्कोर वाले मैच में करना पड़ा था। भारत के छह मैच में 10 अंक हैं और सेमीफाइनल में उसके साथ पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड तथा बांग्लादेश में से किसी एक के जगह बनाने की उम्मीद है। बांग्लादेश का एक मैच बचा है और उसे अंतिम चार में जगह बनाने के लिए इसमें सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी क्योंकि उसका नेट रन रेट थाईलैंड से बेहतर है। बांग्लादेश का नेट रन रेट प्लस 0.423 जबकि थाईलैंड का माइनस 0.949 है। भारत की कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद थाईलैंड की अनुभवहीन बल्लेबाजों को गेंदबाजी की अनुकूल पिच पर रन बनाने के लिए जूझना पड़ा। दोनों टीम के बीच इतना अधिक अंतर था कि थाईलैंड की टीम 16वें ओवर में आउट होने से पहले सिर्फ 37 रन ही बना सकी। थाईलैंड की ओर से सिर्फ नानापट कोनचारोएनकेई (12) की दोहरे अंक में पहुंच सकी। टीम की ओर से दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर नताया बूचाथम का रहा जिन्होंने सात रन बनाए। नानापट और नटकान चंथाम (06) के बीच पहले विकेट की 13 रन की साझेदारी टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ साझेदारी रही।

भारत की स्पिन तिकड़ी ने थाईलैंड की बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया। आफ स्पिन गेंदबाजों स्नेह राणा (नौ रन पर तीन विकेट) और दीप्ति शर्मा (10 रन पर दो विकेट) तथा बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ (आठ रन पर दो विकेट) ने रन गति पर भी अंकुश लगाए रखा। मेघना सिंह ने भी एक विकेट चटकाया लेकिन पूजा वस्त्रकार को कोई विकेट नहीं मिला। भारत ने इसके जवाब में सलामी बल्लेबाज एस मेघना (नाबाद 20) और पूजा (नाबाद 12) की पारियों से छह ओवर में एक विकेट पर 40 रन बनाकर जीत दर्ज की। पूजा को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा गया जिससे कि उन्हें बल्लेबाजी का समय मिल सके। स्मृति ने मैच के बाद कहा, मेरे 100वें टी20 अंतरराष्ट्रीय को विशेष बनाने के लिए सभी लड़कियों को बधाई।

उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कहूंगी कि विरोधी टीम कमजोर थी। थाईलैंड ने अच्छा क्रिकेट खेला लेकिन हमारी गेंदबाजों ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई स्नेह राणा ने कहा, इस तरह की जीत से आत्मविश्वास बढ़ता है और हम निश्चित तौर पर सेमीफाइनल में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

सऊदी अरब से हारने के बावजूद भारत ने एएफसी अंडर-17 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई किया

दम्मम (सऊदी अरब)। भारत ने आखिरी क्वालीफिकेशन मैच में सऊदी अरब से 1-2 से मिली हार के बावजूद अगले साल होने वाले एएफसी एशियाई कप अंडर 17 फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया। सऊदी अरब के लिए तलाल हाजी ने 22वें और 58वें मिनट में गोल करके बढ़त दिला दी। भारत के लिए एकमात्र गोल स्टॉपेज समय में टी गांगटे ने किया। इस हार के बावजूद भारतीय टीम दूसरे स्थान पर रही छह सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल थी और उसने एएफसी अंडर 17 एशियाई कप 2023 के लिए क्वालीफाई कर लिया। भारत ने इससे पहले मालदीव को 5 -0 से, कुवैत को 3 -0 से और म्यामां को 4-1 से हराया था। पहले हाफ की काफी तेज शुरुआत हुई और गांगटे को पेनल्टी के भीतर गेंद मिली लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत को 14वें मिनट में गोल करने का फिर मौका मिला लेकिन कोरोउ सिंह के शॉट को सऊदी अरब के गोलकीपर ने बखूबी बचा लिया। सऊदी अरब ने पहले हाफ में 22वें मिनट में गोल दागकर बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भी उन्होंने आक्रामक खेल जारी रखा। हाजी ने 58वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट पर गोल करके टीम की बढ़त दुगुनी की। स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में गांगटे ने भारत के लिए एकमात्र गोल किया।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर बधिर टी20 चैंपियंस ट्रॉफी जीती

अजमन (संयुक्त अरब अमीरात)। भारत की बधिर क्रिकेट टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 39 रन से हराकर बधिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद टी20 चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाने वाली भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 140 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 101 रन पर आउट हो गई। भारत की तरफ से कप्तान वीरेंद्र सिंह ने नाबाद 50 और इंद्रजीत यादव ने 40 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से आर डुप्लेसी ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। भारतीय टीम ने फाइनल में पहुंचने से पहले राउंड रोबिन मैचों में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका को हराया था।

रोनाल्डो ने क्लब फुटबॉल में 700वां गोल दागा

लंदन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरकार इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के इस सत्र में अपना पहला गोल करने में सफल रहे जो उनका क्लब फुटबॉल में 700वां गोल है। पुर्तगाल के इस स्टार स्ट्राइकर के गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एवर्टन को 2-1 से हराया। रोनाल्डो खेल के 29वें मिनट में चोटिल एंथनी मार्शल की जगह स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और इसके 15 मिनट बाद उन्होंने गोल दाग दिया। यह उनका मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से 144वां गोल था। उन्होंने रियाल मैड्रिड की तरफ से 450 गोल कर रखे हैं जबकि युवेंट्स की तरफ से खेलते हुए उन्होंने 101 गोल दागे थे।

हरमनप्रीत और रिजवान सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

भाषा। दुबई

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने सितंबर के लिए आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) महीने के खिलाड़ी में क्रमश: महिला एवं पुरुष वर्ग का पुरस्कार हासिल किया। हरमनप्रीत को इंग्लैंड में एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया। उन्होंने पुरस्कार की दौड़ में अपनी साथी और उपकप्तान स्मृति मंधाना और बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना को पीछे छोड़ा। हरमनप्रीत ने पुरस्कार जीतने के बाद कहा, पुरस्कार के लिए नामित होना ही बड़ी बात है और इसे जीतना शानदार अहसास है। स्मृति और निगार के साथ नामित होने के बाद विजेता बनकर अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा, अपने देश का प्रतिनिधित्व करने में मुझे हमेशा गर्व होता है तथा इंग्लैंड में ऐतिहासिक वनडे श्रृंखला जीतना मेरे करियर की बड़ी उपलब्धियों में शामिल रहेगी। हरमनप्रीत के लिए सितंबर का महीना यादगार रहा। भारत ने उनकी अगुवाई में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत ने इस तरह से 1999 के बाद इंग्लैंड में वनडे में पहली श्रृंखला जीती। उन्होंने तीन मैचों में 221 रन बनाए। उन्होंने पहले वनडे में नाबाद 74 रन की पारी खेली जबकि इसके बाद दूसरे वनडे में 111 गेंदों पर 143 रन बनाए। पुरुष वर्ग में रिजवान ने भारत के बाएं हाथ के इस स्पिनर अक्षर पटेल और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को पुरस्कार की दौड़ में पीछे छोड़ा। रिजवान ने भी सितंबर में शानदार फॉर्म दिखाई थी। रिजवान ने कहा, इस तरह की उपलब्धियों से आपका हौसला बढ़ता है। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं और ऑस्ट्रेलिया में भी यही लय बरकरार रखना चाहता हूं। मैं यह पुरस्कार पाकिस्तान के उन लोगों को समर्पित करना चाहता हूं जो बाढ़ और जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हैं।

सूर्या ने बिखेरी चमक, भारत ने पहले अभ्यास मैच में पश्चिम आस्ट्रेलिया को 13 रन से हराया

भाषा। पर्थ

सूर्यकुमार यादव ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अर्धशतक जमाया जिससे भारत ने टी20 विश्व कप से पहले सोमवार को यहां अपने पहले अभ्यास मैच में पश्चिम आस्ट्रेलिया क्रिकेट संघ (वाका) एकादश को 13 रन से हराया। पिछले तीन दिनों से वाका में अभ्यास कर रही भारतीय टीम ने पिच की तेजी और उछाल से सामंजस्य बिठाने के लिए यह अभ्यास मैच खेला। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 158 रन बनाए। वाका एकादश इसके जवाब में 145 रन ही बना पाया। भारत की तरफ से कप्तान रोहित शर्मा के साथ उनके नियमित जोड़ीदार केएल राहुल की बजाय ऋषभ पंत ने पारी का आगाज किया, लेकिन वह सूर्यकुमार थे जिनकी 35 गेंदों पर खेली गई 52 रन की पारी भारतीय पारी का आकर्षण रही। स्टेडियम में मौजूद कुछ दर्शकों ने उनकी प्रवाहमय बल्लेबाजी का पूरा आनंद लिया। सूर्यकुमार ने अपनी पारी में तीन चौके और इतने ही छक्के लगाए। किसी भी समय ऐसा नजर नहीं आया जबकि दुनिया के नंबर दो टी20 बल्लेबाज को पिच की तेजी और उछाल ने परेशान किया हो। जिस अन्य खिलाड़ी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया वह ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या थे जिन्होंने 20 गेंदों में 29 रन की तेजतर्रार पारी खेली। दीपक हुड्डा ने भी 14 गेंदों पर 22 रन बनाए। भारत ने पावरप्ले में दो विकेट पर 39 रन बनाए थे। सूर्यकुमार जब 17वें ओवर में आउट हुए तो भारत का स्कोर पांच विकेट पर 129 रन था लेकिन उसने अंतिम तीन ओवरों में 29 रन बनाए। वाका एकादश की दूसरे दर्जे की टीम के खिलाफ अपने स्कोर का बचाव करने उतरी भारतीय टीम को भुवनेश्वर कुमार और अर्शदीप सिंह ने अच्छी शुरुआत दिलाई। इन दोनों ने मेजबान टीम का शीर्ष क्रम लड़खड़ा दिया। वाका एकादश का स्कोर पावरप्ले के छह ओवरों में चार विकेट पर 29 रन था। वह आखिर तक खराब शुरुआत से नहीं उबर पाया। अर्शदीप भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे।

वेस्टइंडीज ने यूएई को 17 रन से हराया

मेलबर्न। ब्रेंडन किंग के अर्धशतक और कप्तान निकोलस पूरण की शानदार पारी से वेस्टइंडीज ने आईसीसी टी20 विश्वकप के अभ्यास मैच में सोमवार को यहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 17 रन से हराया। किंग (45 गेंदो पर 64) और पूरण (31 गेंदो में 46) ने चौथे विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी की जिससे वेस्टइंडीज ने जुनैद सिद्दीकी (चार ओवर में 13 रन देकर पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बावजूद पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 152 रन बनाए। यूएई की टीम इसके जवाब में छह विकेट पर 135 रन ही बना पाई। उसके केवल दो बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे जिनमें से मोहम्मद वसीम ने नाबाद 69 और जावर फरीद ने नाबाद 29 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से रेमन रीफर ने तीन विकेट लिए।

भारतीय कोच डेनरबी को पहले गोल करके अमेरिका पर दबाव बनाने की उम्मीद

भुवनेश्वर (भाषा)। मुख्य कोच थॉमस डेनरबी को उम्मीद है कि भारत मंगलवार को यहां फीफा महिला अंडर-17 विश्व कप के अपने पदार्पण मैच में अमेरिका की मजबूत टीम के खिलाफ जल्दी गोल करेगा। डेनरबी ने इससे पहले कहा था कि भारतीय टीम का डिफेंस हाल के समय में मजबूत हुआ है और उनकी टीम के खिलाफ गोल करना मुश्किल होगा। डेनरबी ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमारे खिलाफ गोल करना मुश्किल होगा। अगर हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं और अगर शीर्ष टीमें उस दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करती हैं और अगर हम शुरुआती गोल करने में कामयाब होते हैं तथा अगर वे (विपक्षी टीम) कुछ नर्वस होने लगते हैं तो हमारे पास एक मौका है। उन्होंने कहा, अगर हमारे पास मौका है तो हम चुनौती पेश करेंगे। हमारे पास अच्छा मौका है कि हम अमेरिका के खिलाफ एक अंक बनाएं। डेनरबी ने कहा, यह (कमजोर टीम होना) हमारे अनुकूल है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अमेरिका प्रबल दावेदार है लेकिन यह खेल से पहले कागज पर है। खेल कल 0-0 से शुरू होगा। यह पूछे जाने पर कि भारत टूर्नामेंट में कितना आगे जा सकता है, उन्होंने कहा, हमें इसके लिए लड़ना होगा और अगर हम क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं तो यह एक बड़ी सफलता होगी। हम वहां तक पहुंचने के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, वह करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में बड़ी बाउंड्री के कारण गेंदबाजों के पास आक्रामक होने का मौका : अश्विन

भाषा। पर्थ

अनुभवी गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन का मानना है भारत के मैदानों में छोटी बाउंड्री के कारण गेंदबाजों को रक्षात्मक रूख अपनाना पड़ता है जबकि आगामी टी20 विश्व कप के मेजबान ऑस्ट्रेलिया के बड़े मैदानों में गेंदबाजों के पास आक्रामक रूख अख्तियार करने का मौका होगा। भारत 23 अक्टूबर को मेलबर्न में पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप के शुरुआती मैच से पहले ब्रिसबेन में दो अभ्यास मैच खेलेगा। टीम ब्रिसबेन रवाना होने से पहले पर्थ में अभ्यास कर रही है। अश्विन ने सोमवार को पश्चिम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के पहले अभ्यास मैच में गेंदबाजी नहीं की। उन्होंने हालांकि टीम के कुछ अन्य साथियों के साथ रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले गए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच का लुत्फ उठाया था। इस ऑफ स्पिनर ने कहा, भारत में टी20 और द्विपक्षीय मैचों में जो होता है हम उससे सीख सकते हैं। यह कहा जाता है कि गेंदबाजों के खिलाफ काफी रन बन रहे हैं लेकिन भारत में बाउंड्री 30 गज के घेरे के काफी करीब है। अश्विन ने पश्चिम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के बाद कहा, जब आप ऑस्ट्रेलिया आते हैं तो बाउंड्री बहुत बड़ी होती हैं, इससे गेंदबाजों को प्रयोग करने का मौका मिलता है। आपको किस तरह से गेंदबाजी करनी है, यह जानना भी बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे मौके पर आप जोखिम उठाने का साहस कर सकते हैं। भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के इस टूर्नामेंट के लिए काफी पहले यहां पहुंच गई है। अश्विन ने कहा, टी20 विश्व कप के लिए दो सप्ताह का समय है और यह एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है।

सिंधू को दिसंबर में विश्व टूर फाइनल तक फिट होने की उम्मीद

भाषा। नई दिल्ली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को उम्मीद है कि टखने की चोट के कारण अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से लंबे ब्रेक के बाद वह दिसंबर में सत्रांत विश्व टूर फाइनल्स के दौरान वापसी करने में सफल रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय सर्किट में सबसे फिट खिलाड़ियों में शामिल सिंधू को अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान बाएं पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर हो गया था। ब्रेव टुगेदर कैंपेन की ब्रांड दूत सिंधू ने पीटीआई से कहा, सकारात्मक पक्ष यह है कि ब्रेक लेने के लिए मुझे लगता है कि सिर्फ यही समय था क्योंकि अगला साल काफी व्यस्त होने वाला है और लगातार टूर्नामेंट होंगे। उन्होंने कहा, नकारात्मक पक्ष यह है कि चोट के कारण मुझे ब्रेक लेना पड़ा। लेकिन यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आपको अपने शरीर का ध्यान रखना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि आप पूरी तरह फिट और ठीक रहें। आपको खेल के स्तर से निपटने के लिए खुद को फिट बनाए रखना होगा। सिंधू ने कहा, जल्दी उबरना महत्वपूर्ण होता है। मैं बेहतर हो रही हूं और उम्मीद करती हूं कि दिसंबर में खेलना शुरू कर दूंगी। सिंधू इस महीने डेनमार्क ओपन (18 से 23 अक्टूबर) और फ्रेंच ओपन (25 से 30 अक्टूबर) में हिस्सा नहीं हो पाएंगी जो बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 प्रतियोगिता है। विश्व टूर फाइनल्स का आयोजन 14 से 18 दिसंबर तक चीन के ग्वांग्झू में किया जाएगा। यह पूछने पर कि क्या यह लक्ष्य है तो सिंधू ने कहा, हां, बेशक। मैं डेनमार्क और पेरिस में नहीं खेल रही हूं। लेकिन उम्मीद करती हूं कि वहां खेल पाऊंगी। हैदराबाद की 27 साल की सिंधू ने कहा कि खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी की जाती है और इस बारे में बात करना महत्वपूर्ण है। इससे पहले पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान विराट कोहली, चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता जापान की नाओमी ओसाका और दिग्गज जिम्नास्ट अमेरिका की सिमोन बाइल्स जैसे खिलाड़ी मानसिक स्वास्थ्य से जूझने का खुलासा कर चुके हैं।

राष्ट्रीय खेलः मुक्केबाज सुमित, संजीत, जमुना, अंकुशिता सेमीफाइनल में

भाषा। गांधीनगर

मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन सुमित कुंडू, विश्व चैंपियनशिप की पूर्व पदक विजेता जमुना बोरो और एशियाई चैंपियन संजीत ने सोमवार को यहां राष्ट्रीय खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता के अपने भार वर्गों के सेमीफाइनल में प्रवेश करते हुए पदक पक्का किया। विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले सेना के सुमित ने हरियाणा के अंकित खटाना को हराया। सुमित तीनों दौर में दक्षिण एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता के डिफेंस को भेदने में सफल रहे और पुरुषों के 75 किग्रा वर्ग के मुकाबले में सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। फाइनल में जगह बनाने के लिए सुमित का सामना अब महाराष्ट्र के निखिल दुबे से होगा। क्वार्टर फाइनल में निखिल ने दिल्ली के बंटी सिंह को 5-0 से मात दी। संजीत ने 92 किग्रा हैवीवेट वर्ग में दिल्ली के हर्ष कौशिक को हराया। महिला वर्ग में असम की जमुना बोरो और अंकुशिता बोरो ने दबदबा बनाते हुए अपने मुकाबले जीते। दिन के शुरुआती मुकाबले में राजस्थान की सपना शर्मा के खिलाफ जमुना ने 57 किग्रा फेदरवेट वर्ग के तीनों दौर में दबदबा बनाया। पिछले तीन दिन से तेज बुखार से जूझ रही जमुना ने हालांकि रिंग में थकान के कोई लक्षण नहीं दिखाए और 5-0 से जीत दर्ज की। असम मुक्केबाजी दल के मैनेजर ने कहा, वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ है, तेज बुखार से पीड़ित है लेकिन मानसिक रूप से बहुत मजबूत है। खराब स्वास्थ्य के बावजूद वह अपने पहले राष्ट्रीय खेलों के अभियान को यादगार बनाने के लिए रोजाना ट्रेनिंग कर रही है। जमुना का अगला मुकाबला हरियाणा की पूनम से होगा जिन्होंने क्वार्टर फाइनल में मणिपुर की समीम बंद खुलाकफाम को खंडित फैसले में 4-। से हराया। अंकुशिता ने गुजरात की परमजीत कौर के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की। रैफरी ने 66 किग्रा वर्ग के मुकाबले को दूसरे दौर में ही रोक दिया। सेमीफाइनल में अंकुशिता की भिड़ंत राजस्थान की ललिता से होगी जिनके खिलाफ उन्होंने अब तक तीनों मुकाबले जीते हैं। पुरुषों के वर्ग में हरियाणा के नवीन कुमार ने 92 किग्रा हैवीवेट वर्ग में उत्तर प्रदेश के हरीश यादव को हराया जबकि 75 किग्रा मिडिलवेट वर्ग में मिजोरम के माल्सावमितलुआंगा ने उत्तराखंड के पंकज कुमार पर 5-0 से जीत दर्ज की। इसी वर्ग में गोवा के पुष्पेंद्र राठी ने उत्तर प्रदेश के गगनदीप को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।